जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 16 संख्याः 280 प्रभात हिण्डौन सिटी, मंगलवार 13 अगस्त, 2024 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

सेबी की चेयरमैन माधवी पुरी बुच की भूमिका पर तलवारें खिंची मोदी सरकार व विपक्ष में

सरकार का कहना है कि श्रीमती बुच को कठघरे में खड़ा करके विपक्ष उस षड़यंत्र का हिस्सा बन गया है, जो भारत में कोई ''इकोनॉमिक इन्वेस्टमैंट'' नहीं होने देना चाहता

- सरकार का यह भी कहना है कि हिंडनबर्ग रिसर्च, जिसने श्रीमती बुच व अडानी ग्रुप की सांठ-गांठ का आरोप लगाया है, के मालिक हंगरी में जन्मे अमेरिकी इन्वेस्टर सोरोस हैं तथा सोरोस शुरु से भारत, नरेन्द्र मोदी व भाजपा के खिलाफ प्रोपैगैंडा करते रहे हैं।
- दूसरी ओर हिंडनबर्ग रिपोर्ट में स्पष्ट लिखा है श्रीमती बुच, सेबी की अध्यक्ष के रूप में सदा अडानी ग्रुप के बचाव में रही हैं।
- तथा हिंडनबर्ग रिपोर्ट में प्रकाशित सबूत व आरोपों, जिनकी पुष्टि 40 निष्पक्ष व स्वतंत्र मीडिया ग्रुप्स ने भी की है, की अनेदखी करती रहीं हैं, सेबी की अध्यक्ष के रूप में।
- हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने यह भी आरोप लगाया है कि श्रीमती बुच ने इस बात को भी कभी सार्वजनिक नहीं किया कि उनके पास उस कंपनी में शेयर थे जिसे अडानी ग्रुप ने काम में लिया था, अपना ब्लैक का पैसा वाइट करने के लिये।
- सेबी के नियमों के अनुसार, सेबी के किसी भी अधिकारी का उस केस में थोड़ा बहुत भी ''इन्टरेस्ट'' है, जिसकी सेबी जाँच-पड़ताल कर रही है या करने की सोच रही है तो उस अफसर के लिए ''अपना इन्टरेस्ट'' सार्वजनिक करना या उस जाँच से अपने को अलग कर लेना अनिवार्य होता है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अगस्त। जैसी कि उम्मीद थी, ताजातरीन हिंडनबर्ग रिपोर्ट को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्ष के बीच साफ तौर पर आमने सामने आ गए हैं। ज्ञातव्य है कि इस रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि एस.ई.बी.आई. (सेबी) प्रमुख माधवी पुरी बुच तथा उनके पति धवल बुच की अडानी के घोटाले में गहरी लिप्तता है तथा अडानी के उस गुमनाम ऑफशोर फंड में बुच-युगल की हिस्सेदारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के घोर समर्थक इस पूरे मुद्दे को राष्ट्रहित के खिलाफ एक साजिश के रूप में देख रहे हैं।

हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में विसल ब्लोअर दस्तावेजों का हवाला देते हुये यह दावा किया गया है कि बुच दम्पति आई.पी.ई. प्लस फंड, जो एक ऑफशोर (देश से बाहर स्थित) फर्म है, में शामिल है तथा यह फर्म संवीक्षा (स्क्रूटनी) में आ गई है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि गौतम अडानी का भाई, विनोद (कॉम्प्लेक्स स्ट्रक्चर) के हिस्से के रूप में करता था, जो मनी-लॉन्डरिंग के लिये अनेक ऑफशोर फंड्स से जुड़ा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस.आई. पेपर लीक केस, सुप्रीम कोर्ट ने एस.एल.पी. खारिज की

जयपुर, 12 अगस्त (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट ने एस.आई. भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में एस.ओ.जी. की ओर से की गई आरोपियों की गिरफ्तारी की कार्रवाई को सही माना है। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों को जमानत देने से इन्कार करते हुए उनकी स्पैशल लीव पिटिशन (एस.एल.पी.) खारिज कर दी। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस पंकज मित्थल की खंडपीठ ने यह आदेश आरोपी सुभाष विश्नोई व अन्य की एस.एल.पी. पर दिए।

- सुप्रीम कोर्ट ने एस.आई. पेपर लीक केस के ट्रेनी आरोपियों की गिरफ्तारी को सही माना और आरोपियों को जमानत देने से इन्कार करते हुए उनकी एस.एल.पी. खारिज कर दी।

खंडपीठ ने कहा कि आरोपियों का अपराध एक व्यक्ति विशेष के खिलाफ न होकर पूरे समाज के खिलाफ है। आरोपियों ने लाखों प्रतिभाशाली लोगों की भावनाओं के साथ खेला है और ऐसे में उन्हें किसी भी तरह की राहत नहीं दे सकते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एस.ओ.जी. पहले आरोपियों को पूछताछ के लिए लाई थी और उनके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ये माधवी पुरी बुच आखिर हैं कौन?

सेबी की वर्तमान अध्यक्ष, श्रीमती बुच 2017 से सेबी अध्यक्ष अजय त्यागी के कार्यकाल में सेबी के बोर्ड की सदस्य बनीं, तदोपरान्त सेबी की पहली महिला अध्यक्षा बनीं

- श्रीमती बुच, पहली व्यक्ति हैं, जो प्राइवेट सैक्टर से सेबी के सर्वोच्च पद पर नियुक्त हुई हैं।
- श्रीमती बुच ने सेंट स्टीफन्स कॉलेज दिल्ली से मैथमैटिक्स (गणित) में ग्रेजुएशन (स्नातक) की पढ़ाई की तथा इसके बाद आई.आई.एम. अहमदाबाद से एम.बी.ए. की शिक्षा ग्रहण की।
- अठारह वर्ष की उम्र में धवल बुच से मंगनी की, उस समय उनके भावी पति, बहुराष्ट्रीय कंपनी युनिलीवर में निदेशक थे। 21 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद दोनों की शादी हुई
- वे कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुकी हैं तथा सेबी में कई नये टैक्नोज़िकल सिस्टम शुरु करवाये हैं। सेबी में ''कॉरपोरेट कल्चर'' (कोरपीटाइज़ेशन) की प्रक्रिया उन्होंने आरम्भ की।
- हिंडनबर्ग रिपोर्ट में माधवी पुरी बुच व उनके पति धवल बुच पर अडानी ग्रुप के शेयर के दाम बेहिसाब तरीके से बढ़वाने में मदद करने का आरोप लगा हुआ है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अगस्त। सिक्यूरीटीज़ एक्सचेंज बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच, जो कि अमेरिका रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों के कारण विवादों के घेरे में हैं, सेबी की पहली महिला अध्यक्ष हैं।

वर्ष 1966 में जन्मी माधवी अप्रैल 2017 से ही सेबी के पूर्व अध्यक्ष अजय त्यागी के साथ सेबी की पूर्णकालिक सदस्य के रुप में काम कर चुकी हैं। वे पहली ऐसी शख्सियत हैं जिन्हें प्राइवेट सैक्टर से लाकर इस पोस्ट पर लगाया गया था।

वे पहली श्ख्स थीं, जो प्राइवेट सैक्टर से आईं और उन्हें सेबी का प्रमुख बनाया गया। इस पर काफी विवाद भी उठा और पूछा गया कि आखिर उन्हें इस सर्वोच्च पद पर लाने के पीछे किसका हाथ है।

इसी के साथ यह कहा जाना भी आवश्यक है कि सेबी अध्यक्ष के रुप में माधवी ने सिस्टम को सुचारु रुप से चलाने में और संगठन की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए उसका व्यवसायीकरण करने में अहं भूमिका निभाई थी।

माधवी पुरी बुच ने मुम्बई के फोर्ट कॉन्वैन्ट और दिल्ली के कॉन्वैंट आफ जीसस एण्ड मैरी से स्कूली शिक्षा पूरी की और दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज से उन्होंने गणित विषय में ग्रेजुएशन किया और अहमदाबाद आई.आई.एम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा फिर से मंत्री पद संभाल सकते हैं

पिछले दो दिन से आपदा प्रबंधन की स्थिति का जायजा ले रहे हैं डॉ. किरोड़ी

- डॉ. किरोडी, भजनलाल सरकार में ग्रामीण विकास और आपदा प्रबंधन मंत्री के पद पर ही थे।
- मंगलवार को भी डॉ. किरोड़ी पूर्वी राजस्थान के जिलों का दौरा करेंगे।
- भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी कहा कि डॉ. किरोड़ी जल्दी ही मंत्री पद की जिम्मेवारी संभालेंगे।

जयपुर, 12 अगस्त (का.सं.)। भजनलाल सरकार में मंत्री पद से इस्तीफा दे चुके किरोड़ीलाल मीणा एक बार फिर से मंत्री पद संभाल सकते हैं, जिसके संकेत अब मिलने लगे हैं। पिछले दो दिनों से किरोड़ीलाल मीणा प्रदेश में आपदा प्रबंधन की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। वे भजनलाल सरकार में ग्रामीण विकास और आपदा प्रबंधन विभाग का जिम्मा संभाल रहे थे। मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद किरोड़ी विभाग का कामकाज नहीं देख रहे थे। लेकिन अब अचानक किरोड़ी आपदा प्रबंधन विभाग में सक्रिय हुए हैं। रविवार को उन्होंने आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार से प्रदेश में भारी बारिश से उपजी स्थिति के संबंध में वार्ता की। वहीं, मंगलवार को किरोड़ी पूर्वी राजस्थान के जिलों में जलभराव वाले इलाकों का दौरा करेंगे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी कहा कि किरोड़ी जल्द कामकाज संभालेंगे, उन्होंने भावनात्मक रूप से मंत्री पद से इस्तीफा दिया था।

गौरतलब है कि किरोड़ीलाल मीणा ने लोकसभा चुनावों में दौसा सीट नहीं जीतने पर मंत्री पद से इस्तीफा देने की बात कही थी। चुनाव में भाजपा दौसा लोकसभा सीट हार गई, जिसके बाद किरोड़ीलाल मीणा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को अपना इस्तीफा भेज दिया। इसका खुलासा खुद किरोड़ी ने 4 जुलाई को जयपुर में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए किया था।

उसके बाद से ही किरोड़ी विभाग का कामकाज नहीं देख रहे थे। लेकिन, पिछले दो दिन से किरोड़ी प्रदेश में आपदा प्रबंधन को लेकर सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। रविवार को किरोड़ी ने आपदा प्रबंधन के अतिरिक्त मुख्य सचिव सहित अन्य अधिकारियों से प्रदेश की स्थिति के बारे में वार्ता की। इसके अलावा, मंगलवार को वे महुवा, वैर, (श्रीनगर) बयाना, हिण्डौन, करौली, गंगापुरसिटी, सवाईमाधोपुर में जलभराव वाले इलाकों के दौरे पर रहेंगे। इसकी जानकारी उन्होने अपने सोशल मीडिया अकाउन्ट एक्स पर भी दी।

डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के पिछले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिंघानिया वि.वि. पर कार्रवाई क्यों नहीं- हाई कोर्ट

जयपुर, 12 अगस्त (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नेशनल मेडिकल काउन्सिल (एन.एम.सी.) से मान्यता लिए बिना ही एम.बी.बी.एस. कोर्स संचालित करने वाली झुंझुंनूं की सिंघानिया युनिवर्सिटी के खिलाफ शिकायत मिलने के बाद भी राज्य सरकार की ओर से कार्रवाई नहीं करने को गंभीर माना है। इसी क्रम में अदालत ने अतिरिक्त मुख्य उच्च शिक्षा सचिव को मंगलवार को उपस्थित होकर यह

- नैशनल मैडिकल काउन्सिल से मान्यता लिए बिना ही एम.बी.बी.एस. कोर्स संचालित कर रहे झुंझुनू के सिंघानिया विश्वविद्यालय पर कार्यवाही नहीं करने को हाई कोर्ट ने गंभीर माना और राज्य सरकार से जवाब तलब किया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा व विपक्ष यू.पी. के बाय इलैक्शन ऐसे लड़ रहे हैं, जैसे अस्तित्व की लड़ाई हो

10 सीटों पर उपचनुाव हो रहे हैं उनमें से सात भाजपा व सहयोगी दलों के पास थी तथा बाकी तीन पर सपा आदि का कब्जा था

- पर, इस बार उपचुनाव में दोनों राजनीतिक ग्रुप अपनी पुरानी सीट पर जीतने के प्रयास में ही नहीं हैं, बल्कि 10-0 का स्कोर चाहते हैं।
- भाजपा लोकसभा चुनाव में पायी असफलता का कलंक धो देना चाहती है।
- इंडिया गठबंधन 10-0 का स्कोर हासिल कर यह जताना चाहता है कि लोकसभा की सफलता कोई अपवाद नहीं थी, बल्कि जनता के मूड का सही मापदंड था और यह मूड अभी भी बरकरार है।
- कांटे की टक्कर फैज़ाबाद जिले की मिल्कीपुर सीट पर है। लोकसभा चुनावों में फैजाबाद सीट पर सपा जीती थी, यह भाजपा के मुंह पर चपत था, क्योंकि इस सीट के केन्द्र बिन्दु अयोध्या में भव्य मंदिर बनवाया था, भाजपा ने।

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अगस्त। ऐसा प्राय: देखने में नहीं आता है कि विधानसभा उपचुनाव इतने महत्वपूर्ण मान लिये जायें, जितने उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों के आगामी उपचुनाव मान लिये गये हैं। लोकसभा चुनाव में लगे आघात के जख्मों को अभी भी सहला रही भाजपा ने शनिवार को राज्यव्यापी ''तिरंगा यात्रा'' शुरु कर दी, जिसका उद्देश्य हिन्दुत्व और राष्ट्रवाद के उद्घोष को और अधिक सशक्त करना है। राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ''मिशन-20'' लॉन्च कर ही दिया है, जिसके अन्तर्गत सभी दस चुनाव क्षेत्रों में से प्रत्येक की चुनाव व्यवस्था की देख-रेख के लिये दो-दो मंत्री लगा दिये गये हैं।

इसी प्रकार, कांग्रेस ने एक महीने का प्रचार अभियान शुरु कर दिया है, जो जातिगत जनगणना की उसकी माँग तथा वक्फ संशोधन विधेयक पर उसके द्वारा उठाई गई आपत्तियों पर केन्द्रित है। जहाँ तक समाजवादी पार्टी का प्रश्न है, वह अपने पी.डी.ए. मुद्दे पर जोर देने के लिये पूरे राज्य में पदयात्रा आयोजित कर रही है।

इन 10 सीटों में से, भाजपा ने 2022 के चुनाव में 5 सीटें जीती थीं तथा इसके दो मित्र दलों ने एक-एक सीट जीती थी। शेष सीटें सपा के खाते में गई थीं। इन उपचुनावों के बारे में एक विशेष पहलू यह है कि 2022 के चुनावों में प्राप्त सीटों को अपने पास बनाये रखने की लड़ाई के बजाय, दोनों ही गठबंधन- एन.डी.ए. तथा इंडिया इन उपचुनावों को सभी चुनावी लड़ाइयों की मां मानते हुये लड़ रहे हैं। दोनों ही गठबंधन इन उपचुनावों का परिणाम 10-0 रखने के लिये संकल्पित हैं। जाहिर है, दोनों ही गठबंधनों के लिये इन उपचुनावों का राजनैतिक महत्व बहुत ही ज्यादा है। इन उपचुनावों के नतीजे से ही यह तय होगा कि योगी आदित्यनाथ राज्य के मुख्यमंत्री बने रहेंगे अथवा नहीं। वहीं, इंडिया ब्लॉक के लिये ये चुनाव इस बात का संकेत देंगे कि उसे लोकसभा में मिला लाभ वास्तविक तथा स्थायी था अथवा नहीं।

इन 10 सीटों में, सबसे ज्यादा महत्व मिल्कीपुर सीट को दिया जा रहा है। भाजपा इस सीट को जीतने के लिये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलंगाना के कैब चालकों ने आंध्र के टैक्सी चालकों को भगाने की मुहिम शुरु की

तेलंगाना कैब ड्राइवर्स का मत है कि आंध्र के टैक्सी चालकों की वजह से उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है

- तेलंगाना के कैब ड्राइवर्स की यूनियन ने राज्य सरकार से व अन्य राज्यों के कैब ड्राइवर्स के काम काज पर सख्ती बरतने का आग्रह किया, पर, उनका निशाना आंध्र के कैब ड्राइवर्स हैं, जो उनकी ही तरह तेलुगू भाषी हैं।
- दस साल पहले जब आंध्र प्रदेश का विभाजन हुआ था और तेलंगाना व आंध्र दो राज्य बने थे तब हैदराबाद को दस साल के लिए दोनों राज्यों की राजधानी करार दिया गया था, और तब से ही दोनों तेलुगू भाषी राज्यों के कैब ड्राइवर्स अपना-अपना काम कर रहे थे।
- पर, समझौते के अनुसार, 2 जून 2024 से हैदराबाद संयुक्त राजधानी नहीं रह गया है, अब यह सिर्फ तेलंगाना की राजधानी है। तब से ही तेलंगाना के कैब ड्राइवर्स आंध्र के टैक्सी चालकों को भगाने पर तुले हैं।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अगस्त। आंध्रप्रदेश और तेलंगाना दोनों राज्यों के लोग तेलुगूभाषी हैं, लेकिन तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में आंध्र के कुछ लोग टैक्सियां चला रहे हैं। आजीविका का मृद्दा गर्माने के कारण इन टैक्सी वालों से आंध्रप्रदेश जाने के लिए कहा जा रहा है।

तेलंगाना मूल के कैब चालक इस बात को लेकर परेशान है कि आई.टी. हब हैदराबाद में बाहर के वाहनों की बाढ़ आई हुई है और ये लोग उनकी आजीविका छीन रहे हैं।

आंध्रप्रदेश के विभाजन से एक लम्बे जनांदोलन के बाद दस वर्ष पूर्व तेलंगाना और आंध्रप्रदेश और 2 जून 2024 के एक समझौते के अनुसार हैदराबाद अब दोनों राज्यों की एक राजधानी नहीं रहा है और तभी से तेलंगाना के टैक्सी ड्राइवर आंध्र के टैक्सी ड्राइवर्स को राज्य से बाहर निकालने का दबाव बना रहे हैं।

स्थानीय कैब यूनियन ने राज्य सरकार से अनुरोध किया है कि वह हैदराबाद में चलने वाले अन्य राज्य के वाहनों के संचालन को रैग्युलेट करे। वास्तव में, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडू के वाहनों का परमिट लैप्स हो जाने के बावजूद ऐप आधारित शेयरिंग सर्विसेज तथा सॉफ्टवेयर फर्म्स के लिए कार्य करते पाया गया है।

स्थानीय टैक्सी ऑपरेटर्स ने कहा है कि बाहर के राज्यों की कैब्स में से ज्यादातर आंध्रप्रदेश की हैं और परिवर्तन विभाग को बाहर के वाहनों पर कार्रवाई करनी चाहिए।

अब, हैदराबाद में कार्यरत आंध्र के टैक्सी ऑपरेटर्स आंध्रप्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने यूनियन के नेताओं से बात कर अनुरोध किया है कि आंध्र के लोगों को भी हैदाराबाद में काम करने दिया जाए। इस अनुरोध पर तेलंगाना की कैब ड्राइवर्स यूनियन ने कहा कि वह आंध्र के कैब ड्राइवर्स के खिलाफ नहीं है, बल्कि उनका विरोध एग्रीगेटर कम्पनियों से हैं जो अवैध रूप से सर्विस प्रोवाइड कर रही हैं।

''तेलंगाना गिग एण्ड प्लेटफॉर्म वर्कर यूनियन'' के अध्यक्ष शाईक सलाउद्दीन ने कहा कि ''तेलंगाना में संचालित अन्य राज्य के वाहन राजकोष को प्रभावित करते हैं। त्योहारों के सीज़न में निजी वाहनों द्वारा अवैध कैब सर्विसेज बढ़ जाती हैं जिससे पंजीकृत कैब ड्राइवर्स का कारोबार प्रभावित होता है तथा यात्री सुरक्षा का भी जोखिम रहता है।''

आंध्रप्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने तेलंगाना की कैब ड्राइवर्स यूनियन से अपील की है कि वे अपने साथी तेलुगू भाषी लोगों को अपने साथ काम करने की मंजूरी दें क्योंकि दोनों तेलुगू भाषी राज्यों के विकास के लिए उनमें एकता जरूरी है। आंध्र के कैब ड्राइवर्स को हैदराबाद से चले जाने की बात कहना अनुचित है। उन्होंने तेलंगाना के कैब ड्राइवर्स से अनुरोध किया कि वे आंध्रप्रदेश के अपने भाईयों के साथ संवेदनशीलता से काम लें क्योंकि उन्हें अपने स्थान से हटाने का मतलब होगा 2 हजार परिवारों की आजीविका छीनना।

पवन कल्याण ने यह भी कहा कि वह इस समस्या के समाधान का प्रयास करेंगे और तेलंगाना सरकार के संबंधित लोगों से बात करेंगे। तेलुगू भाषी दोनों राज्यों को परस्पर सहयोग की आवश्यकता है।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की सुरक्षा में चूक

अजमेर, 12 अगस्त (कासं)। एक दिवसीय दौरे पर सोमवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी जब अधिकारियों की बैठक लेने अजमेर के जिला कलैक्ट्रेट सभागार पहुंचीं तो उनकी सुरक्षा व्यवस्था में सेंधमारी करते हुए एक युवक बैठक में पहुंच गया। बैठक में तीनों जिले के एस.पी. और कलैक्टर सहित

- अजमेर कलैक्ट्रेट में मीटिंग के दौरान एक अज्ञात युवक दौड़ता हुआ आया और सभागार में घुस गया, पुलिस ने युवक को पकड़ लिया है।

अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। सुरक्षाकर्मियों ने बाद में युवक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस युवक से पूछताछ में जुटी है।

जिला कलैक्ट्रेट के सभागार में सोमवार को जब उपमुख्यमंत्री दिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जो आदमी नशे में मदहोश हो उसकी सूरत उसकी माँ को भी बुरी लगती है। -तिरुवल्लुवर

सदनों की गरिमा बनाए रखने का दायित्व सांसदों और आसन, दोनों का है

लोकसभा एवं राज्यसभा संसद के दो सदन हैं ,जहां पूरे देश से संबंधित विभिन्न विषयों पर न केवल चर्चा होती है अपितु आवश्यकता अनुसार कानून भी बनाए जाते हैं। गत कुछ वर्षों से यह अनुभव किया जा रहा है कि इन सदनों का महत्व कम किया गया है। कई बार अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर कानून, बिना किसी चर्चा के, शोर शराबे के बीच पारित कर दिए गए। इस कारण, जिस प्रकार की विस्तृत चर्चा सांसदों द्वारा की जानी चाहिए, वह नहीं हो पाई। यह स्थिति, संविधान के अनुच्छेद 107 की भावना के विपरीत है, जिसमें यह अपेक्षा की गई है कि कोई भी कानून तब ही पारित होगा, जब सदन की उस पर सहमति हो। सहमति का अर्थ यही है कि विधेयक, सदस्यों को समय पर प्राप्त हो ताकि वे उसका अध्ययन कर सकें एवं चर्चा में भाग ले सकें। लोकसभा में किसानों से संबंधित तीन कानून शोर शराबे में बिना चर्चा के पारित कर दिए गए थे। बिना चर्चा के कानून पारित करने का परिणाम यह हुआ कि उठा किसान आंदोलन हुआ जो लंबा चला एवं सरकार के पूरे दमन के बावजूद इन तीनों कानूनों को सरकार को पुनः वापस लेना पड़ा। इस अटपटी स्थिति से बचा जा सकता था, यदि विपक्ष के सदस्यों द्वारा भी इन कानूनों के गुणअवगुण पर गहन चर्चा होती एवं इनके संभावित प्रभाव का समुचित आकलन करने का अवसर मिलता।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा के अध्यक्ष एवं राज्यसभा के सभापति, दोनों से यह अपेक्षा होती है कि वे पूर्णतया निष्पक्षता के साथ कार्य करेंगे एवं सत्ता पक्ष के साथ ही, विपक्ष के सांसदों को भी अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर देंगे। उन्हें विभिन्न प्रकार के विषय उठाने और उन पर चर्चा करने का अवसर भी प्रदान करेंगे। आसन का काम यह देखने का कतई नहीं है कि सदस्य अपने भाषण में क्या कहते हैं। उनका काम केवल यह सुनिश्चित करना है कि भाषा की मर्यादा बनी रहे। प्रतिपक्ष के सांसद, सरकार की कितनी भी कड़ी आलोचना क्यों न करें, आसन को उससे विचलित नहीं होना चाहिए और न ऐसा करने पर ,उन्हें रोका जाना चाहिए। यह सही है कि लोकसभा अध्यक्ष या राज्यसभा के सभापति (उपराष्ट्रपति ही, राज्यसभा के सभा पति होते हैं) , चुने जाने से पूर्व सामान्यतया, सत्ताधारी राजनीतिक दल के सदस्य होते हैं, किंतु एक बार जब वे इस आसन पर चुन लिए जाते हैं तो उनकी भूमिका एक निष्पक्ष व्यक्ति की हो जाती है। लोकसभा और राज्यसभा में अध्यक्ष और सभापति का आसन भी न्यायाधीशों की तरह ही बहुत ऊंचा होता है। उनसे यह अपेक्षा होती है वह कम से कम बोलें और अधिकतर समय विभिन्न दलों के सदस्यों को किसी भी विषय पर बोलने के लिए अवसर प्रदान करें। ऐसा करते समय उन्हें सत्ताधारी दल के साथ किसी प्रकार का पक्षपात नहीं करना चाहिए और स्वयं की विचारधारा के आधार पर सदस्यों के प्रति व्यवहार नहीं करना चाहिए। उनका कार्य सभी सदस्यों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा, समान रूप से करने का है।

2014 से 2019, विशेषकर 2019 के चुनाव के बाद दोनों सदनों में भाजपा का अच्छा खासा बहुमत रहा। इसलिए आसन के पक्षपात पूर्ण निर्णय के विरुद्ध विपक्षी दल कोई मजबूत आवाज नहीं उठा पाए थे। जब भी उन्होंने आवाज उठाई, आसान ने संबंधित सांसदों को सत्ताधारी दल से प्रस्ताव आमंत्रित कर निलंबित तक कर दिया। स्थिति यहां तक हो गई कि लोकसभा में एक समय 146 सांसद निलंबित थे। इन्हीं के निलंबित रहते हुए, सरकार ने कई विधाई कार्य भी निपटा लिए और नए कानून भी बना लिए। आसन का यह व्यवहार,लोकतंत्र की भावना के अनुकूल नहीं कहा जा सकता। कार्य और व्यवहार, दोनों की दृष्टि से आसन पर बैठे इन दोनों व्यक्तियों ने स्वयं को निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं निर्भीक सिद्ध नहीं किया है। कई बार यह देखा गया कि विपक्ष द्वारा अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की मांग करने पर उन्हें आसान द्वारा अस्वीकार कर दिया जाता है। यह शायद इसलिए किया जाता है कि सत्ताधारी दल ऐसा नहीं चाहता।

अब, 2024 में चुनाव के बाद स्थिति वैसी एक तरफा नहीं रही है। भाजपा द्वारा तेलुगू देशम पार्टी, जनता दल (यू) एवं अन्य छोटी पार्टियों के सहयोग से एनडीए की सरकार चलाई जा रही है। भाजपा के लोकसभा में 240 सदस्य हैं जो बहुमत से 32 कम हैं। विपक्ष, संख्या बल में मजबूत हुआ है और उसने आक्रामक रवैया भी अपनाया है। ऐसे दृश्य संसद में देखे गए जब आसन की, विपक्षी सांसदों, विशेषकर कर कांग्रेस के सांसदों से कड़ी तकरार हुई और कई बार ऐसी भाषा का प्रयोग किया गया जो संसद की गरिमा के अनुकूल नहीं थी। इसके लिए जिम्मेदार ,केवल विपक्ष के सदस्य ही नहीं माने जा सकते, अपितु सत्ताधारी दल का रवैया भी आसन के समर्थन से विपक्षी सांसदों को अपमानित करने का ही रहा है। राज्यसभा के सभापति द्वारा कई बार ऐसे बयान दिए जाते हैं, जिनसे लगता है वे सत्ताधारी दल के एहसान तले दबे हैं। वे सरकार का यशोगान करने से भी नहीं चूकते। उनका ऐसा आचरण आसन की मर्यादा के अनुकूल नहीं कहा जा सकता। इस प्रकार, सत्ताधारी पक्ष के समर्थन में आसन की अभिव्यक्ति, उनके निष्पक्ष होने पर संदेह उत्पन्न करती है।

संसद की गरिमा बचाए रखने का दायित्व केवल प्रतिपक्ष के सदस्यों पर ही नहीं है अपितु सत्ता और प्रतिपक्ष, दोनों पर है, और इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आसन की है। इन्हें अपनी पुरानी दलीय संबद्धता से ऊपर उठकर, स्वतंत्र और निर्भीक रूप से सदनों को संचालित करना होगा ताकि सदन की गरिमा बनी रह सके।

जिस प्रकार मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे वरिष्ठ कांग्रेसी सदस्य और राज्यसभा में प्रतिपक्ष के नेता पर केवल उनके नाम के आधार पर वंशवाद का आरोप लगा दिया, वह कतई मर्यादा पूर्ण नहीं था। इसका विरोध करने पर उन्हें बोलने तक नहीं दिया गया एवं उन्हें एक प्रकार से डांट-डपट कर बिठा दिया गया। विपक्षी सांसद ,चाहे वे कांग्रेस के हों, समाजवादी पार्टी के, तृणमूल कांग्रेस के अथवा आम आदमी पार्टी के, सभी के प्रति आसन का व्यवहार एवं आचरण कतई निष्पक्ष नहीं दिखाई देता।

हाल ही में जया बच्चन , जो कि राज्यसभा की पुरानी वरिष्ठ सदस्य हैं, को संबोधित करते हुए राज्यसभा के सभापति ने यहां तक कह दिया वे कलाकार हैं और कलाकार को डायरेक्टर के निर्देशानुसार कार्य करना होता है। क्या वे यह कहना चाह रहे थे कि सदन के सदस्यों को डायरेक्ट करने का काम सभापति का है? ऐसा करके उन्होंने सदस्यों के सम्मान को कम ही किया है। राज्यसभा के सभापति द्वारा कई बार लंबे-लंबे भाषण दिए गए हैं। इन भाषणों में सामान्यतया विपक्षी दलों और कुछ नेताओं की कड़ी आलोचना की जाती है एवं ऐसा बताने का प्रयास किया जाता है जैसे सदन में गतिरोध केवल विपक्षी सदस्यों द्वारा ही उत्पन्न किया जा जाता है। संसदीय नियम, प्रक्रियाएं सब पर समान रूप से लागू होनी चाहिएं। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हीं नियम प्रक्रियाओं का अर्थ, सत्ताधारी दल और विपक्षी सांसदों के संदर्भ में अलग अलग निकाला जाता है। उदाहरण के लिए, जैसे विपक्षी दलों के भाषणों में कही गई हर बात को सत्यापित करने के लिए आसन द्वारा कहा जाता है, जबकि सत्ताधारी दल के सांसद के साथ ऐसा व्यवहार अधिकांशतया नहीं होता है। नियमानुसार सत्यापन दस्तावेज को सत्यापित करने की आवश्यकता है, जिसे सदन के पटल पर किसी सदस्य द्वारा अपने भाषण के दौरान रखा जाये।

सदन की कार्यवाही आजकल संसद टी वी के माध्यम से सीधी प्रसारित की जाती है। देश के सभी नागरिकों को सदन में क्या हो रहा है यह सीधे देखने का अवसर मिलता है। विपक्षी दलों के इस आरोप में सच्चाई है कि जब भी विपक्षी दल किसी भी विषय पर अपना विरोध कर रहे होते हैं अथवा कोई नारेबाजी कर रहे होते हैं, तो विपक्षी दलों की ओर कैमरा नहीं होता एवं केवल सत्ताधारी दल के सदस्यों को ही दिखाया जाता है। यह भी एक प्रकार से पक्षपात पूर्ण कार्यवाही ही है। सीधे प्रसारण का उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है जब कार्रवाई एक तरफा दिखाई जाये। सदस्यों के भाषण के अंश, कई बार आसन द्वारा कार्यवाही से हटा दिए जाते हैं। ऐसा करते समय भी आसन द्वारा सत्ताधारी दल के सांसदों के भाषण के प्रति उदार दृष्टिकोण अपनाया जाता है और विपक्षी दलों के भाषणों, विशेषकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण के अधिकांश अंशों को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया गया।

राज्यसभा के सभापति द्वारा बार बार यह कहना कि **"nothing will go on record"** अजीब लगता है। सदन की कार्रवाई के संचालन की जिम्मेदारी अध्यक्ष अथवा सभापति की होती है, जिसे चुनौती नहीं दी जा सकती। विपक्षी दलों के पास केवल एक ही विकल्प बचता है कि वे कार्यवाही का बहिष्कार करें और वह ऐसा करते भी हैं ,किंतु ऐसा कदम उठाने से संवाद और बहस की संभावना पूरी तरह समाप्त हो जाती है। अभी हाल ही में राज्यसभा में जब विपक्ष के सांसद, आसन के व्यवहार के प्रति अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए वॉक आउट कर गए, तो उसके बाद राज्यसभा के सभापति ने, सत्ताधारी दल के प्रस्ताव पर विपक्षी दलों के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पारित कर दिया।

विपक्षी दलों के नेताओं , विशेष कर प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बोलते समय उनका माइक बंद करने की बात कई बार उठाई। टीवी पर जो लोग इसका प्रसारण देख रहे होते है, उन्हें स्पष्ट रूप से लगता है कि माइक को तब बंद कर दिया जाता है जब वह सरकार के विरुद्ध कोई ऐसी बात कर रहे थे, जिससे सरकार असहज महसूस करे। आपत्ति करने पर अध्यक्ष और सभापति का केवल एक ही कहना होता है कि माइक उनके द्वारा ांद नहीं किया जा सकता। ऐसा कहकर, वे अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते क्योंकि सदन की पूरी कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने का दायित्व उन्हीं पर है। उनके सचिवालय का पूरा स्टाफ भी उन्हीं के अधीन होता है। यदि किसी ने उनके निर्देशानुसार कार्य नहीं किया तो फिर उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई अब तक क्यों नहीं की गई? सबसे बड़ी समस्या तो यही है कि विपक्षी दलों को महत्वपूर्ण प्रश्न उठाने की अनुमति नहीं दी जाती।

उदाहरण के लिए, विनेश फोगाट को ओलंपिक से अयोग्य घोषित कर दिया गया, तो जिन परिस्थितियों में ऐसा किया गया, उस पर चर्चा हेतु स्थगन प्रस्ताव विपक्षी सांसदों द्वारा दिया गया, किंतु उसे स्वीकार नहीं किया गया। कुल मिलाकर, लगता यही है कि संख्या बल बढ़ने के बावजूद विपक्षी दल कुछ करने में सक्षम नहीं हो पा रहे हैं और उनकी आवाज को दबाने में सत्ताधारी दल का साथ, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आसन के द्वारा दिया जा रहा है। इसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति ही कहा जा सकता है। आशा यही है कि किसी दिन आसन पर बैठे अध्यक्ष और सभापति की अंतरात्मा जागे और उन्हें यह एहसास हो कि उनकी जिम्मेदारी विपक्ष के अधिकारों की रक्षा करने की भी उतनी ही है, जितनी सत्तापक्ष के अधिकारों की। यदि ऐसा नहीं हो पाया तो यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी पंचायत अर्थात संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाने जैसा ही होगा। संसद की गरिमा बचाए रखने का दायित्व केवल प्रतिपक्ष के सदस्यों पर ही नहीं है अपितु सत्ता और प्रतिपक्ष, दोनों पर है और इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आसन की है। इन्हें अपनी पुरानी दलीय संबद्धता से ऊपर उठकर, स्वतंत्र और निर्भीक रूप से सदनों को संचालित करना होगा ताकि सदन की गरिमा बनी रह सके।

क्या है लव जिहाद और इस पर क्यों इतनी तीखी बहस?

महावीर सिंह

आजकल समाचारों में व सामान्य रूप से कुछ वर्गों के लोगों में लव जिहाद पर चर्चा-बहस सुनने को मिलती है। मुख्यतः पॉलिटिशियन कहलाए जाने वाले जीवों में इसके पक्ष व विपक्ष में भयंकर जिद्दोजहद सुनने को मिलती है। ऐसी तुमुल बहसें को 24 घण्टे चलने वाली टीवी चैनल्स पर सुनाई पड़ती है मानों कि संसार का सबसे प्रमुख चिंता का विषय यही होना चाहिए। लव का सामान्य समझ वाला अर्थ है प्रेम। सभी प्रमुख धर्मों का यह सर्वोत्तम उपदेश यही है जिस में मनुष्यों को प्रेम व सद्भाव से रहने का आव्हान किया जाता है।

प्रेम एक अहसास है जो दिल से वास्ता रखता है। हम माता, पिता, भाई, बहन, पत्नी, बेटा, बेटी, परिवार जनों को प्रेम करते है उसमें दिमाग से निर्णय की जरूरत नही। हमे हमारे साथ, आसपास रहने वाले पशु-पक्षियों से भी प्रेम हो जाता है। इन सब मे हानि, लाभ, निन्दा, डर आदि की कोई जगह नहीं। यह सब दिमाग का कार्य क्षेत्र है। प्रेम के अहसास में इनका स्थान ही नहीं, यह दिल का कार्य क्षेत्र है।

कुछ समय पूर्व तक और कहीं-कहीं अब भी, अंतरजातीय विवाहों भारी बबाल होता है। कई हिंसक घटनाएं हुई है और कुछ प्रेमी जोड़ों को मौत के घाट उतार दिया गया, गांव बदर कर दिया गया, जाती से -समाज से बहिष्कृत कर दिया गया। इस प्रकार की सारी घटनाएं परिभाषित अपराध है। इस प्रकार की अधिकतर घटनाएं हिन्दू समाज में होती है, इसलिए इन्हें कोई जिहाद जैसे विशेषण से नहीं बताया जाता।

विवाह क्या है, कैसे सम्पन्न होते हैं? विवाह का निर्णय सामान्य रूप से माता-पिता व नजदीकी परिवार जन द्वारा लिया जाता रहा है। अब इसमें अधिकतर मामलों में लड़के और लड़की को भी एक दूसरे से मिलाया जाता है और उनकी सहमति भी ली जाती है। यह सब शिक्षा से हुई जागृति के कारण हुआ है। रोजगार के प्रकार, स्थान, वेतन, आय आदि भी विवाह के निर्णय से पूर्व अहम हो गए हैं। इसमें प्रेम के अहसास की एंट्री शादी के बाद होती है।

एक अन्य प्रकार है प्रेम विवाह। शादी पूर्व लड़के-लड़की की विभिन्न कारणों से यथा एक जैसी शैक्षणिक योग्यता, जॉब,एक स्थान पर रहवास, मित्रता, आकर्षण आदि के चलते स्वयं ही शादी फैसला कर लेते है। इसका ज्यादा प्रचलन वाला नाम है, लव मैरिज। लव मैरिज वाले जोड़े एक जाति अथवा भिन्न-भिन्न जातियों वाले व भिन्न-भिन्न धर्मों में आस्था रखने वाले हो सकते है। अधिकांसतः, एक जाती अथवा भिन्न जातियों वाले जोड़ों के मामलों में उनके परिवार, रिश्तेदार, समाज प्रारंभिक हिचक के बाद स्वीकृति दे देता है। जहां स्वीकृति नहीं मिलती वहां कोर्ट मैरीज, आर्य समाज की विधि के अनुसार या किसी मंदिर के पुजारी के समक्ष शादी की विधिक औपचारिकताएं पूरी कर लेते हैं। कहीं-कहीं, ऐसे मामलों में पुलिस प्रोटेक्शन की आवश्यकता भी पड़ती है। असली झगड़ा भिन्न धर्मों में आस्था रखने वाले जोड़ों की शादियों में उतपन्न होता है। यदि शादी हिन्दू-सिख,-जैन-बौद्ध-पारसी-ईसाई धर्म में आस्था रखने वाले जोड़ों की हो तो कोई ज्यादा बबाल नहीं मचता। यदि शादी के जोड़े में लड़की मुस्लिम हो, लड़का हिन्दू-जैन आदि आस्था वाले हों तो भी, समाज के स्वयम्भू ठेकेदारों की ओर से कोई बड़े पैमाने पर तीखी बयान बाजी, खुले आम उनको अपमानित करने की घटनाएं अपवाद स्वरूप ही सुनी जाती है।

यदि लड़की हिन्दू माता-पिता की संतान हो और बड़े धनाढ्य, समाज में किसी बड़ी प्रकार की हैसियत रखने वाले हो जैसे बड़े बिजनेसमैन, उद्योगपति, सेलेब्रिटी, बड़ा राजनेता आदि और लड़का मुस्लिम हो तो भी, समाज का ठेकेदार बानेर विभिन्न नामों से घूमने वाली ब्रिगेड्स द्वारा कोई विशेष बयानबाजी, तोड़फोड़ नहीं होती। किन्तु इसके विपरीत, यदि लड़की हिन्दू संस्कारों में आस्था रखने वाली, गरीब या अल्प या मध्यम आय वर्ग परिवार से हो और लड़का मुस्लिम हो तो धर्म के ठेकेदार, समाज के पंच पटेल लड़की और उसके परिवार वालों का गांव, मोहहल्ले में विभिन्न प्रकार की उलूल जुलूल कार्यवाहियों, सार्वजनिक प्रताड़नाओं से जीना हराम कर देते है। ताने, बयान बाजी से आगे उन्हें आर्थिक दण्ड या समाज बहिष्कार का दंड फरमान भो सुना दिया जाता है।

सामान्य निष्कर्ष यह है कि अंतर धार्मिक विवाहों पर अमीर, हैसियत वालों को कोई समाजिक बहिष्कार का व अन्य सामाजिक दण्डों का सामना नहीं करना पड़ता। यह सब गरीब व निम्न व मध्यम आय के परिवारों या अति रूढ़िवादी समाज के लोगों के लिए ही है।

किन्तु अंतर धार्मिक विवाहों के कुछ डरावने पक्ष भी है। कई बार यह सुननें में आता है की मुस्लिम लड़के नें अपनी सही पहचान गलत इरादों से छुपाई यथा अपना धर्म, जाती, निवास स्थान, रोजगार आदि छुपाया और किसी मंदिर में शादी कर ली या कोर्ट में शादी कर ली। इस प्रकार के सारे कृत्य कानून में परिभाषित अपराध है और सामान्य रुप से भी, बिना इन्हें धार्मिक रंग दिए, पुलिस स्टेशन पर जाकर मुकदमा दर्ज कराया जा सकता है । कुछ मामलों में लड़की को धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य करने के प्रयास होते है और यह भी अपराध है ।। आइए अब इस विचार करें कि जिहाद क्या है और लव जिहाद क्या है? जिहाद एक अरबी शब्द है जिसका सामान्य अर्थ है- किसी अच्छे, प्रशंसनीय कार्य के लिए किए गए प्रयास।इस्लाम में इसका एक अर्थ यह भी होता है कि किसी धार्मिक कार्य के लिए संघर्ष भी है। एक अन्य अर्थ यह भी--आध्यात्मिकता के लिए व्यक्तिगत जिद्दोजिहाद। आत्मरक्षा के लिए सामूहिक संघर्ष। इन सब व्याख्याओं में मुस्लिम, हिन्दू लड़के-लड़कियोज प्रेम, विवाह पर बंदिस की कहीं कोई बात नहीं।

लेकिन कुछ व्याख्याकार धार्मिक ग्रन्थों का हवाला देकर, इसका यह भी अर्थ निकालते है--काफिरों के खिलाफ धर्म रक्षा के लिए पवित्र युद्ध। इस्लाम के अनुयायियों के संरक्षण, व प्रसार के लिए युद्ध। यह सब आध्यात्मिक धर्म से अलग इस्लाम के नाम पर लोगों के राजनीतिक, प्रभुत्व स्थापित करने वाले औजार है। वास्तविक धर्म से इनका कोई सम्बन्ध नहीं।ओर यह केवल इस्लाम में हो यह भी नहीं। ईसाई, हिन्दू व अन्य कई धर्मों को भी राजनीतिक औजार बनाया जाता रहा है और बनाया जा रहा है। यह लव जिहाद भी वैसा ही एक औजार है। हिंदुस्तान में लव जिहाद एक राजनीतिक नारा बन चुका है। इसे इन आधारों पर तराशा जाता है:-- हिन्दू धर्म और संस्कृति खतरे में है-- मुसलमानों की जनसंख्या बेहताशा बढ रही है तथा ओर बढ़ेगी--हिन्दू लड़कियों को सही पहचान छुपा कर या गलत जानकारियां देकर शादी के लिए फंसाने वाले अधिकतर मुस्लिम युवक अपराधी किस्म के है--हिन्दू लड़कियों को झांसा या प्रलोभन देकर इस्लाम कुबूल कराया जाता है- इसलिए हिन्दू लड़कियों को मुसलमान युवकों से शादी करने से हर प्रकार से रोकेंगे। अरे भाई लोगों इसके लिए रेस्टोरेंट्स में जाकर हंगामा करने, इस प्रकार के साल में 5, 10 जोड़ों की मार पिटाई करने व अन्य इसी प्रकार के असभ्य तरीके अपनाने के बजाय, थानेदार-डिप्टी एसपी, एसपी से मिल कर, कानूनी कार्यवाही क्यों नहीं करते? अरे नहीं भाई, इससे हमें क्या लाभ, हमारी राजनीति या यों कहें टुच्ची दादागिरी कैसे चमकेगी। हम तो कानून बनवाके मानेंगे की हिदू लड़की का मुसलमान लड़के से विवाह गैर कानूनी व सज्जा योग्य अपराध है--ठीक है, किन्तु यह तो गैर संवैधानिक होगा----तो क्या संविधान नहीं बदलता क्या?! जय राम जी की, कितना मिठास भरा सम्बोधन, अभिवादन जो सदियों से हमारे पुरखे काम में लेते रहे और अब--?

-महावीर सिंह,
पूर्व आईएए स

कब्स बुलबुल हीरक पंख एवं स्वर्ण तीर बैज प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन

- पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक सात में त्रिदिवसीय शिविर शुरु

जयपुर। केन्द्रीय विद्यालय संगठन राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जयपुर मण्डल के तत्वाधान में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 07 जयपुर में सोमवार को त्रिदिवसीय कब्स एवं बुलबुल हेतु चतुर्थ चरण हीरक पंख एवं स्वर्ण तीर बैज प्रशिक्षण शिविर 2024 का प्रारंभ हुआ। राज्य स्तरीय इस आयोजन में केन्द्रीय विद्यालय संगठन, संभागीय कार्यालय-जयपुर के अधीन 21 केन्द्रीय विद्यालयों के 302 नन्हें मुन्ने कब्स एवं बुलबुल ने प्रतिभागिता हेतु उपस्थिति दर्ज की। रविवार सांयकाल से ही अपने अनुरक्षक शिक्षकों के साथ राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में आये इन नन्ने कब्स एवं बुलबुल का स्वागत इंद्रदेव ने रिमझिम फुहारों से किया। सोमवार प्रातःकाल उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. पंकज कुमार, कमान्डेंट, 8वीं आरक्षित वाहिनी, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, जयपुर के विद्यालय आगमन पर पारम्परिक तरीके से साफा एवं माल्यार्पण स्वागत किया।

उद्घाटन समारोह में अतिथियों का स्वागत किया गया।

विद्यालय के कब्स एवं बुलबुल द्वारा चकरी स्वागत एवं बुलबुल स्वागत ने उपस्थितजन के हृदय को विभोर कर दिया। प्राचार्य डॉक्टर दर्शन लाल मीना की अगवानी में मुख्य अतिथि ने माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन कर आशीष लिया तत्पश्चात लार्ड एवं लेडी बेडेन पावेल के आवक्ष पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत प्रारंभ हुआ। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 07 के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत झूम झूम हर कली बार बार कह चली के साथ आगंतुकों का स्वागत किया गया। वहीं दूसरी ओर राजस्थानी नृत्य- माथे साजे बोरलो पगां में पायल बाजणी ने उपस्थित जनमानस का हृदय मोह लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. पंकज कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम से विद्यार्थी नैतिकता, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनेंगें। स्तर दर स्तर आत्मनिर्भरता, टीमवर्क, और सेवा भाव के गुणों के विकास की नींव इन्ही कार्यक्रमों से विकसित होनी तय है। विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर दर्शन लाल मीना के अनुसार स्काउटिंग का आदर्श वाक्य "सदैव तत्पर" हमें हर स्थिति में तैयार रहने की प्रेरणा देता है। सदैव तत्परता का यह भाव जीवन कौशल के संवर्धन में महत्ती भूमिका निर्वहन करता है। इस त्रिदिवसीय आवासीय शिविर में विद्यार्थी नैतिक विकास,नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जिम्मेदारी, शारीरिक विकास, जीवन कौशल के गुर भी सीखेंगे जो जीवन पर्यंत काम आयेंगे।

राज्य स्तरीय इस कार्यक्रम में गिरिराज प्रसाद मीना मुख्य पर्यवेक्षक ने त्रिदिवसीय कार्यक्रम की विस्तृत रुपरेखा प्रस्तुत की जिसमें कब्स एवं बुलबुल द्वारा अगले तीन दिनों में की जाने वाली गतिविधियों का विस्तृत मार्गदर्शन निहित था। गतिविधियों के सहज एवं सरल सञ्चालन हेतु जितेन्द्र सिंह एलओसी, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 02, आर्मी जोधपुर, संजीव कुमार चौहान, मुख्य परीक्षक कब्स, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 02, आर्मी जोधपुर, विजय कपुरिया, परीक्षक कब्स केन्द्रीय विद्यालय नसीराबाद, ब्रिजेश तलवार, परिक्षक कब्स केन्द्रीय विद्यालय लालगढ़ जाटान, राजकुमारी गुलपहाडिया, एलओसी, बुलबुल केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 03, कविता मीना, मुख्य परिक्षक, बुलबुल केन्द्रीय विद्यालय अलवर, गरिमा गुप्ता, परिक्षक, बुलबुल, केन्द्रीय विद्यालय, भरतपुर ने चयनकर्ताओं, प्रशिक्षकों के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय के स्काउट कवार्टर मास्टरकमल मीना, कब्स प्रभारी विनोद नामा बुलबुल प्रभारी स्वाति गोगना, स्काउट प्रभारी सुल्तान मीना गाइड प्रभारी मंजु मीना एवं सपना वर्मा अनुराधा मीना मोनिका गुप्ता जालिम सिंह मीना नीरू चड्ढा एवं साधना चौबे ने त्रिदिवसीय कार्यक्रम हेतु अपने प्रभारों हेतु की गई तेयारियों की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में श्री राम नारायण मीना द्वारा उद्घाटन कार्यक्रम की सफलतम सिद्धि में जुटे समस्त शिक्षकगण एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का सफलतम संचालन राजेश रॉय सामतानी व्याख्याता हिंदी एवं अंजु चौधरी अंग्रेजी द्वारा किया गया। प्राचार्य डॉक्टर दर्शन लाल मीना द्वारा डॉ. पंकज कुमार, कमान्डेंट 8वीं आरक्षित वाहिनी, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, जयपुर का स्वागत। प्राचार्य डॉक्टर दर्शन लाल मीना एवं मुख्य अतिथि डॉ. पंकज कुमार, कमान्डेंट 8वीं आरक्षित वाहिनी, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, जयपुर लार्ड एवं लेडी बेडेन पावेल के आवक्ष पर माल्यार्पण।

राशिफल मंगलवार 13 अगस्त, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, विशाखा नक्षत्र दिन 10:44 तक, ब्रह्म योग सांय 4:33 तक, बव करण प्रातः 9:32 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 10:44 से आरम्भ होगा। आज दुर्गाष्टमी, भौमाष्टमी, मंगला गौरी पूजा और मेला नयना देवी और चित्यपूर्णी है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:16 से 10:54 तक, लाभ-अमृत 10:54 से 2:09 तक, शुभ 3:47 से 5:24 तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6मे:01, सूर्यास्त 7:02

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

सिंह
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु
अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृश्चिक
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कार्यशाला का आयोजन

भरतपुर (निस)। भरतपुर चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ द्वारा साइबर क्राइम जानकारी और बचाव कार्यशाला का आयोजन किया गया। भरतपुर चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ और जिला पुलिस भरतपुर के संयुक्त तत्वधान में साइबर क्राइम जानकारी और बचाव के लिए एक संयुक्त कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा आईपीएस के निर्देशानुसार साईबर अपराध जागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को नीतिराज सिंह शेखावत अति पुलिस अधीक्षक और विजय सोनी प्रोग्रामर साईबर क्राईम पुलिस थाना भरतपुर के द्वारा भरतपुर चैम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इण्ड में साईबर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। संस्था अध्यक्ष कृष्ण मुरारी अग्रवाल द्वारा अथितियों और वक्ताओं का स्वागत सम्मान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उसके बाद अति पुलिस अधीक्षक द्वारा सभागार में उपस्थित व्यक्तियों को वर्तमान में हो रहे साईबर अपराध जैसे बिजली का बिल केवाईसी अपडेट के बहाने, सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले अपराधों, सेक्सटॉर्शन, डिजिटल अरैस्ट, सामाजिक योजनाओ के सरकार के द्वारा जारी सहायता राशि व परिचित बनकर पैसे भेजने आदि के बारे में व उसकी रोकथाम हेतु क्या प्रयास किये जाये।

भरतपुर शहर में तीन दर्जन से अधिक कॉलोनियों एवं बस्तियों में जलभराव, लोग परेशान

भरतपुर (निस)। जिले में हो रही बरसात से जिले के हाल बेहाल हैं। भरतपुर शहर में तीन दर्जन से अधिक कॉलोनियों एवं बस्तियों में जलभराव से लोग परेशान हैं। वहीं मुख्यमंत्री जनसुनवाई केन्द्र, जिला कलेक्ट्रेट परिसर सहित अनेक सरकारी कार्यालय भी जलभराव से जूझ रहे है। गणेश नगर कॉलोनी में जलभराव ने बिजली के ट्रॉसफार्मर में जलभराव होने से लोगों में करंट को लेकर डर बैठ गया बाद में बिजली विभाग की ओर से गणेश नगर कॉलोनी के लोगों की सुरक्षा को लेकर बिजली सप्लाई बंद कर दी गई है। बिजली सप्लाई बंद है। जलभराव एंव बरसात की संभावना को देखते हुए मंगलवार को जिला कलेक्टर की ओर से स्कूलों की छुटटी कर दी गई है । जबकि आगामी चार दिनों तक भरतपुर जिले में भारी बारिश की मौसम विभाग ने चेतावनी दी है।

भरतपुर शहर में तीन दर्जन से अधिक कॉलोनियों एवं बस्तियों में जलभराव।

शहर की कॉलोनियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में बरसात से करीब आधा दर्जन मकानों की दीवारें गिरने की सूचना प्राप्त हुई हैं। नवीन मण्डी यार्ड में पिछले समय से एवं इस समय हुई बरसात से भारी जलभराव होने की वजह से नवीन मण्डी यार्ड के व्यापारियों ने अनिश्चितकाल के लिए मण्डी बंद करने की घोषणा की है। भरतपुर जिले में हो रही बरसात एवं करौली के पांचना बांध से आ रहे पानी को लेकर गंभीर नदी एवं अन्य बांधों में पानी की बडी आवक होने के बाद भी जहां जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी पूरी भागदौड कर हालात को देख रहे हैं। वहीं इस मामले में जलसंसाधान विभाग सिचांई विभाग की ओर से लापरवाही भी बरती जा रही है। जिसके तहत सिंचाई विभाग के कर्मचारियों से लेकर अधिशाषी एवं अधीक्षण अभियंता के द्वारा फोन नहीं उठाने, लोगों की समस्याओं को नहीं सुनने एवं बरसात के आंकडे भी नहीं देने को लेकर सिंचाई विभाग की अकर्मण्यता सामने आ रही है। इस मामले की शिकायत जिला कलेक्टर और अन्य अधिकारियों को मिलने के बाद जिला कलेक्टर ने एक आदेश जारी कर जिला कलेक्ट्रेट एवं एसडीएम ऑफिस सहित विभिन्न तहसील मुख्यालयों पर बाढ नियत्रंण कक्ष बनाए हैं और इन अधिकारियों के मोबाइल नम्बर भी जारी किए हैं। जिससे लोगों को असुविधा नहीं हो क्योंकि भरतपुर जिला मुख्यमंत्री का गृह जिला है और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा भी पूरी तरह से निगरानी बनाए हुए है और उन्होंने एडवायजरी भी जारी की है। जबकि जिला प्रभारी मंत्री सुरेश रावत भी जल संसाधन सिंचाई विभाग के मंत्रालय को संभाल रहे हैं। इसके बाद भी सिंचाई विभाग के अधिकारी कर्मचारी बरसात के हालात को गंभीरता से नहीं ले रहे है। भरतपुर जिले में सोमवार को 290 एमएम बरसात हुई है। जिसमें भरतपुर शहर में 63 एमएम नदबई में 24 एमएम, बयाना में 74, वैर में 53, भुसावर में 51, रूपवास में 8 एवं उच्चैन में 12 एमएम बरसात हुई है।

करौली जिले के पांचना बांध से पानी की आवक लगातार जारी है और पानी सेवला हेड पर ओवरफ्लो चल रहा है। भरतपुर में बरसात से बिगडे हालातों को देखते हुए जिला प्रभारी सचिव शुचि, जिला कलेक्टर डॉ अमित यादव, पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा सहित अनेक अधिकारियों ने जलभराव क्षेत्रों एवं पांचना से आ रहे पानी के क्षेत्र का अवलोकन किया।

प्रशासनिक अधिकारी बरसात से शहर की विभिन्न कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति का जायजा लेने के लिए ट्रेक्टर पर सवार होकर मौके पर पंहुचे। दिन भर हो रही बरसात के चलते अधिकारियों को छाता का सहारा लेने को मजबूर होना पडा।

सार-समाचार

बाढ प्रभावित क्षेत्रो का जायजा लिया

करौली में भाजपाईयो ने जल भराव से पीडित लोगो से मुलाकात हर संभव सहायता का आष्वासन दिया।

करौली (नि.स.)। भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष आशुतोष तिवारी के नेतृत्व में जिला महामंत्री धीरेंद्र बैसला विधानसभा संयोजक योगेश शर्मा उर्फ योगी भाजपा कार्यकर्ता कृष्णकांत शर्मा उर्फ सोनू सरासर,तेजेन्द्र सिंह ने बाढ प्रभावित क्षेत्र का जायजा लिया इस दौरान बाढ पीडित इलाकों में प्रभावित लोगों से उनकी समस्याएं सुनी एवं मौके पर पहुंच कर वास्तविक स्थिति को देखा। प्रभावित लोगों के भोजन पानी आदि की समस्याओं को सुना तथा उनका निस्तारण किया। जिला महामंत्री धीरेंद्र बैंसला एवं विधानसभा संयोजक योगेश शर्मा ने प्रभावित पीडित लोगों को आश्वासन दिया और ढांढस बंधाया भाजपाईयों ने गौशाला मार्ग, होली खिडकी राधेश्याम मैरिज गार्डन,पावर हाउस जाकर वहां की वास्तविक स्थिति को देखा और अधिकारियों से चर्चा की तथा भोजन एवं पीने के पानी के लिए टैंकर की व्यवस्था की। आशुतोष तिवारी ने बताया कि खादी भंडार से आगे मंडरायल रोड पर प्रभावित लोगों ने जाम लगाया सूचना पाकर कार्यकर्ताओं के साथ वहां पहुंचे पहुंच कर आम जन को प्रशासन द्वारा दिए जा रहे सहयोग एवं सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासो से अवगत कराकर वहां अधिकारियों और आमजन में सामंजस्य बिठाकर जाम को खुलवाया।

तिरंगा यात्रा निकाली

डीग (निस)। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डीग श्रुति भारद्वाज ने सोमवार को डीग के प्राचीन जल महल से आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा अभियान के तहत डीग वासियों, स्काउट गाइड, आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं जिले के समस्त राजकीय अधिकारी कर्मचारी द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा भी मौजूद रहे। जिला कलेक्टर ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव के तहत प्रारंभ हुआ यह अभियान प्रत्येक प्रदेशवासी जिलेवासी को देश के प्रति अपने प्रेम को दर्शाने का अवसर प्रदान करता है। जिलेभर में इस अभियान के तहत तिरंगा यात्रा, तिरंगा रैली, तिरंगा दौड़ एवं मैराथन, तिरंगा कॉन्सर्ट, तिरंगा कैनवस, तिरंगा प्लेज, तिरंगा सेल्फी, तिरंगा ट्रिब्यूट एवं तिरंगा मेलों का आयोजन किया जाएगा। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आ ान पर एक बार फिर देशभर में हर घर तिरंगा अभियान वृहद स्तर पर प्रारंभ हो चुका है। तिरंगा रैली डीग के जल महल से प्रारंभ हुई। यात्रा से पूर्व श्रुति भारद्वाज ने उपस्थित सभी आमजन को नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत सामूहिक शपथ दिलाई। बता दें कि भारत सरकार द्वारा नशा मुक्ति भारत अभियान का प्रारंभ 15 अगस्त 2020 से 5 वें वर्ष में प्रवेश होने के उपलक्ष्य में संपूर्ण राजस्थान में दिनांक 12 अगस्त से 15 अगस्त 2024 तक सामूहिक शपथ समारोह एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसके पश्चात यात्रा जल महलों से होते हुए लक्ष्मण मंदिर, घंटाघर, लोहामंडी, पीएनबी बैंक, लाला मनोहर लाल खंडेलवाल राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, पुराना बस स्टैंड सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से होते हुए वापस जल महल पहुंची। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के प्रत्येक उपखंड में भी लोगों ने तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर हर घर तिरंगा फहराने की शपथ ली। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर संतोष कुमार मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुमनाराम, उपखंड अधिकारी डीग रवि गोयल, आयुक्त नगर परिषद मनोज मीणा, उपनिदेशक सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग विकास शर्मा, तहसीलदार जुगिता मीणा सहित बडी संख्या में आमजन एवं अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

बैठक सम्पन्न

कामां (निस)। कामां नगरपालिका भवन में पालिका अध्यक्ष गीता देवी खण्डेलवाल की अध्यक्षता में ऐतिहासिक भोजनथाली कुश्ती दंगल एवं परिक्रमा महोत्सव को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी पार्षदों ने ध्वनिमत से मेला सम्पन्न कराने के लिये 50 लाख रूपये की वित्तीय स्वीकृति के प्रस्ताव को पारित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार नगरपालिका भवन में आयोजित भोजनथाली एवं मेला परिक्रमा महोत्सव को लेकर आधा दर्जन पार्षदों ने अपनी राय प्रकट करते हुये नगरपालिका अध्यक्ष गीता देवी खण्डेलवाल पर आरोपों की बौछार लगा दी। बैठक में वार्ड नम्बर 34 के पार्षद किशोर तिवारी ने कहा कि भोजनथाली कुश्ती दंगल में कस्बे के ही गणमान्य लोगो को ही कमेटियों में शामिल किया जाना चाहिए साथ ही किशोर तिवारी ने कहा कि कुश्ती दंगल में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किये जाने पर प्रस्ताव रखा। जिसे सभी पार्षदों ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। बैठक में उदयभान यादव, लक्ष्मन सैनी, सीमा गोयल के अलावा कनिष्ठ अभियंता कृपालसिंह, चतुर्भुज सैनी, जसराम गुर्जर के अलावा काफी संख्या में मीडियाकर्मी मौजूद थी।

श्रद्धांजलि दी

भरतपुर (निस)। पूर्व विदेश मत्री नटवर सिंह के निधन का समाचार सुनकर समाज में दुख व्याप्त हो गया। कुंवर नटवर सिंह के निधन पर जाट समाज ने दिल्ली पहुंचकर कुंवर नटवर सिंह को श्रद्धांजलि दी। अंतिम संस्कार श्रद्धांजलि में डॉ. प्रेम सिंह कुंतल, राकेश फौजदार, थान सिंह जटमासी, छत्तर सिंह बछामदी, गोविन्द सिंह भगौर, साहब सिंह, डॉ नौनिहाल सिंह डागुर, ओमप्रकाश आजाद, उमेश गोधारा, सतप्रिय आर्य आदि उपस्थित रहे।

जतिधाम आश्रम में फंसे सैकड़ों श्रद्धालुओं को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला

सवाई माधोपुर, (निसं)। जिले में तीन दिन से बारिश का दौर लगातार जारी है, जिसके चलते नदी- नाले उफान पर हैं।

बरसाती नालों ने भी रौद्र रूप धारण कर रखा है। लगातार हो रही बरसात में कई जगह विकट हालात पैदा कर दिए हैं। जिसके चलते लोगों को परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है।

जिला मुख्यालय के निकट खंडार रोड कुशालीपुरा स्थित जतिधाम आश्रम पर डिग्गी कल्याण पैदल यात्रा पर जाने वाले सौ से अधिक श्रद्धालु यात्री बरसाती नाले का पानी तेज आने के कारण आश्रम में फंस गए, जिसकी सूचना लोगों ने पुलिस प्रशासन व जिला प्रशासन को दी तो वहां से निर्देश मिलते ही शहर पुलिस चौकी इंचार्ज जितेंद्र सिंह, सिविल डिफेंस इंचार्ज देवहंस गुर्जर टीम के साथ मौके पर पहुंचे। साथ में कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस तथा सिविल डिफेंस सहित पुलिस मित्र सुभम सीठा सहित स्थानीय लोगो के संयुक्त प्रयासों से जतिधाम में फंसे हुए यात्रियों को कड़ी मशक्कत करके सकुशल सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू के दौरान वतन फाउंडेशन टीम के साथियों ने पुलिस और सिविल डिफेंस टीम के साथ यात्रियों को निकलवाने में मदद की। इस दौरान रेस्क्यू टीम को बताया गया कि इन यात्रियों में से कुछ यात्री स्वम नाला पार करने लगे तो उनमें से एक महिला बह गई जिसको लोगों ने तलाश भी किया लेकिन महिला नहीं मिली। उसके बाद पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और पानी में बही महिला के शव को निकाला।

जिला कलेक्टर ने तिरंगा यात्रा को किया रवाना

धौलपुर,। स्वाधीनता दिवस से पहले देशभर में चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगे के प्रति आमजन में गौरव की भावना उत्प्रेरित करने जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने भारत माता की जय के उद्घोष के बीच तिरंगा रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। गांधी पार्क से शुरू हुई तिरंगा रैली एवं तिरंगा यात्रा में भारी संख्या में विद्यार्थी, अधिकारी एवं आमजन एकत्रित हुए। जिला कलक्टर एवं अधिकारियों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा को वंदन करने के बाद हर घर तिरंगा अभियान की जानकारी देते हुए लोगों को तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं ने हाथों में तिरंगा रिबन बांधे एवं तिरंगा हाथ में थामे हुए तिरंगा यात्रा निकली गई। अभियान के तहत आमजन में स्पिरिट ऑफ तिरंगा विकसित करने के लिए जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी के नेतृत्व में शुरू हुई तिरंगा रैली गांधी पार्क से चूडी बाजार से गुजरते हुए रानी पैलेस, राधा बिहारी रोड होते हुए बालिका विद्यालय धौलपुर पहुंची।

जिला कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर तिरंगा यात्रा को रवाना किया।

जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने बताया कि 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित होने वाली गतिविधियों में तिरंगा कैनवास लगाया जाकर जय हिंद एवं हर घर तिरंगा लिखा जा रहा हैं। उसके साथ सेल्फी व फोटो लिए जा रहे हैं। जिले में हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत 15 अगस्त तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जिला स्तर से ग्राम पंचायत स्तर तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि हर घर तिरंगा यात्रा निकालने का उद्देश्य जन जन तक देश प्रेम की भावना एवं देश गौरव बढाने के लिए आमजन को संदेश देना है।

नदी तालाबो व पोखरो के आस-पास ना करे भ्रमण

करौली (नि.स.)। जिला कलक्टर नीलाभ सक्सेना की आमजन से अपील नदी,पोखर,तालाबों के आस-पास भ्रमण करने व नहाने ना जाये एवं अपने बच्चों को ना जाने दें।

जिला कलक्टर नीलाभ सक्सेना ने लगातार वर्षा एवं विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव को देखते हुए जिलेवासियों से अपील की है कि जलभराव क्षेत्रों नदी,नालों, पोखरों एवं नहरों के आस-पास भ्रमण करने व नहाने नहीं जाये एवं अपने परिजनों विशेष कर बच्चों को भी नहीं जाने दें।

उन्होंने कहा कि मौसम विभाग द्वारा लगातार वर्षा की चेतावनी को देखते हुए नदी, नालों, पोखरों एवं जलबहाव क्षेत्रों के आस-पास नहीं जायें, किसी भी समय पानी की आवक बढ़ सकती है।

टोडाभीम क्षेत्र में पुलों के ऊपर से होकर पानी की आवक

टोडाभीम, (निसं)। उपखंड मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में पिछले चार से पांच दिनों से तेज बारिश का दौर चल रहा है। टोडाभीम के आसपास के ग्रामीण इलाकों में जलभराव की समस्या से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उपखंड मुख्यालय के समीपवर्ती गांव नांगल शेरपुर सहित आसपास के गांवों में बने पुलों के ऊपर होकर पानी निकल रहा है। दोपहिया वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच किसान बुगे में अपनी मोटरसाइकिलों को रखकर भी लोग पार कर रहे हैं। वहीं पानी इतना अधिक है कि बड़े वाहनों को भी पानी में होकर निकलने में काफी परेशानी हो रही है।वहीं गांव नांगल शेरपुर गांव के हालात यह है कि गांव में होकर नदी की तरह पानी बह रहा है, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तो वहीं जिन लोगों के मकान के आसपास जल भराव हो गया है। वह काफी डरे हुए नजर आ रहे हैं। उन्हें डर है कि कहीं जलभराव से मकान गिरने जैसी किसी समस्या का सामना ना करना पड़े। टोडाभीम उपखंड मुख्यालय के प्रशासनिक अमला द्वारा भी लगातार नदी क्षेत्र के आसपास लोगों से दूर रहने की अपील की जा रही है। पुलिस उपाधीक्षक मुरारी लाल मीना व थानाअधिकारी दिलीप कुमार वर्मा डॉक्टर लोकेश मीना भी मौके पर पहुंचकर लोगों से नदी बहाव क्षेत्र में नहीं जाने व दूर रहने की अपील कर रहे हैं। वहीं गंभीर नदी में पानी की आवक अधिक होने के चलते अब कई गांव का आपस में आने जाने का संपर्क टूट गया है।

वाहनो की आर.सी. का किया निलम्बन

धौलपुर, । जिला परिवहन अधिकारी देवानंद ने अवगत कराया कि वाहन पोर्टल पर उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार जिन भार वाहनो के फिटनेस प्रमाण पत्र वैध नही है, जो कि सडक सुरक्षा की दृष्टि से आमजन को हानि पहुँचा सकते है एवं साथ मे बकाया टैक्स मे डिफॉल्टर है ऐसे वाहनों के वाहन स्वामियों को नियमानुसार वाहनों के पंजीयन निलम्बन हेतु कई बार नोटिस प्रदान कर तथा डिजीटल माध्यम के द्वारा वाहन स्वामियों के मोबाईल नम्बर पर अपना पक्ष रखने हेतु मैसेज भी करवाकर अपना पक्ष रखने हेतु समुचित अवसर प्रदान किया गया, नियत दिनांकों को सुनवाई हेतु उपस्थित नहीं होने पर ऐसे वाहन स्वामियां के 426 वाहनों का सम्बन्धित कानूनी प्रावधान एवं मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 53(1)(I) के अन्तर्गत पंजीयन प्रमाण पत्र का निलम्बन इस कार्यालय द्वारा कर दिया गया है।

त्रिनेत्र गणेश मंदिर में फंसे 23 श्रद्धालुओं की जान बचाई

जयपुर। सवाई माधोपुर जिले में थाना कुन्दरा के अंतर्गत अतिवृष्टि के कारण रणथम्भौर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर में फंसे 23 श्रद्धालुओं को रेस्क्यू रोप एवं लाइफ जैकेट की सहायता से एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम ने बचाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में सफलता हासिल की।

एसडीआरएफ के कमांडेंट राजेंद्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि रणथम्भौर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर में दर्शन के लिए कुछ दर्शनार्थी आए हुए थे। क्षेत्र में हो रही अतिवृष्टि के कारण कुछ दर्शनार्थी वहीं फंस गए। इसकी सूचना मिलने पर आपदा राहत एवं बचाव के लिए सवाई माधोपुर में तैनात रेस्क्यू टीम सी-7 के प्रभारी हैड कांस्टेबल कंवर पाल सिंह को अविलम्ब घटनाएं स्थल के लिए रवाना होने के निर्देश दिए गए। रेस्क्यू टीम प्रभारी 10 जवानों की टीम तथा आपदा राहत उपकरणों के साथ शाम 6:15 बजे घटनास्थल पर पहुंचे। रेस्क्यू टीम के जवानों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। रेस्क्यू टीम रोप रेस्क्यू उपकरणों की सहायता से मंदिर में फंसे दर्शनार्थियों के पास पहुंची। टीम ने रात 9:30 बजे तक मंदिर में फंसे कुल 17 दर्शनार्थियों को लाइफ जैकेट पहनाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। बाकी दर्शनार्थियों के सुरक्षित होने पर रेस्क्यू ऑपरेशन सुबह तक के लिए स्थगित कर दिया गया। सोमवार सुबह फिर से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। रेस्क्यू टीम रोप रेस्क्यू उपकरणों की सहायता से फिर मंदिर में फंसे दर्शनार्थियों के पास पहुंची और शेष बचे 6 दर्शनार्थियों को लाइफ जैकेट पहना कर रोप की सहायता से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

उच्चौन के प्रधान के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव हुआ पास

भरतपुर (निस)। भरतपुर जिले की बहुचर्चित पंचायत समिति उच्चैन के प्रधान पद के विरुद्ध पंचायत समिति सदस्यों की ओर से लाया गया अविश्वास प्रस्ताव सोमवार को पारित हो गया। गत विधानसभा चुनावों के बाद से पंचायत समिति के प्रधान पद के अविश्वास प्रस्ताव को लेकर सरगर्मियां बनी हुई थी। करीब दो माह पूर्व उच्चैन के पंचायत समिति सदस्यों की ओर से भरतपुर जिला परिषद के मुख्य अधिकारी के समक्ष अविश्वास प्रस्ताव लाने हेतु आवेदन किया गया था। जिसे लेकर रिटर्निंग अधिकारी राजीव शर्मा की अध्यक्षता में उज्जैन के पंचायत समिति कार्यालय परिसर में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए बैठक आहूत की गई। जिसमें पंचायत समिति के 15 सदस्यों में से 14 सदस्य उपस्थित हुए। रिटर्निंग अधिकारी राजीव शर्मा ने बताया कि उपस्थित हुए 14 सदस्यों में से 13 सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में व एक ने अविश्वास प्रस्ताव के विरुद्ध मतदान किया। इस अविश्वास प्रस्ताव के पश्चात अब उच्चैन के राजनीतिक गलियारों में जहां तरह तरह की चर्चाएं होने लगी हैं, वहीं अब राजनीतिक समीकरणों में भी काफी बदलाव आएगा। आपको बता दें उच्चैन नदबई विधानसभा क्षेत्र से तत्कालीन विधायक और उत्तर प्रदेश के मूल निवासी जोगेंद्र सिंह अवाना जो गत विधानसभा चुनाव भी हार गए थे। उसके बाद उनके पुत्र एवं पंचायत समिति प्रधान हिमांशु अवाना के विरुद्ध यह अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। जिससे सहज ही अंदाज लगाया जा सकता है कि राजनीति में कब क्या हो जाए और कब कोई अर्श से फर्श पर आ जाए। शायद इसीलिए जनता को जनार्दन भी कहा गया है। इस अविश्वास प्रस्ताव के पारित होने के बाद अब महत्वकांक्षी लोगों व प्रधान पद पाने के आतुर सदस्यों में गहमागहमी मच गई है और अपनी अपनी गोटी फिट करने की कवायत तेज हो गई है।

शपथ दिलाई

भरतपुर(निस)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के द्वारा आयोजित नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत बाबा सुग्रीव विद्यापीठ में प्रिंसिपल डॉक्टर रंजना तिवारी ने समस्त विद्यालय स्टाफ को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

उन्होंने कहा विकसित भारत का यही मंत्र, भारत हो नशे से स्वतंत्र इस थीम पर सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय संपूर्ण भारत में नशा मुक्ति अभियान चला रहा है।

नशा सभी सामाजिक बुराइयों का मूल है, नशा परिवार एवम समाज को क्षितग्रस्त कर रहा है और इसकी सबसे बड़ी मार नशा करने वाले व्यक्ति पर तो कैंसर आदि बीमारियों से पढ़ती ही है साथ ही परिवार में महिला व बच्चे उनका भी संपूर्ण विकास अवरूद्ध हो जाता है। उन्होंने शपथ को केवल औपचारिकता नहीं मानने की अपील करते हुए इसका अक्षरश: पालन करने की अपील की।

हिंडौन में तीसरे दिन भी बादलों की बेरहमी बरकरार, छह घण्टे में चार इंच बारिश

हिंडौन सिटी, (निसं)। गत तीन दिनों से हिंडौन शहर सहित आसपास के क्षेत्र में हो रही बादलों की बेरहमी सोमवार को भी बरकरार रही और छह घंटे में फिर चार इंच बारिश दर्ज हुई। इस दौरान जलसन तालाब ओवरफ्लो हो गया तो वहीं एक दर्जन से ज्यादा बांध और तालाब लबालब हो गये हैं। शहर में पैदा हुए बाढ़ के हालातों से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त है। जनप्रतिनिधि और अधिकारी बाढ़ग्रसित क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं तो वहीं प्रशासन और आमजन की ओर से लोगों को रसद सामग्री पहुंचाने का भी काम किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार गत शनिवार से क्षेत्र में भारी बारिश का दौर शुरू हुआ, जिसमें सोमवार को भी सुबह चार बजे से दस तक फिर से झमाझम बारिश हुई। इस दौरान छह घंटे में चार इंच बारिश दर्ज हुई। गौरतलब है कि शनिवार को चार इंच, रविवार को साढे चार इंच और सोमवार को फिर चार इंच बारिश दर्ज हुई है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 1 जून से लेकर अब तक हिंडौन क्षेत्र में 612 एमएम बारिश दर्ज हुई है जिसमें से 312 एमएम बारिश गत 3 दिनों में दर्ज हुई है। इस तरह कहा जा सकता है कि मौसम की अब तक की आधी बारिश केवल तीन दिनों में हुई है। शहर से बिल्कुल सटे हुए जलसैन तालाब में भी पानी की भारी आवक हो गई है जिससे जलसैन तालाब ओवरफ्लो हो गया है और पाल के ऊपर से पानी जा रहा है। यह पानी शहर में घुस रहा है। जिससे पहले से ही लबालब कॉलोनी में जलस्तर और बढ़ गया। इस तरह क्षेत्र में अतिवृष्टि से बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। बाजार में तीन दिन से लबालब पानी भरा हुआ है। कई कॉलोनी में तो 5 से 6 फीट तक पानी भरा हुआ है। इधर मौसम विभाग आगामी 72 घंटे में क्षेत्र में फिर से भारी बारिश की चेतावनी दे रहा है। सोमवार को भी संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा व जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना सहित कई आला अधिकारी डेरा डाले रहे। बाढ़ग्रसित क्षेत्र में फंसे लोगों को भोजन के पैकेट, दूध व अन्य रसद सामग्री पहुंचाने के के लिए नगर परिषद प्रशासन के अलावा क्षेत्र के समाजसेवी व आसपास के गांवों से जनप्रतिनिधि व अन्य लोग भी जुटे हुए हैं। एसडीआरएफ टीम की मदद से एवं ट्रैक्टर ट्राली में भरकर बाढ़ ग्रसित क्षेत्र में लोगों की मदद कर रहे हैं।

- जलसन तालाब ओवरफ्लो, जाट का तालाब सहित एक दर्जन से अधिक तालाब और बांध लबालब
- क्षेत्र में अतिवृष्टि से बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं, बाजार में तीन दिन से लबालब पानी भरा हुआ है

हिण्डौन सिटी के कटरा बाजार की कॉलोनी से एक बुजुर्ग को एसडीआरएफ व एनडीआरएफ के जवानों ने सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

जिला प्रशासन ने जल भराव के आसपास नहीं जाने सलाह दी

भरतपुर (निस)। मौसम विभाग द्वारा लगातार बारिश की चेतावनी एवं गंभीर नदी में पानी की आवक को देखते हुये जिला प्रशासन द्वारा नदी, नालों, तालाब व पोखरों एवं झरनों के आसपास नहीं जाने तथा अधिक वर्षा को देखते हुये जलबहाव क्षेत्रों में पिकनिक नहीं मनाने की सलाह दी है।

जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने बताया कि मौसम विभाग द्वारा भारी बारिश की चेतावनी एवं पांचना बांध से नदी में पानी छोडे जाने से अनेक वर्षों बाद बडी मात्रा में गंभीर नदी में पानी की आवक हुई है। ऐसे में आसपास के सभी गांवों के नागरिकों को सावचेत रहने की जरूरत है जिससे जलजनित घटनाओं को रोका जा सके।

उन्होंने बताया कि करौली जिले में लगातार वर्षा से पांचना बांध में पानी की आवक बनी हुई है साथ ही हिण्डौन क्षेत्र से जगर बांध के ओवरफ्लो होने पर उसका पानी भी गंभीर नदी में आयेगा।

उन्होंने बताया कि गंभीर नदी पर हिण्डौन के आसपास बने छोटे छोटे एनिकटों के टूटने का भी अंदेशा रहता है ऐसे में एक साथ कभी भी बडी मात्रा में पानी की आवक होने की संभावना है। जिला कलक्टर ने बताया कि वर्तमान में गंभीर नदी में समोगर पुल के पास लगभग 13 फीट पानी की आवक है साथ ही नदी के दोनों किनारों को छूता हुआ पानी पूरे वेग के साथ बह रहा है। उन्होंने नदी के आसपास के सभी गांवों के प्रबुद्ध नागरिकों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों व आमजन से आव्हान किया है कि नदी के बाहव क्षेत्र में नागरिकों को नहीं जाने दें और न ही पशुधन को लेजाने दें। कभी भी पानी की तेज आवक होने की संभावना रहेगी।

जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि नदी के बहाव क्षेत्र के सभी गांवों क्षेत्रों की पुलिस चौकियों को अलर्ट किया गया है। सभी गांवों में बीट पुलिस जवानों को ग्रामीणों से सम्पर्क में रहते हुये अलर्ट रहने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने बताया कि जिले में नदियों के बहाव क्षेत्रों, तालाब, पोखर एवं पिकनिक स्थलों पर आमजन की भीड एकत्रित नहीं हो, जल के बहाव क्षेत्र से दूर रहें इसके लिये पुलिस निरन्तर निगरानी रख रही है। उन्होंने आमजन से आव्हान किया है कि सेल्फी अथवा सोशल मीडिया की रील बनाने के चक्कर में जीवन को खतरे में नहीं डालें पानी के वेग से दूर रहें।

रामगढ़ पचवारा में दस इंच बारिश, दौसा जिले में बाढ़ जैसे हालात

तेज बारिश के चलते अधिकांश बांधों में पानी की आवक बनी

दौसा, (निसं)। जिले में भारी बारिश के चलते अधिकांश बांधों में पानी की लगातार आवक बनी हुई है। बांधों के भराव क्षेत्र के आसपास रह रहे ग्रामीणों ने अपने मकान खाली कर दिये हैं तथा अपने गांव चले गये हैं। उधर बांध में पानी की लगातार आवक एवं नदी के ऊफान पर होने के कारण नांगल राजावतान से खानवास जाने वाला मार्ग पूरी तरह से बंद हो गया है। वहीं दूसरी ओर सर्वाधिक वर्षा रामगढ़ पचवारा में करीब दस इंच दर्ज की गई है। लगातार बारिश से जिले में बाढ़ जैसे हालात हो गये हैं। सोमवार को भी दौसा जिले में जमकर बरसात हुई, जिसके चलते शहर के निचले क्षेत्र में स्थित अधिकांश कॉलोनियां जलमग्न हो गई है। बरसात से रेलवे ट्रेक भी प्रभावित हो गया।

दौसा जिल में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गये हैं। सोमवार को

- दौसा-गंगापुर रेल मार्ग पर लालसोट टनल के समीप पहाड़ का मलबा गिरने से रेलवे ट्रैक भी प्रभावित हुआ

प्रात: 8 बजे तक लालसोट में करीब सात इंच, रामगढ़ पचवारा में दस इंच, राहुवास में 161 एमएम, निर्झरना में सात इंच, नांगल- राजावतन में सवा पांच इंच, लवाण में सवा पांच इंच और मोरल बांध पर सवा पांच इंच बारिश दर्ज की गई। दौसा-गंगापुर रेल मार्ग पर लालसोट टनल के समीप पहाड़ का मलबा गिरने से रेलवे ट्रैक भी प्रभावित हुआ है। भारी बारिश होने के कारण अधिकतर एनीकट और बांध ओवरफ्लो हो चुके हैं।

सीकर में मूसलाधार बारिश से निचले इलाके जलमग्न

सीकर, (निसं)। जिला मुख्यालय पर पिछले एक हफ्ते से रिमझिम बरसात के बाद सोमवार को हुई मूसलाधार बरसात से जहां शहर के निचले इलाके जलमग्न हो गए, वहीं पानी भराव के चलते वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर में करीब आधा घंटे हुई मूसलाधार बरसात ने प्रशासन के दांवों की पोल खोल कर रख दी।

बरसात का पानी दुकानों और घरों में घुस गया, हालत यह बन गए कि नवलगढ़ रोड और पिपराली रोड सहित शहर के निचले हिस्से पूरी तरह जलमग्न हो गए। सीकर में पिछले एक सप्ताह से जारी रिमझिम बरसात के बाद सोमवार को अंचल में बादल झूम कर के बरसे। सीकर जिला मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में अच्छी बरसात हुई। जहां एक ओर सीकर शहर में बारिश के बाद शहर में अनेक स्थानों पर पानी का भराव हो गया, वहीं खेतों में पानी अमृत बन के बरसा। पलसाना, रानोली क्षेत्र में अच्छी बरसात होने से किसानों ने राहत की सांस ली। वहीं बारिश के चलते पहाड़ी क्षेत्र भी हरियाली से आच्छादित हो चुके हैं। कोट बांध में भी पानी की आवक हुई है। सीकर शहर में बरसात के बाद नवलगढ़ रोड़, लुहारू बस स्टैण्ड, बस डीपो, बजाज रोड़, शिव कॉलोनी सहित मुख्य मार्गों पर पानी का भराव हो गया।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में सामग्री/सेवा हेतु ई-निविदा जारी की गयी है, जिसके यूबीएन GSU2425GLOB00022 है। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी **http://www.sppp.rajasthan.gov.in** एवं **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/24/3610 कुलसचिव

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल-कोटा

email : nnksouth@gmail.com, websites : www.urban,rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142

क्रमांक :- ननिको/दक्षिण/निर्माण/2024/116-131 दिनांक :- 08.08.2024

ई-निविदा सूचना संख्या : 07/2024-25

नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से कुल 06 कार्यो हेतु कुल राशि 56.92 लाख रूपये की ऑन लाईन निविदायें दिनांक 12.08.2024 से दिनांक 22.08.2024 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्ते इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

UBN No. DLB2425WSOB05099 UBN No. DLB2425WSOB05100
UBN No. DLB2425WSOB05101 UBN No. DLB2425WSOB05102
UBN No. DLB2425WSOB05103 UBN No. DLB2425WSOB05104

अधिशाषी अभियन्ता
राज.संवाद/सी/24/3590 नगर निगम कोटा दक्षिण

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर

महात्मा ज्योतिबा फूले मुख्य मण्डी प्रांगण ई-मेल kums.jaipurfv@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- 1194 - 1211 दिनांक :- 08/08/2024

ई-निविदा सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति (फल सब्जी) जयपुर द्वारा मुख्य मण्डी प्रांगण टर्मिनल मार्केट मुहाना में इन्क्यूबेशन सेन्टर स्थापित किये जाने हेतु विभिन्न शेष उपकरण एवं प्रयोगशाला सामग्री क्रय की जानी है तथा स्थापित इन्क्यूबेशन सेन्टर को 5 वर्ष के लिये संचालन हेतु इच्छुक संस्था/व्यक्ति को Operation and Management (O&M) आधार पर दिया जाना है। उक्त कार्यो हेतु कार्यालय द्वारा ऑनलाईन निविदा संख्या 10/2024-25 एवं 11/2024-25 आंमत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र व शर्ते **www.sppp.rajasthan.gov.in/ www.eproc.rajasthan.gov.in, https://agriculture.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है व **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर दिनांक 08.08.2024 से दिनांक 01.09.2024 सांय 6:00 बजे तक निविदा दरे प्रस्तुत कर भाग लिया जा सकता है।

UBN- Tender-10 (DAM2425GLOB00631)
UBN- Tender-11 (DAM2425WSOB00632)

राज.संवाद/सी/24/3604 सचिव

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, सांभरलेक जिला जयपुर ग्रामीण

क्रमांक :- न.पा.सा./2024/91 दिनांक :- 08/08/2024

ई-निविदा सूचना संख्या 05/2024

नगर पालिका सांभर लेक द्वारा निम्न कार्य कराये जाने हेतु सेवायें में इच्छुक एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया हेतु आनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म आनलाईन वेबसाईट **http://eproc.rajasthan.gov.in** डाउनलोड एवं अपलोड व **http://sppp.rajasthan.gov.in** पर डाउनलोड किये जा सकते है:-

Particulars	Detail
Unique Bid Number	DLB2425SLOB05377, DLB2425SLOB05378, DLB2425SLOB05380, DLB2425SLOB05381, DLB2425SLOB05379,
Number of Work	05
Estimate Cost of Tender	80.00 लाख
Earnest money (EMD) 2%	1.60 लाख
Cost of tender document (non-refundable) In favor of Municipal Corporation Jaipur Heritage Payable at Jaipur.	निविदा में अंकित कार्य के सम्मुख तालिका अनुसार
RISL Processing Fees (non-refundable) In favor of MD RISL Payable at Jaipur.	निविदा में अंकित कार्य के सम्मुख तालिका अनुसार
Tender Publication on official website http;//eproc.rajasthan.gov.in	10.08.2024
Tender download start date	10.08.2024
Bid Submission start date & Time	13.08.2024
Bid Submission End date & Time	13.08.2024
Technical bid opening date & Time	13.08.2024
Financial bid opening date & Time	Will be Intimated latter to the Technically qualified Bidders

राज.संवाद/सी/24/3615 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

गंभीर नदी पर बनी पुलिया ढही, हिण्डौन-गंगापुर मार्ग अवरुद्ध

गांव काटकर के समीप स्थित पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

हिंडौन सिटी, (निसं)। पांचना बांध के सभी छह गेट खुलने के बाद गंभीर नदी में पानी के तेज बहाव के चलते गंगापुर मार्ग पर गांव काटकर के समीप स्थित पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे अब हिण्डौन-गंगापुर मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है।

- गंभीर नदी के रास्ते पानी भरतपुर की ओर बढ़ रहा है, रास्ते में बने कई एनीकट भी ढह गये
- पांचना बांध के छह गेट खोलने से नदी में तेज बहाव से पानी की आवक जारी

जानकारी के अनुसार गत तीन दिन से क्षेत्र में चल रहे भारी बारिश के दौर ने शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी हालातों को बदतर कर दिया है। पांचना बांध में पानी की भारी आवक ने क्षेत्र के लोगों की व प्रशासन की चिंताएं बढ़ा दी जिससे छुटकारा पाने के लिए प्रशासन में तत्काल प्रभाव से निर्णय लेकर पांचना से पानी निकासी के सभी 6 गेट खोल दिए, जिनमें से भारी मात्रा में पानी की निकासी हो रही है। गंभीर नदी के रास्ते यह पानी भरतपुर की ओर बढ़ रहा है, इस बीच रास्ते में बने कई एनीकट भी ढह गये हैं, जिससे पानी का बहाव और तेज हो गया। पानी के इस तेज बहाव ने गंगापुर रोड पर स्थित गांव काटकड़ के समीप सड़क पर बनी पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि गत दिनों से छोटे और दोपहिया वाहनों का आवागमन पुलिया पर पानी की चादर चलने के कारण बंद कर रखा था, लेकिन अब पुलिया के क्षतिग्रस्त होने के बाद इस मार्ग पर बड़े वाहनों का आवागमन भी बंद हो गया है, जिससे अब हिंडौन शहर का वजीरपुर और गंगापुर क्षेत्र के गांव से पूरी तरह कट गया है। पानी के तेज बहाव से पुलिया इस तरह क्षतिग्रस्त हुई है कि लगभग 15 फीट के क्षेत्र में सड़क और पुलिया का नामोनिशान ही मिट गया है। अब गंगापुर जाने वाले वाहनों को करौली सपोटरा होते हुए निकाला जा रहा है, जिससे सैकड़ों गांव के लोगों की परेशानी बढ़ गई है। बारिश का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। पुलिस और प्रशासन पूरी मुस्तादी के साथ भारी बारिश से पैदा हो रही इन समस्याओं से निपटने की कोशिश कर रहा है। इधर जनप्रतिनिधि और विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोग भी अतिवृष्टि से आमजन के सामने पैदा हुई इन समस्याओं का सामना करने में मदद कर रहे हैं।

Mahila Engineering College, Ajmer

(A constituent college of Bikaner Technical University, Bikaner)
Nasirabad Road. Makhupura. Ajmer-305002
Website www.gweca.ac.in Ph. No. : 0145-2695534-35
Email : principal@gweca.ac.in Fax No. : 0145-2695102

No. WECA/RHTEQIS/2024/143 Date: 08.08.2024

CONTRACTUAL HIRING (ASSISTANT TEACHING ASSOCIATES)

Applications in prescribed format are invited from interested eligible candidates for contractual hiring on the post of Assistant Teaching Associates in various departments under Rajasthan Higher Technical Education Quality Improvement Scheme (RHTEQIS) on monthly fixed remuneration of INR 28,850/- (Rupees Twenty Eight Thousand Eight Hundred Fifty only).

Artificial Intelligence and Machine Learning (AIML)	Mechanical Engineering	Electrical Engineering	Computer Science & Engineering
02 [UR-01, UR(F)-01]	01 [UR-01]	01 [UR-01]	01 [BC(W)-01]

Total Post: 05*; UR-Unreserved, BC-Backward Class, SC- Scheduled Caste, ST-Scheduled Tribe, W-Widow, F-Female.

Reservation applicable as per DOP, Govt. of Raj. Order No त-7(2)-कार्मिक/क-2/19 दिनांक 24/02/2020. These contractual hiring shall be made on merit basis and in accordance with order of the Department of Technical Education, Govt. of Rajasthan order No. F.11(4)/T.E./2001/Part Vo-1, Jaipur dated 03.05.2023 for a period of ONE YEAR (extendable on satisfactory performance) or till termination of the Scheme, whichever is earlier. Qualifications and experience for these posts will be as per norms of AICTE applicable for Teaching Posts as on date.

Candidate will have to submit application in prescribed format with the following documents. Those who have applied for the earlier advertisement need to apply again.

DD in favour of Principal, Govt. Mahila Engineering College, Ajmer, payable at Ajmer for INR 200/- (Two Hundred only) towards application fee (non refundable); Self-attested photo copies of Educational qualifications (mark sheets & degree/certificates); GATE Score Card; valid Caste Certificate; Experience
Certificates; document related to conversion of CGPA into percentage.

Age Limit: Minimum-21 years and Maximum up to 40 years. Relaxation as per DOP order No. F.17(4)DOP/A-2/2014 dated 11.01.2022. Last date for submitting hard copy of application by registered/speed post is **28.08.2024, 04.00 PM.** College will not be held responsible for any postal delay and application received late or by hand will be rejected.

Application form and other related details are available on www.gweca.ac.in. Candidates are advised to keep visiting college website for any updated information.

PRINCIPAL

रील बनाने के चक्कर में नहर में गिरी कार, तीन की मौत

हनुमानगढ़, (कासं)।राजस्थान में लगातार तेज बारिश से हालात बिगड़ते जा रहे है। कई जिलों में अभी भी बारिश का दौर बना हुआ है। ऐसे में अभी तक 30 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिन तक प्रदेश में भारी बारिश होने की संभावना व्यक्त की है। वहीं, हनुमानगढ़ जिले के टिब्बी में रील बनाने के चक्कर में एक बड़ा हादसा हो गया। जहां पिता, पुत्र व पोते की तलवाड़ा झील मार्ग पर इंदिरा गांधी नहर के पुल से नहर में कार गिरने से मौत हो गई।

- एक साथ पिता-पुत्र-पोते की हादसे में मौत हो गई

इंदिरा गांधी नहर के पुल से सोमवार सुबह करीब 8:00 बजे गिरी कार को चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद नहर से निकाला गया। साथ ही नहर से तीनों के शव भी बरामद किए गए हैं। जिनकी पहचान राठीखेड़ा निवासी मरबूब आलम (60) सानिब हुसैन(19) व हसनैन(5) के रूप में हुई है। कार सवार तीनों पिता, पुत्र व पोते के शव को कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाया जा रहा है। जहां उनका पोस्टमार्टम किया गया।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड CIN No: U40109RJ2000SGC016486
अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड CIN No: U40109RJ2000SGC016482
जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड CIN No: U40109RJ2000SGC016483

वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश के मुख्य बिन्दु:-

राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग ने जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के लिए अपने आदेश दिनांक 26.07.2024 के द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश जारी कर दिया है। नया आदेश, दिनांक 01.08.2024 से प्रभावी होगा। विस्तृत वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश निगमों की वेबसाईट https://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, https://energy.rajasthan.gov.in/avvnl, https://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं माननीय आरईआरसी की वेबसाईट https://rerc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध है।

टैरिफ आदेश के मुख्य बिन्दु निम्न प्रकार है:-

- माननीय आयोग ने माना है कि वर्तमान टैरिफ संरचना लागत-प्रतिबिंबित (cost-reflective) नहीं है क्योंकि स्थाई शुल्क से राजस्व, डिस्कॉम्स द्वारा निर्धारित निश्चित लागत के अनुरूप नहीं है और इस प्रकार, अनफंडेड अंतर और इस तथ्य को देखते हुए कि माननीय राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग आदेश दिनांक 06.02.2020 के बाद से कोई भी टैरिफ वृद्धि नहीं हुई थी, माननीय राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग द्वारा कृषि श्रेणी को छोड़कर सभी उपभोक्ता श्रेणियों पर मौजूदा निर्धारित शुल्क को सांकेतिक संशोधित अनुमोदित किया है।
- 50 यूनिट/माह तक की खपत वाले बीपीएल/आस्था कार्ड धारकों और छोटे घरेलू उपभोक्ताओं के स्लैब को मिलाकर एक स्लैब बनाया गया है।
- वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही के लिए ईंधन अधिभार (@1.33 रूपये/यूनिट) की वसूली और वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही के लिए ईंधन अधिभार (0.90 रूपये/यूनिट) की वसूली वित्त वर्ष 2024-25 के लिए टैरिफ आदेश में अनुमोदित किया गया है।
- डिस्कॉम्स से ग्रीन पावर का विकल्प चुनने वाले उपभोक्ताओं से हरित बिजली शुल्क (Green power tariff) 0.21 रू./यूनिट , जो कि टैरिफ आदेश के अनुसार संबंधित श्रेणी के सामान्य टैरिफ से अधिक (over and above) है, लगाया जाएगा।
- यदि सौर ऊर्जा और डिस्कॉम के ड्रॉवल दोनों को ध्यान में रखते हुए संयुक्त लोड फैक्टर 50 प्रतिशत या अधिक है और डिस्कॉम के ड्रॉवल का लोड फैक्टर न्यूनतम 40 प्रतिशत या अधिक है। ऐसे मामलों में डिस्कॉम से ली गई ऊर्जा को 1 एमवीए या अधिक बिलिंग मांग और 50 प्रतिशत या अधिक फैक्टर वाले उपभोक्ताओं के लिए लागू टैरिफ पर बिल किया जाएगा।
- पॉलीहाउसों को आपूर्ति कोड विनियमों के अनुसार उनके वोल्टेज स्तर के आधार पर एचटी/ एलटी टैरिफ अनुसूची के तहत मिश्रित भार श्रेणी के अंतर्गत कवर किया जाएगा।
- नवीन औद्योगिक छूट कनेक्शन दिनांक से स्वतः जारी हो जायेगी। तथा उपखण्ड अधिकारी से किसी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होगी।
- वृद्धिशील छूट उन कनेक्शनों पर लागू नहीं होगी, जो सरकारी विभाग/ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से संबंधित हैं।
- माननीय राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग द्वारा स्पष्ट किया है कि अतिरिक्त मांग अधिभार (बिना छूट या अधिभार पर विचार किए) टैरिफ आदेश में निर्दिष्ट सकल ऊर्जा और स्थाई शुल्क पर लगाया जावेगा
- ट्राईवेक्टर मीटर (टीवीएम) वाले 18.65 किलोवाट से अधिक कनेक्टेड लोड वाले एलटी उपभोक्ताओं और स्मार्ट मीटर वाले अन्य एलटी ईवी उपभोक्ताओं के लिए ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए टीओडी टैरिफ जारी रहेगी।
- माननीय राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग द्वारा टीओडी टैरिफ संशोधित की है। उपरोक्त में सुबह 6:00 AM - 08:00 AM में ऊर्जा शुल्क पर 5% अधिभार एवं सांय 6:00 PM - 10:00 PM .बजे तक ऊर्जा शुल्क पर 10% अधिभार लागू होगा। साथ ही दोपहर 12:00 PM - 04:00 PM बजे तक ऊर्जा शुल्क पर 10% छूट लागू होगी। यह संशोधित टीओडी टैरिफ, एमआईपी (एचटी), एनडीएस (एचटी), एलआईपी (एचटी) और ईवी चार्जिंग स्टेशन उपभोक्ताओं पर लागू होगी।

वर्ष 2024-25 के लिये अनुमोदित टैरिफ

घरेलू श्रेणी (एल.टी-1 एवं एच.टी-1)
(बीपीएल, आस्था कार्ड धारक और लघु घरेलू उपभोक्ता किसी बिलिंग चक्र में 50 यूनिट प्रतिमाह)
बीपीएल और लघु घरेलू

घरेलू श्रेणी			घरेलू श्रेणी		
विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार		ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
बीपीएल और आस्था कार्ड धारक *			(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	150 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
(i) 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	3.50 रू प्रति यूनिट	100 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह			
लघु घरेलू *					
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	3.85 रू प्रति यूनिट	125 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह			

* नोट : बीपीएल और आस्था कार्ड धारक की घरेलू टैरिफ एकल उपभोक्ता पर ही लागू होगी और यह किसी संस्था पर लागू नहीं होगी। यदि बीपीएल, आस्था कार्ड धारक और लघु घरेलू उपभोक्ता किसी बिलिंग चक्र में 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर उपभोग करते है तो उपभोक्ता पर घरेलू श्रेणी एलटी-1 के अन्तर्गत अतिरिक्त यूनिटों के उपभोग पर सम्बन्धित स्लैब लागू होगी।

सामान्य घरेलू-1

घरेलू श्रेणी			घरेलू श्रेणी		
विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
सामान्य घरेलू-1 (150 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग)			सामान्य घरेलू-1 (150 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग)		
	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार		ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	230 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	250 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट	

सामान्य घरेलू-2

घरेलू श्रेणी			घरेलू श्रेणी		
विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
सामान्य घरेलू-2 (150 यूनिट से ऊपर 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)			सामान्य घरेलू-2 (150 यूनिट से ऊपर 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)		
	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार		ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	275 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	300 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट	
(iii) 150 यूनिट से ऊपर 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट		(iii) 150 यूनिट से ऊपर 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट	

सामान्य घरेलू-3

घरेलू श्रेणी			घरेलू श्रेणी		
विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
सामान्य घरेलू-3 (300 यूनिट से ऊपर 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)			सामान्य घरेलू-3 (300 यूनिट से ऊपर 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)		
	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार		ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	345 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	400 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट	
(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट		(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट	
(iv) 300 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.65 रू प्रति यूनिट		(iv) 300 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.65 रू प्रति यूनिट	

सामान्य घरेलू-4

घरेलू श्रेणी			घरेलू श्रेणी		
विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
सामान्य घरेलू-4 (500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग)			सामान्य घरेलू-4 (500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग)		
	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार		ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	400 रू प्रति कनेक्शन प्रति माह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	450 रू प्रति कनेक्शन प्रति माह
(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट	
(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट		(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट	
(iv) 300 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.65 रू प्रति यूनिट		(iv) 300 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.65 रू प्रति यूनिट	
(v) 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	7.95 रू प्रति यूनिट		(v) 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	7.95 रू प्रति यूनिट	

घरेलू श्रेणी (एच.टी-1)

घरेलू श्रेणी			घरेलू श्रेणी		
विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
एच.टी घरेलू (एच.टी-1)			एच.टी घरेलू (एच.टी-1)		
	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार		ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
50 के.वी.ए. से ऊपर की संविदा स्वीकृत मांग	7.15 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 250 रू प्रति के.वी.ए.	50 के.वी.ए. से ऊपर की संविदा स्वीकृत मांग	7.15 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 275 रू प्रति के.वी.ए.

अघरेलू श्रेणी (एल.टी-2 एवं एच.टी.-2)
अघरेलू 5 किलोवाट तक स्वीकृत सम्बंद्व भार
(अघरेलू टाईप-1)

अघरेलू श्रेणी			अघरेलू श्रेणी		
विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
एल.टी - अघरेलू (एल.टी-2)			एल.टी - अघरेलू (एल.टी-2)		
100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप-1)			100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप-1)		
	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार		ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	300 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	330 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह

(अघरेलू टाईप-2)

अघरेलू श्रेणी			अघरेलू श्रेणी		
विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
एल.टी - अघरेलू (एल.टी-2)			एल.टी - अघरेलू (एल.टी-2)		
100 यूनिट से ऊपर 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप-2)			100 यूनिट से ऊपर 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप-2)		
	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार		ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	300 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	330 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	

(अघरेलू टाईप-3)

अघरेलू श्रेणी			अघरेलू श्रेणी		
विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
एल.टी - अघरेलू (एल.टी-2)			एल.टी - अघरेलू (एल.टी-2)		
200 यूनिट से ऊपर 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप-3)			200 यूनिट से ऊपर 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप-3)		
	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार		ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	380 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	420 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	
200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट		200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट	

(अघरेलू टाईप-4)

अघरेलू श्रेणी			अघरेलू श्रेणी		
विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
एल.टी - अघरेलू (एल.टी-2)			एल.टी - अघरेलू (एल.टी-2)		
500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग (टाईप-4)			500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग (टाईप-4)		
	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार		ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	460 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	500 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	
200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट		200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट	
500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	8.95 रू प्रति यूनिट		500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	8.95 रू प्रति यूनिट	

अघरेलू - 5 किलोवाट से ऊपर स्वीकृत संबद्ध भार,

अघरेलू श्रेणी			अघरेलू श्रेणी		
विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
अघरेलू 5 किलोवाट से ऊपर स्वीकृत संबद्ध भार (एल.टी-2)			अघरेलू 5 किलोवाट से ऊपर स्वीकृत संबद्ध भार (एल.टी-2)		
	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार		ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 135 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह	100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 150 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	
200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट		200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट	
500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	8.95 रू प्रतियूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 150 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 270 रू प्रति के.वी.ए. (यदि स्वीकृत सम्बंद्व भार18.65 किलोवाट से अधिक है तो)	500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	8.95 रू प्रतियूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 165 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 300 रू प्रति के.वी.ए. (यदि स्वीकृत सम्बंद्व भार18.65 किलोवाट से अधिक है तो)

अघरेलू 50 के.वी.ए. से ऊपर संविदा मांग

एच.टी - अघरेलू (एच.टी -2)	मौजूदा टैरिफ		एच.टी - अघरेलू (एच.टी -2)	अनुमोदित टैरिफ	
50 के.वी.ए. से ऊपर संविदा मांग	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	50 के.वी.ए. से ऊपर संविदा मांग	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
सम्पूर्ण यूनिट	8.85 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 270 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	सम्पूर्ण यूनिट	8.85 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह

पी.एस.एल श्रेणी (एल टी-3)

विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
पी.एस.एल	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	पी.एस.एल	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
1 लाख से कम जनसंख्या	7.55 रू प्रति यूनिट	115 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह (अधिकतम 1150 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह)	1 लाख से कम जनसंख्या	7.55 रू प्रति यूनिट	130 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह (अधिकतम 1300 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह)
1 लाख या उससे अधिक जनसंख्या	8.10 रू प्रति यूनिट	145 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह (अधिकतम 2835 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह)	1 लाख या उससे अधिक जनसंख्या	8.10 रू प्रति यूनिट	160 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह (अधिकतम 3120 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह)

कृषि मीटर्ड श्रेणी (मीटर्ड और फ्लेट रेट) (एल टी-4)

विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
मीटर्ड (एजी/एमएस(एल टी-4)			मीटर्ड (एजी/एमएस(एल टी-4)		
कृषि सप्लाई	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	कृषि सप्लाई	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	5.55 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	5.55 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	7.10 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	7.10 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
फ्लेट / अमीटर्ड (एजी/ एफआर(एल टी-4)			फ्लेट / अमीटर्ड (एजी/ एफआर(एल टी-4)		
(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	745 रू प्रति एच.पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	745 रू प्रति एच.पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	895 रू प्रति एच.पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	895 रू प्रति एच.पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह

लघु औद्योगिक श्रेणी (एल टी-5)

विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
लघु औद्योगिक सेवा (एल.टी.-5) (18.65 किलोवाट (25 एच.पी) से अधिक भार नहीं,)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	लघु औद्योगिक सेवा (एल.टी.-5) (18.65 किलोवाट (25 एच.पी) से अधिक भार नहीं,)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
500 यूनिट तक उपभोग	6 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 80 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	500 यूनिट तक उपभोग	6 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 90 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
500 यूनिट से ऊपर का उपभोग	6.45 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 110 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	500 यूनिट से ऊपर का उपभोग	6.45 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 120 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह

मध्यम औद्योगिक श्रेणी (एल टी-6 और एच टी-3)

विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार		ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
मध्यम औद्योगिक सेवा (एल.टी-6)	7 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 115 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 230 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मध्यम औद्योगिक सेवा (एल.टी-6)	7 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 130 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 255 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह
मध्यम औद्योगिक सेवा (एच.टी-3)	7 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 230 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मध्यम औद्योगिक सेवा (एच.टी-3)*	7 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 255 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह

* सभी छूटों पर विचार करने के बाद एचटी-3 के लिए न्यूनतम ऊर्जा शुल्क 6.30 रू प्रति यूनिट

मिक्स लोड श्रेणी ब्लक सप्लाई (एल टी-7 और एच टी-4)

विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार		ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
मिक्स लोड सेवा (एल.टी-7)	8.05 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 105 रू प्रति एच. पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 215 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मिक्स लोड सेवा (एल. टी-7)	8.05 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 115 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 240 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह
मिक्स लोड सेवा (एच.टी-4)	8.05 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 215 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मिक्स लोड सेवा (एच. टी-4)	8.05 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 240 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह

वृहद औद्योगिक श्रेणी (एच टी-5)

विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
	ऊर्जा प्रभार (कुल उपभोग पर)	स्थाई प्रभार		ऊर्जा प्रभार (कुल उपभोग पर)	स्थाई प्रभार
(A) स्वीकृत संबद्व भार 150 एच.पी. से अधिक और/ या अधिकतम अनुबंधित/अधिकतम मांग 125 के.वी.ए. से ऊपर	7.30 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 270 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	(A) स्वीकृत संबद्व भार 150 एच.पी. से अधिक और/ या अधिकतम अनुबंधित/अधिकतम मांग 125 के.वी.ए. से ऊपर	7.30 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह
(B) ऐसे उपभोक्ता जिनकी बिलिंग डिमांड 1 एम.वी.ए. अथवा उससे अधिक है और लोड फेक्टर 50 प्रतिशत या उससे अधिक है	6.30 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 270 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	(B) ऐसे उपभोक्ता जिनकी बिलिंग डिमांड 1 एम.वी.ए. अथवा उससे अधिक है और लोड फेक्टर 50 प्रतिशत या उससे अधिक है	6.30 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह

वृहद् औद्योगिक श्रेणी के लिये वोल्टेज वार अनुमोदित टैरिफ*

स्वीकृत सम्बद्व भार 150 एचपी से ऊपर या 125 कवीए से अधिक अनुबंधित / अधिकतम मांग वाले उपभोक्ताओं के लिए वोल्टेज वार *

विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ		विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ	
वोल्टेज स्तर	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	वोल्टेज स्तर	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
11 केवी	7.300	बिलिंग मांग का 270 रू. प्रति केवीए प्रति माह	11 केवी	7.300	बिलिंग मांग का 300 रू. प्रति केवीए प्रति माह
33 केवी	7.081		33 केवी	7.081	
132 केवी	7.008		132 केवी	7.008	
220 केवी	6.935		220 केवी	6.935	

ऐसे उपभोक्ता जिनकी बिलिंग डिमांड 1 एम.वी.ए. अथवा उससे अधिक है और लोड फेक्टर 50 प्रतिशत या उससे अधिक है, वोल्टेज वार* दरें

वोल्टेज स्तर	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	वोल्टेज स्तर	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
11 केवी	6.300	बिलिंग मांग का 270 रू. प्रति केवीए प्रति माह	11 केवी	6.300	बिलिंग मांग का 300 रू. प्रति केवीए प्रति माह
33 केवी	6.111		33 केवी	6.111	
132 केवी	6.048		132 केवी	6.048	
220 केवी	5.985		220 केवी	5.985	

* वृहद औद्योगिक श्रेणी के लिये कोई अन्य वॉल्टेज छूट प्रयोज्य नहीं होगी।

न्यूनतम ऊर्जा प्रभार'

विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ	विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ
वोल्टेज स्तर	ऊर्जा प्रभार	वोल्टेज स्तर	ऊर्जा प्रभार
11 केवी	6.00	11 केवी	6.00
33 केवी	5.82	33 केवी	5.82
132 केवी	5.76	132 केवी	5.76
220 केवी	5.70	220 केवी	5.70

* वृहद औद्योगिक श्रेणी के लिये कोई अन्य वॉल्टेज छूट प्रयोज्य नहीं होगी।

विद्युत चलित वाहनों हेतु चार्जिंग स्टेशन (एल टी -8 और एच टी -6)

मौजूदा टैरिफ			अनुमोदित टैरिफ		
श्रेणी	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	श्रेणी	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (एल टी -8)	6.00 रू. प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 40 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (एल टी -8)	6.00 रू. प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्व भार का 45 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (एच टी -6)	6.00 रू. प्रति यूनिट	135 रू. प्रति केवीए प्रति माह	सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (एच टी -6)	6.00 रू. प्रति यूनिट	150 रू. प्रति केवीए प्रति माह

टीओडी छुट और अधिभार (एनडीएस (एचटी-2), मध्यम उद्योग (एचटी-3), बड़े उद्योग (एचटी-5) और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन (एलटी-8 और एचटी-6) पर लागू)

स्लॉट्स	6:00AM to 8:00AM (2 घंटे) ऊर्जा प्रभार पर अधिभार	12:00PM to 4:00PM (4 घंटे) ऊर्जा प्रभार पर छुट	6:00PM to 10:00PM (4 घंटे) ऊर्जा प्रभार पर अधिभार
अनुमोदित टीओडी	5%	10%	10%

ट्रैक्शन लोड (एच टी-7)

मौजूदा टैरिफ			अनुमोदित टैरिफ		
श्रेणी	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	श्रेणी	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
ट्रैक्शन लोड (एच टी-7)	5.70 रू. प्रति यूनिट	135 रू. प्रति केवीए प्रति माह	ट्रैक्शन लोड (एच टी-7)	5.70 रू. प्रति यूनिट	150 रू. प्रति केवीए प्रति माह

अन्य टैरिफ:

(अ) व्हीलिंग शुल्क

वोल्टेज स्तर	मौजूदा टैरिफ(रू./यूनिट)	अनुमोदित टैरिफ(रू./यूनिट)
132 KV	0.01	0.01
33 KV	0.15	0.13
11 KV	0.79	0.74

(ब) क्रॉस सब्सिडी प्रभार

ओपन एक्सेस उपभोक्ता श्रेणी	वोल्टेज	मौजूदा टैरिफ (रू./यूनिट)	अनुमोदित क्रॉस सब्सिडी प्रभार (रू./यूनिट)
अघरेलू	11 केवी.	2.23	1.59
	33 केवी.	2.16	1.59
	132 केवी. और उससे ऊपर	2.14	1.59
मिक्स लोड/बल्क सप्लाई	11 केवी.	1.92	1.59
	33 केवी.	1.86	1.59
	132 केवी. और उससे ऊपर	1.84	1.59
वृहद् उद्योग	11 केवी.	1.58	1.59
	33 केवी.	1.67	1.59
	132 केवी. और उससे ऊपर	1.65	1.59

(स) अतिरिक्त सरचार्ज

अतिरिक्त सरचार्ज	मौजूदा टैरिफ(रू./यूनिट)	अनुमोदित (रू./यूनिट)
	0.89	0.53

(द) हरित टैरिफ

हरित टैरिफ (Green Tariff) (रू./यूनिट) सामान्य टैरिफ से ऊपर	0.21 (रू./यूनिट)

नोट :- वर्तमान में वह सभी प्रावधान जो कि इस आदेश में संशोधित नही किये गये है, लागू रहेंगे।

JPR 2871 (2024) **अधीक्षण अभियंता (रेगूलेशन)**
राज.संवाद/सी/24/3662 जयपुर/अजमेर/जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

आर्मी के कमांडों को शिप्रापथ थाने के पुलिसकर्मियों ने निर्वस्त्र करके डंडों से पीटा

पुलिसकर्मियों ने आर्मी के जवान को अपराधियों के बीच बैठाकर यह कहते हुए जलील भी किया कि ''पुलिस, भारतीय सेना की बाप है।''

जयपुर (कासं)। सेना के कमांडो सीमा पर भले ही दुश्मनों के छक्के छुड़ाते हैं, लेकिन अपने घर में पुलिस से हार जाते हैं। जयपुर में एक ऐसा ही मामला सामने आया है। मानसरोवर के शिप्रा पथ थाने में पुलिस ने सेना के एक कमांडो को न सिर्फ निर्वस्त्र कर डंडों से पीटा, बल्कि अपराधियों के बीच बैठाकर पुलिसकर्मियों ने कहा ''पुलिस, भारतीय सेना की बाप है।'' इसकी शिकायत कमांडो ने जब सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से की तो वे सोमवार को थाने पहुंचे और ए.सी.पी. संजय शर्मा को जमकर फटकार लगाई। राठौड़ ने खुद यह घटनाक्रम मीडिया को बताया।

दरअसल, 11 अगस्त को सेना के कमांडो अरविंद अपने परिचित जवान के केस के सिलसिले में जानकारी लेने थाने गए थे। थाने में पुलिसवालों ने ठीक से व्यवहार नहीं किया।

उन्होंने खुद के सेना में होने का परिचय दिया। आरोप है कि सब इंस्पेक्टर और पुलिसकर्मियों ने कमांडो को गालियां देते हुए पीटना शुरू कर दिया और हवालात में डालकर कपड़े उतारकर पीटा। कमांडो को जमकर जलील किया गया।

कमांडो अभी बारामूला जम्मू कश्मीर में तैनात हैं। पीड़ित ने इसकी शिकायत सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से की। सेना के कमांडो से मारपीट पर मंत्री इतने नाराज हुए कि थाने पहुंच गए। कर्नल राठौड़ ने सोमवार को थाने पहुंचकर पुलिसवालों से कमांडो के साथ मारपीट करने पर सवाल-जवाब किए। इस दौरान पुलिस के कई वरिष्ठ अफसर भी पहुंच गए। मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने मोबाइल में पीड़ित के साथ मारपीट के सबूत दिखाए। इस पर ए.सी.पी. संजय शर्मा ने तर्क दिया कि कमांडो ने पुलिसकर्मियों को गाली दी, मुझे भी गाली दी है।

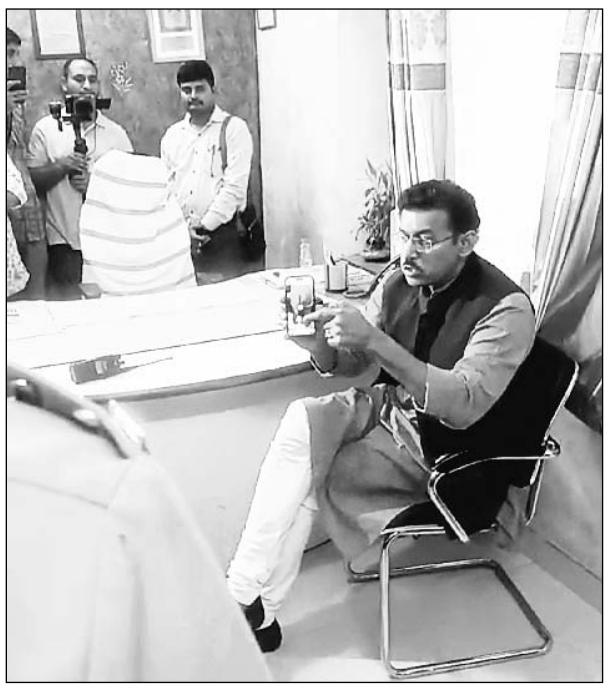

जयपुर के शिप्रा पथ थाने में पुलिसकर्मियों द्वारा सेना के कमांडों से मारपीट करने की घटना से नाराज सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ इतने नाराज हुए कि थाने पहुंचकर पुलिसवालों फटकार लगाई।

नाराज मंत्री राठौड़ ने ए.सी.पी. संजय शर्मा के बीच में बोलने पर नाराजगी जाहिर करते हुए फटकार लगाई। राज्यवर्धन ने कहा कि, संजय जी, जब मैं बात कर रहा हूं तो आप क्यों बोल रहे हैं? आपको तो बेसिक प्रोटोकॉल ही नहीं पता, मैं बात कर रहा हूं न। आप वहां किससे बात कर रहे हैं? उसे छोड़िए गाली तो बहुत छोटी चीज हो गई। ये तो मुझसे ही लड़ना चाहते हैं। मैं यहां धैर्य से सब सुन रहा हूं, लेकिन संजय शर्मा कंटेस्ट करना चाहते हैं। जब आपसे बात की जाए तो जवाब दीजिए, नहीं तो सावधान में खड़ा रहिए। यहां नहीं खड़े रहना चाहते तो अपने दफ्तर जाइए।

राज्यवर्धन ने कहा कि, ''आपने बेसिक मैनर्स नहीं सीखे। पुलिस के अंदर वर्दी है तो अलग रौब हो गया है। कोई धैर्य, कोई पेशेंस, कुछ है? कोई जनता की सेवा मन में है या दादागिरी है? आप ऐसे लोगों को सामने क्यों रखते हो? मैंने आपको धैर्य से कॉल किया, वो तो मुझसे ही लड़ रहे हैं। उसको गाली दी या नहीं, भाड़ में जाए। आपने सेना में कमांडो को निर्वस्त्र करके डंडे मारे या नहीं मारे?

मंत्री राज्यवर्धन ने पुलिस अफसरों से कहा कि, जिसके पास ताकत होती है, उसको धैर्य की बहुत जरूरत है। धैर्य होना चाहिए। जब हम सेवा में थे।

हमारे को लोग गाली-गलौज नहीं करते थे क्या? हमसे भी बहुत गाली गलौच करते थे, लेकिन ध्यान नहीं देते थे। फर्क नहीं पड़ता। जिसको बोलना है, बोलने दें। हम अपना काम करते थे। आप अपना काम करते रहिए। आपको दिखाने की क्या जरूरत पड़ गई कि कौन ज्यादा ताकतवर है?

शिप्रापथ थाने में मंत्री राठौड़ ने मीडिया से बातचीत में कहा कि, कश्मीर में तैनात कमांडो जयपुर आता है। उस कमांडो को पकड़कर पुलिसकर्मियों ने निर्वस्त्र करके डंडों से खूब पिटाई की। फिर निर्वस्त्र करके लोगों के बीच में बैठाकर पुलिसकर्मी उसे दोहराते हैं कि पुलिस, भारतीय सेना की बाप है। यह अत्यंत दुःख की बात है। यह घिनौनी मानसिकता दिखाता है। मैं वर्दी में रहा हूं। राजस्थान पुलिस पर विश्वास है कि ऐसी घिनौनी मानसिकता वाले पुलिसवालों की जांच और इलाज करवाएं। ऐसे लोग समाज के लिए खतरा है। देश की रक्षा करने वालों को वर्दी की धौंस दिखाना कायरता है।

राठौड़ ने कहा कि यह सरकार के जीरो टोलरेंस में आता है। पुलिस को पावर देश के संविधान और सरकार ने दी है। उसके पीछे जिम्मेदारी भी है। मैंने सैनिक की मेडिकल रिपोर्ट देखी है, तस्वीरें देखी हैं।

एक भारतीय सैनिक को पांच-पांच पुलिसवाले मिलकर बुरी तरह पीट रहे हैं। उसे बिना कारण मारा गया। मैंने डीजीपी और पुलिस कमिश्नर से बात की है, दोषियों पर कार्रवाई होगी। लेकिन मुझे लगा कि एक सैनिक के साथ इतनी बड़ी घटना हुई है तो मेरा यहां आना जरूरी था, इसलिए यहां आया।

वहीं सब इंस्पेक्टर बन्ना लाल का कहना है कि, अधिकारियों के निर्देशानुसार हुक्का-बार पर कार्रवाई की गई थी। मुझे किसी को छोड़ने के आदेश नहीं थे।

सिफारिश करने आए व्यक्ति ने रौब जताना शुरू कर दिया था। अभद्रता करने पर उसके खिलाफ भी रोजनामचे में रपट डालकर कार्रवाई की गई। मेरे जाने के बाद किन पुलिसकर्मियों से उसकी कहासुनी-मारपीट हुई, इस बारे में मुझे पता नहीं है।

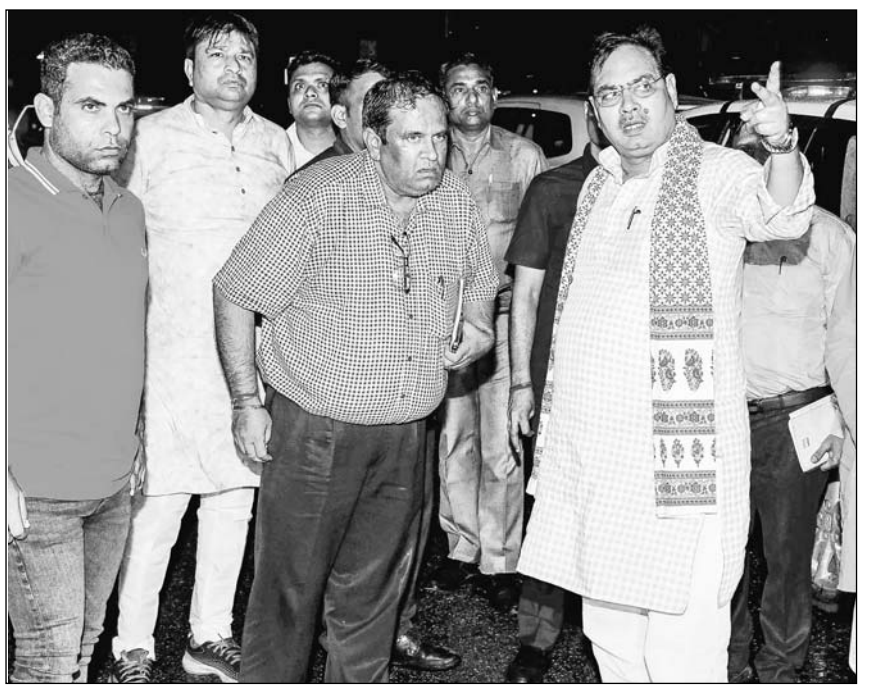

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार शाम को जयपुर शहर में हुई तेज बारिश के दौरान जवाहर सर्किल, मालवीय नगर अंडर पास, सांगानेर क्षेत्र, चौमूं पुलिया, ढेर के बालाजी चौराहा, 9 नंबर और 14 नंबर चौराहे का जायजा लिया।

दो वर्षीय डिप्लोमा धारकों को नियुक्ति देने का आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी विशेष शिक्षक भर्ती-2022 में स्नातक के साथ दो वर्षीय डिप्लोमा धारकों को नियुक्ति के पात्र मानते हुए अभ्यर्थियों को तीन माह में नियुक्ति देने को कहा है। जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश हेमलता व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने 16 फरवरी 2022 को तृतीय श्रेणी विशेष शिक्षक भर्ती निकाली थी। जिसके पैरा नंबर 6.2 में विशेष शिक्षा में बीएड उत्तीर्ण होना अनिवार्य किया गया।

गलता कुंड में डूबने से 2 चचेरे भाइयों की मौत

जयपुर । गलता गेट थाना इलाके में सोमवार को कावड़ लेने आए दो चचेरे भाइयों की गलता कुंड में डूबने से मौत हो गई। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि वह अपने दोस्तों के साथ कावड़ लेने के लिए गलताकुंड आए थे और नहाने के लिए छलांग लगाने पर दोनों भाई डूब गए।

सूचना मिलने पर पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम की मदद से दोनों शवों को पानी से बाहर निकलवा कर पोस्टमॉर्टम के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल (एसएमएस) की मोर्चरी में भिजवा कर परिजनों को हादसे की सूचना दी गई। परिजनों की मौजूदगी में दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम कर उनके हवाले कर दिया गया।

एसआई गिरिराज ने बताया कि गलताकुंड में डूबने से सवाई माधोपुर निवासी सोनू (20) और राहुल (23) की मौत हो गई। दोनों चचेरे भाई कानोता में मीना पालड़ी में रहते थे और सोमवार दोपहर को तीन दोस्तों के साथ गलताजी कावड़ लेने आए थे। गलताजी पहुंचते ही सीढ़ियों पर अपने तीनों साथियों को चढ़ता छोड़कर भागते हुए नहाने के लिए जनाना कुंड में छलांग लगा दी। कुछ देर

- दोनों युवक नहाने के लिए कुंड में उतरे थे, लेकिन बाहर नहीं निकल सके

बाद दोनों एक-दूसरे को पकड़कर पानी में डूबते दिखाई देने पर लोगों ने हंगामा मच गया।

हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम को सूचना दी। सूचना मिलने पर सिविल डिफेंस टीम मौके पर पहुंची और कुंड में टीम को रेस्क्यू के लिए उतारा।

सिविल डिफेंस टीम ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों चचेरे भाइयों के शवों को कुंड से बाहर निकाल कर सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया।

सुरक्षा गार्ड ने की बच्ची से छेड़छाड़

जयपुर । विद्याधर नगर में पांच वर्षीय बच्ची से गंदी हरकत करने का मामला सामने आया है। परिजनों के साथ वह मंदिर में चल रहे कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। यहां मासूम को अकेला पाकर सुरक्षा गार्ड ने बाथरूम में लेकर जाकर गंदी हरकत की। पुलिस ने पोक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर कार्रवाई करते हुए आरोपित गार्ड को डिटेन कर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि हरमाड़ा निवासी युवक ने मामला दर्ज करवाया है कि विद्याधर नगर इलाके में स्थित मंदिर में परिचित ने रविवार को सहस्त्र घट का कार्यक्रम रखा था।

रविवार दोपहर वह पत्नी और पांच वर्षीय बच्ची बेटी के साथ कार्यक्रम में शामिल होने मंदिर आए थे। रविवार देर शाम मंदिर परिसर में मासूम बेटी खेल रही थी। अकेला पाकर मंदिर के सुरक्षा गार्ड कंवर सिंह गुर्जर निवासी सुमेलपुर जिला दौसा ने मासूम को अपने पास बुलाकर बाथरुम में ले जाकर गंदी हरकत की। कुछ देर बाद मां के पास लौटी मासूम ने आरोपी की करतूत बताई, जिसके बाद लोगों ने उसकी पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया।

सलूंबर विधानसभा के लिए उपचुनाव की तैयारी शुरू

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में होने वाले पांच विधानसभा उपचुनाव के साथ ही सलूंबर विधानसभा उपचुनाव के लिए भी कांग्रेस ने तैयारी शुरू कर दी है। पांच विधानसभा क्षेत्र झुंझुनू, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर और चौरासी के लिए प्रदेश कांग्रेस की ओर से पहले से ही कमेटियों का गठन कर दिया गया था। अब सलूंबर विधानसभा क्षेत्र के लिए भी वरिष्ठ नेताओं की कमेटी का गठन कर तैयारी शुरू कर दी गई है।

सलूम्बर विधानसभा उप चुनाव की तैयारी हेतु राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने हेतु चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। राजस्थनान प्रदेश कांग्रेस महासचिव व प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि

- कांग्रेस ने बनाई चार नेताओं की कमेटी

समिति द्वारा ब्लॉक, मण्डल तथा बूथ कांग्रेस कमेटियों की बैठक ली जाकर क्षेत्र के जमीनी कार्यकर्ताओं के साथ सीधा संवाद किया जायेगा। साथ ही जमीनी स्तर पर संगठन का मतदाताओं से संवाद एवं जुड़ाव हेतु कार्य योजना बनाकर विधानसभा उप चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने हेतु रूपरेखा तैयार की जायेगी। उन्होंने बताया कि सलूम्बर विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उप चुनाव में पार्टी संगठन की मजबूती एवं क्षेत्र में जमीनी स्तर तक सक्रियता बढ़ाने हेतु राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने सलूम्बर विधानसभा क्षेत्र हेतु वरिष्ठ कांग्रेसजनों की चार सदस्यीय समिति का गठन किया है।

गठित समिति में विधायक अर्जुनसिंह बामनिया, उदयपुर देहात जिलाध्यक्ष कचरूलाल चौधरी, उदयपुर से रहे लोकसभा प्रत्याशी ताराचंद मीणा एवं पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा को शामिल किया गया है।

मूसलाधार बारिश ने जयपुर के ड्रेनेज सिस्टम की पोल खोली, अधिकांश सड़कें जलमग्न

बीते दो दिनों में जयपुर शहर में करीब 5 इंच से अधिक बारिश दर्ज, आज भी बारिश की संभावना

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर में बीते 2 दिनों में पांच इंच बरसात दर्ज हुई है। आगामी 2-3 दिन बारिश दौर बने रहने की संभावना है। शनिवार रात से शुरू हुई बारिश थम-थमकर सोमवार को भी जारी रही। कभी तेज तो कभी मध्यम बारिश के कारण शहर की सड़कें जलमग्न हो गईं। जलमहल का पानी भी पाल लांघकर सड़क पर आ गया, वहीं डूब क्षेत्र की कॉलोनियों में जलभराव के कारण जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

सीकर रोड पर ढेहर के बालाजी क्षेत्र, एम.आई.रोड, परकोटा, कालवाड़ रोड, सिरसी रोड, कनकपुरा-खिरणी फाटक, मालवीय नगर में नंदपुरी अंडरपास और ब्रह्मपुरी नाले के पास जलभराव के कारण लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। शहर की अधिकांश सड़कें बारिश के कारण टूट चुकी है, जिन्हें दुरुस्त नहीं किए जाने के कारण बड़े-बड़े खड्ढे लोगों के लिए मुसीबत बन रहे हैं। साथ ही ट्रेफिक जाम की समस्या भी बढ़ गई है।

तेज बारिश के कारण द्रव्यवती नदी उफान पर बहने लगी है। यहां महारानी फार्म पर नदी का पानी पुलिया के ऊपर से बहने लगा। पुलिया पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई। पैदल जाने वाले लोग भी पुलिया के दोनों तरफ खड़े नजर आए। कुछ लोग जान जोखिम में डालकर गाड़ियों से पुलिया पार करते दिखे। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। बैरिकेडिंग कर गाड़ियों को सड़क पार करने से रोका।

सीकर रोड से ढेहर का बालाजी जाने वाली सड़क पर करीब तीन फीट तक पानी भर गया। इससे जाम की स्थिति बन गई। स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि सड़क पर पानी भरने से बड़े वाहन बस-कार निकलने पर दुकानों में पानी जाता है। इससे स्थानीय दुकानदार काफी परेशान है। यहां अतिक्रमण के कारण नालियां चौक हो चुकी है। इससे हर बारिश में यहां पानी भरता है। जिम्मेदारों को शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होती।

यहां के पानी की निकासी अमानीशाह नाले से कनैक्ट कर दी जाए तो इस समस्या का समाधान हो जाएगा।

कालवाड़ रोड पर रावण गेट चौराहे से लेकर हाथोज तक मुख्य सड़क पर जगह-जगह पानी भरा हुआ है। ड्रेनेज सिस्टम नहीं होने के कारण मुख्य सड़क पर करीब 2 फीट तक पानी भरा हुआ है। सड़क में जगह-जगह गड्ढे होने के कारण आये दिन वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे हैं। ऐसा ही हाल खिरणी फाटक और सिरसी रोड का है। यहां भी कई कॉलोनियों में जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में परेशानियां हो रही हैं।

मालवीय नगर के नंदपुरी अंडरपास में बारिश का पानी भरने के कारण आवागमन अवरूद्ध हो गया है, सोमवार को कई वाहन पानी के बीच में जाकर फंस गए, जिन्हें धक्का देकर बाहर निकालना पड़ा। मोतीडूंगरी रोड पर भी दुकानों में पानी भर गया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि हर बार बारिश पर यहां जलभराव की स्थिति नजर आती है। दुकानों में पानी भर जाता है, पानी के कारण सड़क और फुटपाथ की दूरी का अंदाजा नहीं लग पाता। इससे हादसे भी होते हैं। इसी तरह करतारपुरा नाले के पास बनी कॉलोनियों में पानी भरा नजर आया। नाले का पानी पुलिया के ऊपर से तेज बहाव में बहने लगा। यहां बैरिकेड्स लगाकर ट्रैफिक को बंद किया गया। यहां प्रशासन की ओर से नाले के पास जेसीबी से सफाई करवाई जा रही थी। हालांकि निगम कर्मचारी बारिश थमने का इंतजार करते नजर आए। नाले के पास बनी कॉलोनी में पानी भरा नजर आया।

स्थानीय पार्षद महेंद्र हिंगोनिया ने बताया कि तेज बारिश से पथिक भवन बागवान विहार में मिट्टी के कट्टे डलवाए गए। 500 मिट्टी के कट्टे निगम और 200 कट्टे जेडीए से मंगवाकर नाले के पास स्थित मकान के पास डलवाए गए हैं। करतारपुरा नाले से जो सडक स्वेज फार्म की ओर जाती है। उसे पानी के तेज बहाव के कारण बंद करवाया गया।

वहीं मुहाना मंडी रोड पर केसर चौराहा के पास तेज बारिश से सड़क पर चार फीट गहरा और 15 फीट चौड़ा गड्ढा हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि सीवरेज में बारिश के पानी के रिसाव के कारण सड़क धंस गई। यहां मिट्टी डालने के लिए जो ट्रैक्टर आया था, उसका टायर भी सडक धंसने से तीन फीट गड्ढे में चला गया। इसके बाद जेसीबी की मदद से ट्रैक्टर को बाहर निकाला गया।

परकोटे में चांदी की टकसाल से लेकर सुभाष चौक तक सड़क पर पानी भर गया। चांदी की टकसाल स्थित काले हनुमान जी मंदिर के बाहर पानी भर गया। यहां मंदिर में घुसने से पानी को रोकने के लिए तीन लेयर में लोह की बैरिकेडिंग की गई। इसके बावजूद पानी मंदिर के अंदर पहुंच गया। सड़क पर पानी भरे होने के कारण श्रद्धालु बाहर से ही भगवान के दर्शन किए। हाल ही में हैरिटेज मेयर ने यहां ड्रेनेज सिस्टम सुधारने का दावा किया था। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां तेज बारिश में तीन-चार फीट पानी भर जाता है।

बारिश के दौरान एसएमएस अस्पताल के बाहर घुटनों तक पानी भर गया। यहां आने वाले मरीजों, उनके परिजन और डॉक्टर्स को पानी से होकर गुजरना पड़ा। एसएमएस हॉस्पिटल के अंदर भी डॉक्टर्स-ड्यूटी रूम और कुछ वार्डों में पानी टपकता रहा। मरीजों के साथ मौजूद परिवार के लोगों ने बताया कि साउथ विंग सेकेंड में हालात नहीं सुधरे हैं। यहां पानी ऊपर से टपक रहा है। इससे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि रविवार को ड्यूटी रूम में शॉर्ट सर्किट भी हुआ था।

- टूटी सड़कों से गुजरना हुआ दूभर; गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे लोग, ट्रैफिक जाम की समस्या भी बढ़ी
- सीकर रोड पर ढेहर के बालाजी, जलमहल, नंदपुरी अंडरपास, कालवाड़ रोड समेत कई इलाकों में पानी भरा

सोमवार को लगातार तीसरे दिन तेज बारिश के कारण सीकर रोड स्थित ढेहर के बालाजी क्षेत्र में मुख्य सड़क पर 3 फीट तक पानी भरा रहा। इस दौरान यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियां झेलनी पड़ी। फोटो-राष्ट्रदूत

जयपुर जिले के स्कूलों में आज भी रहेगा अवकाश

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर शहर और जयपुर ग्रामीण में भारी बारिश को देखते हुए जिला कलेक्टर ने 13 अगस्त को अवकाश घोषित किया है। गौरतलब है कि 12 अगस्त को भी स्कूलों में अवकाश घोषित किया था। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मंजू शर्मा ने आदेश जारी किया है कि जयपुर शहर और जयपुर ग्रामीण के सभी राजकीय और गैर राजकीय विद्यालयों में कक्षा एक से 12 तक सभी छात्र-छात्राओं का मंगलवर को अवकाश घोषित किया जाता है। सभी संस्था प्रधान इस आदेश की पालना सुनिश्चित करेंगे।

एस.एम.एस. अस्पताल में डॉक्टर्स ने शुरू की हड़ताल

जयपुर,(का.सं.)। सवाई मान सिंह मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने आर.जी. के.ए.आर. मेडिकल कॉलेज में हुई भयावह घटना से क्षुब्ध होकर हड़ताल की घोषणा की है। हालांकि इस दौरान आपातकालीन सेवाएं जारी रहेंगी।

जार्ड की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कोलकाता में एक मेडिकल कॉलेज जहां एक ऑन-ड्यूटी डॉक्टर के साथ बेरहमी से बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। हम रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ अटूट एकजुटता के साथ खड़े हैं। राष्ट्रव्यापी फ़ेडरेशन ऑफ़ रेजिडेंट डॉक्टर्स द्वारा शुरू की गई हड़ताल के समर्थन में एसोसिएशन और आम सभा की बैठक की सर्वसम्मति के आधार पर एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर, में तत्काल हड़ताल शुरू करके चरणबद्ध विरोध का प्रस्ताव करते हैं। इस दौरान ओपीडी, ओटी और वार्डों सहित सभी वैकल्पिक और गैर-आवश्यक सेवाओं का निलंबन रहेगा। हालांकि गंभीर रूप से बीमार रोगियों को आपातकालीन सेवाएं मिलती रहेंगी, आपातकालीन सेवाएं चालू रहेंगी।

इस मामले में जार्ड पदाधिकारियों ने पारदर्शी जांच सहित सीबीआई को देने की मांग की है। इसी के साथ जिम्मेदार अधिकारियों का इस्तीफे सहित सभी अधिकारियों के निलंबन की मांग की है। इसके साथ ही परिजनों को पर्याप्त मुआवजे की मांग भी की है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के निर्देश

जयपुर। प्रदेश में अतिवृष्टि की स्थिति को देखते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा शहरों और गांवों में निर्बाध पेयजल आपूर्ति और पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किये गए हैं। विभागीय अधिकारियों को बाढ़ की स्थिति में पेयजल की सुचारू आपूर्ति के लिए सभी व्यवस्थाएं पुख्ता करने के लिए कहा गया है।

विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने इस संबंध में सोमवार को वीसी के माध्यम से बैठक लेकर सभी मुख्य अभियंता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये। उन्होंने कहा कि बाढ़ के दौरान बिजली लाइनों के क्षितग्रस्त होने की संभावना के चलते जलापूर्ति बाधित होने की आशंका बनी रहती है। इस स्थिति से बचने के लिए जेनरेटर सेट किराए पर लिए जाएं तथा वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर पानी के टैंकरों की तैनाती की जाए। साथ ही विद्युत वितरण निगम के अधिकारियों के साथ समन्वय कर बिजली आपूर्ति में किसी भी तरह की रुकावट होने पर तुरंत आपूर्ति बहाल किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि बाढ़ के जल की निकासी के लिए डीजल और बिजली से चलने वाले पंपिंग सेटों को चालू हालत में रखा जाए।

घटिया होने के संदेह पर 1200 लीटर घी सीज

जयपुर । खाद्य सुरक्षा आयुक्त इकबाल खान के निर्देशन में सोमवार को को इंदौर से जयपुर लाए जा रहे 1200 लीटर से अधिक घी को अमानक और घटिया होने के संदेह पर सीज किया गया।

अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि मदर चॉइस ब्रांड का 705 लीटर एवं मिल्क क्रीम ब्राण्ड का 540 लीटर घी सैंपल लेने के बाद सीज किया गया है। यह घी इंदौर से बस में रखकर जयपुर लाया जा रहा था, जिसे अलग-अलग जगह सप्लाई किया जाना था। जून 2024 माह में भी इस पर कार्रवाई कर नमूने लिए गए थे, जो अमानक पाए गए थे।

सांसद व विधायक ने प्रशासन और सरकार पर लगाया संवेदनहीनता का आरोप

हिंडौन सिटी। गत तीन दिनों से क्षेत्र में हो रही अतिवृष्टि शहर व क्षेत्र में बिगड़े हालातों को लेकर धौलपुर-करौली सांसद भजनलाल जाटव एवं हिंडौन विधायक अनीता जाटव अपने कुछ समर्थकों को लेकर उपखंड अधिकारी कार्यालय के सामने धरने पर बैठे गए। जिन्होंने शहर में पैदा हुए बाढ़ के हालातो से निपटने में सरकार व आपदा प्रबंधन को पूरी तरह फेल बताया।

■ हिंडौन में बारिश से बिगड़े हालातो को लेकर सांसद और विधायक उपखंड अधिकारी कार्यालय पर धरना दिया

सांसद भजनलाल जाटव एवं हिंडौन विधायक अनीता जाटव अपने कुछ समर्थकों को लेकर उपखंड अधिकारी कार्यालय के सामने धरने पर बैठे गए।

उपखंड अधिकारी कार्यालय के सामने धरने पर बैठे धौलपुर-करौली सांसद भजनलाल जाटव ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि जब मौसम विभाग ने पूर्व में ही चेतावनी दे दी थी कि भरतपुर,धौलपुर व करौली आदि क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना है। इसके बावजूद भी ना तो सरकार ने इस ओर कोई ध्यान दिया और ना ही उपखंड व जिले के अधिकारियों ने ही क्षेत्र की स्थिति और हालतों के अनुसार कोई ध्यान दिया। इस तरह उपखंड और जिले के अधिकारियों से लेकर सरकार तक मौसम विभाग की इस आशंका से बेपरवाह रहे जिसका खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा की आपदा प्रबंधन को लेकर कोई सर्वे भी नहीं कराया।

उन्होंने मांग करते हुए कहा है कि बर्षों पुरानी खारी नाले की समस्या समाधान होने की जगह बढ़ गई। उन्होंने सरकार से नाले की सफाई करवाने और पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था करवाने की मांग करते हुए कहा है कि नाले के पानी को खरेटा रोड होते हुए चौबे के बंध तक पहुंचाया जाए तो हिंडौन के लोगों को जल भराव की समस्या से निजात मिल जाएगी। इसी दौरान उन्होंने सरकार से आमजन को हुए नुकसान का मुआवजा देने की भी मांग रखी। इसी तरह हिंडौन में बाढ़ से बिगड़े हालातो पर विधायक अनीता जाटव ने कहां की भाजपा सरकार की पहली विधानसभा की बैठक में उन्होंने हिंडौन क्षेत्र के इस हरि नल की और जल भराव की समस्या को प्रमुखता से उठाया सरकार का ध्यान भी आकर्षित किया लेकिन इसके बावजूद भी सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया उन्होंने बताया है कि 3 दिन से हो रही भारी बारिश से क्षेत्र में बाढ़ के हालात बने हुए हैं बरसात हमने का नाम नहीं ले रही है जल से तालाब से पानी ओवरफ्लो हो रहा है और शहर में घुस रहा है लोगों का जनजीवन पूरी तरह अस्त व्यस्त है व्यापारियों का और वह रुपए का नुकसान हो चुका है इस समस्या को लेकर उन्होंने जल से तालाब की पाल जिसका गत वर्ष ही लगभग 5 करोड रुपए की लागत से निर्माण हुआ था ढहने लग गई है उन्होंने कहा कि अगर जलसन बांध टूट गया तो इंदौर में तबाही मच जाएगी जिसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी।

सांसद भजनलाल और विधायक अनीता ने कहा कि शहर में पैदा हो रहे इन हालातो को लेकर जिला कलेक्टर से लेकर संभाग की आयुक्त सीएम के प्रिंसिपल सेक्रेटरी आपदा प्रबंधन के प्रिंसिपल सेक्रेटरी सहित स्वयं डिप्टी सीएम तक बात कर ली है लेकिन सरकार अभी कोई निर्णय नहीं ले पा रही है इस तरह उन्होंने सरकार और प्रशासन पर क्षेत्र की हालातो से बेपरवाह होने का आरोप लगाया है।

विधायक व सांसद ने आमजन से सुरक्षित स्थान पर पहुंचने की अपील की। इसके बाद उन्होंने ट्रैक्टर में बैठकर क्षेत्र के बाढ़ ग्रसित क्षेत्रो का दौरा किया। इस कांग्रेस नेता नरेश गुर्जर, गोपेंद्र पावटा, अंसार पठान, ब्रजकिशोर शर्मा सहित दर्जनों कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

एक पेड मां के नाम के तहत वृक्षारोपण किया

भरतपुर (निस)। पंजाब नैशनल बैंक भरतपुर मण्डल द्वारा हरियालो राजस्थान एवं एक पेड मां के नाम के तहत गवर्नमेण्ट इंजीनियरिंग कालेज सेवर में फलदायक एवं छायादार पेडों का वृक्षारोपण किया गया जिसमें कि पीएनबी एवं आरसेटी स्टाफ सहित कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेन्द्र सिंह उप अंचल प्रबन्धक अंचल जयपुर, नीतिराज शेखावत अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक (एएसपी) यातायात एवं साइबर काइम भरतपुर, मनोज राठौर पीएनबी प्रेरणा, अंचल जयपुर, का स्वागत पीएनबी मण्डल प्रमुख प्रमोद कुमार द्वारा किया गया। राजेन्द्र सिंह उप अंचल प्रबंधक अंचल जयुपर ने पर्यावरण जागरूक का संदेश देते हुए सभी के द्वारा एक पेड मां के नाम के तहत गवर्नमेण्ट इंजीनियरिंग कालेज सेवर में 101 फल दायक आम के पेडों का वृक्षारोपण एवं इनका संरक्षण करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर एमसीसी हैड पीके वर्मा, अग्रणी जिला प्रबंधक प्रशांन्त कुमार, पीएनबी आरसेटी निदेशक उपेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्रबंधक भजन लाल, उप प्रबंधक दिनेश मीणा, गवर्नमेण्ट इंजीनियरिंग कालेज के लेखाधिकरी डॉ नवीन झा सहित गवर्नमेण्ट इंजीनियरिंग कालेज का स्टाफ व स्टूडेण्ट सहित, पीएनबी एवं आरसेटी स्टाफ उपस्थित रहे।

सार-समाचार

जल भराव क्षेत्रो का जायजा लिया

करौली विधायक दर्षन सिंह गुर्जर ने जल भराव क्षेत्रो मे पहुॅचकर जायजा लिया

करौला (नि.स.)। करौली में 3 दिन से लगातार हो रही बारिश के बाद जगह-जगह जल भराव होने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है जिसको लेकर करौली विधायक ने जल भराव क्षेत्र में पहुंचकर जायजा लेते हुए पीड़ित लोगों को सुना और जिला प्रशासन के माध्यम से उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर ने कहा कि जल भराव क्षेत्र में पहुंचकर पीड़ित लोगों से मुलाकात कर उन्हें संभव राहत प्रदान करने का आश्वासन दिया है जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के अधिकारी भी लगातार लोगों की समस्या को देखते हुए उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहचाने के पूरे प्रयास कर रहे हैं वहीं एसडीआरएफ की टीम भी पानी में फंसे लोगों को रेस्क्यू कर जिला प्रशासन द्वारा नियुक्त किए गए सुरक्षित स्थानों पर पहुंच कर उनके भोजन पानी और आवास की व्यवस्था की जा रही है उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार भी भारी बारिश से हो रही लोगों की परेशानी को लेकर चिंतित है प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी लगातार जिला प्रशासन के अधिकारियों से फीडबैक लेते हुए पीड़ित लोगों की और संभव मदद को तत्पर हैं।

धर्मशाला पर किया पौधारोपण

गंगापुर सिटी । मां इंदरगढ बिजासन सेवा समिति के तत्वाधान में रविवार को इंदरगढ दरबार जिला बूंदी में गंगापुर सिटी वालों की धर्मशाला में हरियाला राजस्थान एक पेड मां के नाम पौधा रोपण कार्यक्रम समारोह पूर्वक आयोजित किया गया। धर्मशाला परिसर में सुबह 1० बजे लाखेरी उप जिला कलेक्टर कैलाश गुर्जर, पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर, समिति अध्यक्ष देवी चरण गर्ग, नगर परिषद सभापति शिव रतन अग्रवाल, पूर्व एडीएम बलदेव सिंह, पूर्व चेयरमैन सुरेशचंद्र सिंघल, अखिल भारतीय सम्मेलन के प्रदेश प्रवक्ता महेंद्र गर्ग, महामंत्री वेद प्रकाश मंगल, मदन मोहन गोठरा, नरदेव गुप्ता, मनीष सिंघल, राम अवतार, ओम प्रकाश गुर्जर, धुजी लाल गुप्ता, शिवदयाल जोशी, कैलाश चंद सहित समिति के कार्यकर्ताओं एवं भक्तगणों द्वारा धर्मशाला मार्ग में व धर्मशाला परिसर में 51 पौधों का रोपण किया। इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि हरियाला राजस्थान की मुहिम में प्रत्येक नागरिक एक पेड जरूर लगाए जिससे प्रकृति की रक्षा हो सके और राजस्थान हरा भरा बना रहे। इस दौरान माता रानी के जयकारो से धर्मशाला परिसर गुंजयमान हो गया।

जलभराव क्षेत्रों का किया निरीक्षण

धौलपुर, । जिले में जारी भारी बारिश के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने पर जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी ने शहर के प्रभावित जल भराव क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने सैंपऊ रोड, जगदीश तिराहा एवं बाड़ी रोड पर स्थित दुकानों एवं बाजार के जलभराव क्षेत्रों का निरीक्षण किया। जिला कलेक्टर ने नगर परिषद को जल भराव क्षेत्रों में जल निकासी की समस्या के तत्काल निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये साथ ही सुरक्षात्मक उपायों एवं आमजन को राहत पहुंचाने के लिए भी निर्देशित किया। इससे पूर्व जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी ने सोमवार सुबह उर्मिला सागर बांध का मौका निरीक्षण किया। इस मौके पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर ब्रह्मलाल जाट साथ मौजूद रहे।

जिला स्तरीय समिति की बैठक संपन्न

धौलपुर, । सतत विकास लक्ष्यों के डिस्ट्रिक्ट इन्डीकेटर फ्रेमवर्क-डी.आई.एफ 2024 पर जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में सभी संबधित अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सतत विकास लक्ष्य 2030 के संबध में 17 लक्ष्यों में से 5 लक्ष्यों में जिले को परफॉर्मर, 4 लक्ष्यों में फ्रंट रनर, और 5 लक्ष्यों में एस्पिरेंट की श्रेणी में रखा गया है। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने ऐसे सूचकांकों जिनमें जिला आकांक्षी श्रेणी में आता है को रैंकिंग सुधारने के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया। साथ ही अन्य इंडिकेटर में भी अधिक सुधार करने के लिए जिला कलक्टर ने निर्देशित किया। बैठक के दौरान सांख्यिकी विभाग के सहायक निदेशक मुकेश कुमार ने जिले के सतत विकास लक्ष्यों 2030 पर विभिन्न सूचकांकों के तहत किए गए प्रदर्शन एवं अर्जित अंकों की जानकारी साझा की। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर ब्रह्मलाल जाट ,मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुदर्शन सिंह तोमर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारी नियुक्त

करौली (नि.स.)। जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने जिले में 10 एवं 11 अगस्त को हुई भारी वर्षा के दौरान बाढ़ एवं जलभराव जैसी स्थिति में प्रभावित व्यक्तियों को सुरक्षात्मक दृष्टि से राजकीय विद्यालयों में ठहराने हेतु राबाउमावि पुरानी ट्रक यूनियन करौली,महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय गणेश गेट करौली एवम राउप्रावि नम्बर 7 केशवपुरा पुलिया करौली विद्यालयो का अधिग्रहण किया है एव विद्यालयों में अधिकारीयों व प्रधानाचार्यो की नियुक्ति कर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए है।

धूमधाम से मनाया 108 मीटर लंबा लहरिया महोत्सव

गंगापुर सिटी । मां इंदरगढ बिजासन सेवा समिति के तत्वाधान में इंदरगढ दरबार जिला बूंदी में रविवार को लहरिया महोत्सव में गंगापुर क्षेत्र के सैकडो भक्तों ने भाग लेकर माता रानी को ढोक लगाई। शनिवार रात्रि 10 बजे महारानी पैलेस में विशाल भगवती जागरण का आयोजन किया गया। माता रानी का दरबार सजाकर भगवती जागरण की शुरुआत हुई। क्षेत्र के सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा माता रानी की एक से एक भेंट सुना कर दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। जागरण प्रात: 4.30 बजे तक चला रविवार प्रात: 7 बजे माता रानी का चोला चढाकर सिंगार किया। इसके बाद प्रात: 8 बजे सैकडो भक्तों द्वारा माता रानी को 108 मीटर लंबा लहरिया हाथों में लेकर कतारवद् होकर ढोल नगाडे गाजे बाजे के साथ जयकारा लगाते हुए सभी भक्त माताजी के दर्शन के लिए रवाना हुए। सावन के महीने में मंदिर के रास्ते पर हरियाली की छटा और हरा रंग का लहरिया सैकडो भक्त लेकर नाचते गाते रवाना हुए तो मंदिर परिसर का समूचा क्षेत्र भक्तिभाव से गूंजायमान हो गया। माता रानी को 108 मीटर लंबा लहरिया चढाकर माता रानी के दर्शन कर क्षेत्र व परिवार की खुशहाली की कामना की। इस मौके पर समिति अध्यक्ष देवी चरण गर्ग, पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर, नगर परिषद सभापति शिवरतन अग्रवाल, पूर्व चेयरमैन सुरेश चंद सिंघल, वेद प्रकाश मंगल, डॉक्टर सीताराम, अनुराग गर्ग, कैलाश चंद, रघुनंदन करौली, अशोक करौली, रमेशचंद जीवद, राम अवतार, विजय गोयल, ब्रह्मानंद थैला वाले, आकाश गर्ग आदि सहित सैकडो महिला पुरुष बच्चे शामिल हुए।

अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

करौली (नि.स.)। अतिरिक्त जिला कलक्टर राजवीर सिंह चौधरी ने बताया की हर घर तिरंगा अभियान के संबंध मे स्वाधीनता दिवस की वर्षगांठ के अवसर पर जिले में हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन किया जायेगा।

जिसके अन्तर्गत आमजन को उनके परिसर में तिरंगा फहराये जाने एवं तिरंगे के साथ सेल्फी को पोर्टल पर अपलोड किये जाने हेतु प्रोत्साहित किया जाना है।

उन्हांने बताया कि इस अभियान के संबंध में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को जन प्रतिनिधियों,विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संगठनों एवं आमजन के सहयोग एवं सहभागिता से कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु आवश्यक निर्देश दिये।

प्रभारी सचिव ने जल भराव क्षेत्रो का निरीक्षण किया

करौली (नि.स.)। जिला प्रभारी सचिव आशुतोष एटी पेडनेकर ने सोमवार को करौली शहर के जल भराव क्षेत्रों जैसे राधेश्याम मैरिज गार्डन, गौशाला, पावर हाउस, रणगंवा ताल सहित अन्य जलभराव क्षेत्रों का निरीक्षण किया। जिला प्रभारी सचिव ने निरीक्षण के दौरान पावर हाउस में विद्युत विभाग के अधिकारियों को रिकोर्ड को सुरक्षित स्थान पर रखने, पानी की निकासी करने, रणगंवा ताल पर टुटी हुई पाल का भी निरीक्षण किया एवं इस संबंध में जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियन्ता को सुरक्षा के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये एवं मौके पर भेज कर अलर्ट रहने व सक्रिय रहकर कार्य करने के निर्देश दिये। जिला प्रभारी सचिव ने इसके पश्चात जल भराव से प्रभावित व्यक्तियों से राजकीय राबाउमावि ट्रक युनियन स्कुल में प्रभावित महिला-पुरूषों से मिले एवं उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने रसद विभाग के अधिकारियों को प्रभावित लोगों के भोजन-पेयजल एवं चिकित्सा संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े।

अधिकारी नियुक्त

करौली (नि.स.)। जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने जिले में 10 एवं 11 अगस्त को हुई भारी वर्षा के दौरान बाढ़ एवं जलभराव जैसी स्थिति में प्रभावित व्यक्तियों की सुरक्षात्मक दृष्टि से करौली शहर के जल भराव प्राभावित क्षेत्रो में अधिकारियो की नियुक्ति कर पानी की आवक पर नजर रखने,किसी अप्रिय घटना की स्थिती पर नागरिक सुरक्षा टीम से 07464-250135, टोल फ्री नंबर 1077 पर तुरन्त संपर्क करने, लोगो की आवाजाही पर भी नजर रखने सहित अन्य आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

हरियाली तीज महोत्सव मनाया

भरतपुर (निस)। अग्रवाल सेवा संस्थान रनजीत नगर का हरियाली तीज महोत्सव रनजीत नगर स्थित शहनाई मैरिज होम मे संस्था अध्यक्ष एस पी जिंदल की अध्यक्षता में एवं भरतपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ सुभाष गर्ग के मुख्य आतिथ्य में हुआ। भरतपुर जिला अग्रवाल महासभा के जिलाध्यक्ष सी. ए. अतुल मित्तल बतौर विशिष्ट अतिथि मोजूद रहे। उद्योगपति हरिश्चंद्र लाल गोयल, बृजेश अग्रवाल, नरेंद्र अग्रवाल, मोहन बंसल, ओम प्रकाश सिंघल, सुशांत सिंघल, राजकुमार तिलकधारी, विकास मित्तल ने भरतपुर जिला अग्रवाल महासभा के नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष सी. ए. अतुल मित्तल,महामंत्री मुकेश सिंघल कोषाध्यक्ष नवरत्न गर्ग सदस्य दीनदयाल गुप्ता, अमित गोयल का दुपट्टा माला पहनाकर स्वागत किया। डॉ अर्चना गुप्ता ने जजेज की भूमिका निभाई।

ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

धौलपुर। धौलपुर शहर की निहालगंज थाना पुलिस ने फर्जी बैंक बनाकर लोन का झांसा देकर लोगों से रूपये ठगी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी गो प्राईम माईक्रो केयर एसोशिएसन बघौरा उरई के नाम से बैंक संचालित करता था।

इसको गिरफ्तार करने में रेलवे पुलिस की भी अहम भूमिका रही है थाना प्रभारी ब्रजेंद्र सिंह ने बताया कि 8 अगस्त 2024 को देवकीनंदन पुत्र रामप्रकाश निवासी गंगथरा थाना रेंढर जिला जालौन यूपी द्वारा थाना निहालगंज धौलपुर में एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें पीड़ित ने बताया कि मेरे व्यवहारी रवि निवासी उरई जिला जालौन यूपी ने धौलपुर बस स्टेण्ड पर कहा कि ग्रो प्राईम माईक्रो केयर एसोशिएसन बघौरा उरई 10 हजार रुपये जमा करने पर एक लाख रुपये का लोन मिलने का विश्वास देकर कम्पनी में खाता खुलवाया।

उसके बाद उसकी पत्नी ने भी उसी खाते में रूपये जमा कर दिये। कुछ दिनो वह और उसकी पत्नी ने रवि व बैंक डायरेक्टर अनिल अग्निहोत्री से लोन के एक लाख रूपये मांगे तो पता चला कि रवि ग्रो प्राईम माईक्रो केयर एसोसिएसन बघौरा उरई व डायरेक्टर अमित ने मिलकर फर्जी बैंक बनाकर खाता खोलकर जाली पासबुक देकर ठगी की है।

थाना प्रभारी ने बताया कि दर्ज रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए मुखबिर की सूचना पर आरोपी अमित अग्निहोत्री पुत्र सुभाषचंद ब्राहम्ण उम्र 30 साल निवासी गंगानगर कॉलोनी थाना कादरीगेट जिला फर्रुखाबाद उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार किया है।

जिसे रेलवे स्टेशन के पास धौलपुर से आरपीएफ पुलिस के सहयोग से गिरफतार किया है। मामले को लेकर आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसने ग्रोप्राईम माईक्रो केयर ऐसोसिऐशन फाईनेन्स कम्पनी उरई जिला जालौन यूपी में खोली थी। जिसमें नुकसान चला गया और कम्पनी बंद कर दी।

आरोपी ने बताया कि कम्पनी में खोले गये खाता धारको को उनके रुपये नहीं चुका पाया। मामले में पुलिस की कार्रवाई जारी है।

संभागीय आयुक्त ने निरीक्षण किया

करौली (नि.स.)। संभागीय आयुक्त सावरमल वर्मा ने करौली शहर के जल भराव क्षेत्रो जैसे राधेश्याम मैरिज गार्डन,गौशाला,पावर हाउस सहित अन्य जभराव क्षेत्रो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जल भराव से प्रभावित व्यक्तियों से भोजन पेयजल सहित अन्य के बारे में चर्चा की और शीघ्र ही समस्याओं के समाधान के संबंध में अधिकारीयों को निर्देश दिये। इस दौरान आईजी भरतपुर राहुल प्रकाश,जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना,पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकर लाल मीणा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मौसमी बीमारियों से बचाव की जागरूकता के दिए निर्देश

करौली (नि.स.)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की आमजन तक सुचारू पहुंच की सुनिश्चितता के लिए सीएमएचओ डॉ. दिनेश चंद मीना ने एडपोस्ट डिस्पेंसरी कल्याणी,सब सेंटर अतेवा और सीएचसी कैलादेवी का औचक निरीक्षण कर मौसमी बीमारियों से बचाव और उपचार की व्यवस्थाओं का जायजा लिया वहीं एडपोस्ट डिस्पेंसरी एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर कल्याणी बंद मिलने पर कार्मिकों को नोटिस जारी किए। डॉ. मीना ने संस्थाओं पर पहुंच कर उपस्थिति पंजिका अनुसार कार्मिकों को मौजूदगी जांची और ओडीके एप के माध्यम से निरीक्षण दर्ज कराया। उन्होनें संस्था पर ओपीडी, आईपीडी, जांच, दवा की उपलब्धता सहित एनसीडी में कार्य की समीक्षा कर प्रगति के निर्देश प्रदान किये। सीएचसी कैलादेवी का निरीक्षण कर आयुष्मान केवाईसी और आभा आईडी बनाने के निर्देश प्रदान किये। उन्होंने संस्था पर डिलीवरी बढ़ाने, संस्था पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने एवं सब सेंटर अतेवा में एएनएम को लक्ष्य अनुरूप आभा आईडी बनाने, मरुधर ऐप डाउनलोड कर सर्वे करने और मौसमी बीमारियों की आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किये। इस दौरान डिप्टी सीएमएचओ डॉ. सतीशचंद मीना ने परिवार नियोजन के अस्थाई साधनों के वितरण पर जोर दिया।

रणगंवा ताल फूटने की सूचना असत्य

करौली(नि.स.)। जिला कलक्टर नीलाभ सक्सेना ने बताया कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर जिला कलक्टर के नाम से रणगंवा ताल फूटने की स्थिती में है इस तरह के भ्रामक व गलत अफवाह फैलाई जा रही है, जो कि जिला कलक्टर एवं जिला प्रशासन के द्वारा इस प्रकार की कोई भी सूचना प्रिंट, इलैक्ट्रॉनिक एवं सोशल मिडिया के किसी भी प्लेटफार्म पर प्रकाशित एवं प्रसारण नही किया गया है, प्रशासन इसका खण्डन करता है इस प्रकार की भा्रमक एवं असत्य खबर चलाने वालो के खिलाफ पुलिस के द्वारा सख्त कार्यवाही की जायेगी।

विद्यालयों में आज मंगलवार को अवकाश घोषित

करौली (नि.स.)। जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने जिले में हो रही अतिवृष्टि को देखते हुए जिले के समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में अध्यनरत छात्र-छात्राओं का 13 अगस्त को अवकाश घोषित किया है।

उन्होंने बताया कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षा एवं अन्य परीक्षाऐं अपने निर्धारित समयानुसार आयोजित होगी।

'जल भराव वाले क्षेत्रों में सर्वोच्च प्राथमिकता से बचाव व राहत कार्यों में लाए तेजी'

सवाई माधोपुर, । अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजस्थान भण्डार व्यवस्था निगम व जिला प्रभारी सचिव संदीप वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

प्रभारी सचिव ने सभी विभागों द्वारा समन्वय स्थापित कर प्रभावित क्षेत्रों में हर संभव त्वरित राहत पहुंचाने तथा बचाव-राहत कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जलभराव वाले क्षेत्रों का दौरा कर पानी निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने, प्रभावित क्षेत्रों में पानी, बिजली सहित बुनियादी सुविधाओं की शीघ्र बहाली करने के निर्देश दिए है। जल त्रास्दी के कारण मानवीय क्षित एवं पशु हानि की स्थिति में नियमानुसार मुआवजा दिलाने के निर्देश दिए है। उन्होंने जिला रसद अधिकारी बनवारी लाल शर्मा को निर्देशित किया कि सभी निजी व सरकारी वेयर हाउस का निरीक्षण कर क्षितग्रस्त होने से नुकसान होने की सम्भावना पर जल निकासी का उचित प्रबंध सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने भोजन, पेयजल, दवाइयों की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

उन्होंने क्षेत्र में मौजूदा बांधों, नहरों व एनीकटों की स्थिति की लगातार निगरानी करने, जिला नियंत्रण कक्ष की सक्रियता, जलभराव व जर्जर सरकारी भवनों, शिक्षण संस्थानों का चिन्हीकरण सहित आपदा की स्थिति में गौताखोर, सिविल डिफेन्स एवं उनके लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता के संबंध में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील स्थानों के चिन्हिकरण के साथ ही रेस्क्यू टीमें तैयार रखने एवं आपदा प्रबंधन से जुड़े समस्त प्रोटोकॉल की पूर्ण पालना के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिया एवं रपट पर पानी बहने पर समस्त वाहनों एवं पैदल जाने वालों का आवागमन रोक दिया जाए तथा खतरे वाले जल स्त्रोतों एवं पुलिया के दोनों तरफ चैतावनी बोर्ड लगवाने के निर्देश अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग हरिसिंह को प्रदान किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग एवं नगर परिषद के अधिकारी जल भराव सम्भावित क्षेत्रों में विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों एवं लाईब्रेरियों का संचालन बेसमेंट में नहीं हो यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को मोबाइल टीमें बनाने, क्लोरीन की टैबलेट एवं अन्य जीवन रक्षक दवाओं के साथ ही डेंगू एवं मलेरिया सहित अन्य मौसमी बीमारियों से निपटने के भी पूरे इंतजाम रखने तथा पशुपालन विभाग को पशुओं में फैलने वाली मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं चारे-पशु आहार आदि के लिए व्यवस्थाएं करने को कहा। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी को बारिश के मौसम में पानी की सेंपलिंग एवं क्लोरीनेशन करवाकर पेयजल की शुद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जन-जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से सुनिश्चित करें कि आमजन बारिश के दिनों में जल भराव क्षेत्र में ना जाए तथा बच्चों को भी तालाब, एनिकट, झरने, नदी-नालो से दूर रखें।

बैठक में जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव, पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता, अतिरिक्त जिला कलक्टर जगदीश आर्य, मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरिराम मीना, एसडीएम अनिल कुमार चौधरी, नगर परिषद आयुक्त फतेह सिंह, सहित आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

निरीक्षण किया

भरतपुर (निस)। शासन सचिव सहकारिता एवं जिला प्रभारी सचिव शुचि त्यागी ने सोमवार को बयाना उपखण्ड के गम्भीर नदी के तटीय इलाकों में बसे गांवों एवं जलभराव एवं अत्यधिक वर्षा से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान जिला कलक्टर डॉ अमित यादव, जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी भी साथ रहे।

जिला प्रभारी सचिव ने गंभीर नदी से सेवला हैड को पहुँचे पानी का निरीक्षण कर अजान बांध होते हुये घना अभ्यारण में पानी पहुंचाने की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने जल बहाव क्षेत्र के सभी गांवों में मुनादी करवाकर लोगों को बहाव क्षेत्र से दूर रहने तथा बच्चों, महिलाओं पशुधन को जल क्षेत्रों के आसपास नहीं जाने देने के पाबन्द करने के निर्देश दिये।

उन्होंने सेवला हैड पर अधिकारियों से विचार विमर्श कर पुलिस, स्थानीय पटवारी, ग्रामसेवकों को निरन्तर निगरानी रखते हुये आमजन को नदी के बहाव क्षेत्र से दूर रखने के निर्देश दिये। ग्रामीणों ने सेवला हैड पर वर्षों बाद पानी पहुँचने पर हर्षोल्लास के साथ प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को आश्वासन दिया कि जल बहाव क्षेत्र में बच्चों, महिलाओं एवं पशुधन को नहीं जाने दिया जायेगा। जिला प्रभारी सचिव ने अधिकारियों के साथ गंभीर नदी के तटीय क्षेत्रों में बसे गांवों, जलभराव क्षेत्रों के निरीक्षण की श्रंखला में ब्रम्हबाद, समोगर, कलसाडा में मौके पर जाकर गंभीर नदी में पानी की आवक का अवलोकन किया।

शहर में शनिवार को निकलेगी कावड़ यात्रा

गंगापुर सिटी । श्री शिव भक्त मण्डल के तत्वाधान में श्रावन मास की शनि प्रदोष शनिवार को धुंधेश्वर धाम से शिव भक्त कावड भर कर पंचायत समिति परिसर स्थित ममलेश्वर महादेव मंदिर में विराजित शिव पंचायत का जलाभिषेक करेंगे। भुवनेश गर्ग ने बताया कि शनिवार को सुबह 6 बजे सभी कावडिये पंचायत समिति परिसर से वाहनो के जरिए धूंधेश्वर धाम रवाना होगें। वहां पर कावड का पूजन किया जायेगा एवं सभी गाजे बाजे के साथ सवाईमाधोपुर रोड, उघाडमल बालाजी, मिर्जापुर ईदगाह होते हुए प्रथम विश्राम के लिए खण्डेलवाल धर्मशाला में पहुंचेंगे। जहां पर कावडियो को अल्पाहार करवाया जायेगा। इसके बाद सभी कावडिये डीजे, ढोल नगाडो व सजीव झांकियो के साथ बाबा भोलेनाथ के जयकार लगाते हुए कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना होगें। कावड यात्रा मार्ग खण्डेलवाल धर्मशाला से ट्रक यूनियन, बालाजी चौक होते हुए चौपड बाजार, खारी बजार, देवी स्टोर चौराहा होते हुए व्यापार मण्डल पुरानी अनाज मण्डी होते हुए पंचायत समिति मंदिर परिसर स्थित ममलेश्वर महादेव मंदिर पर पहुंचेंगे। तैयारियो को लेकर श्री शिव भक्त मण्डल के कार्यकर्ता की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें कूपन बाटने की तारीख, ड्रेस वितरण एवं यात्रा मार्ग की तेयारियो को लेकर चर्चा की गई। बैठक में सर्व सम्मति से सभी शिव भक्तो से 15 अगस्त तक कूपन प्राप्त करने की अपील की है। कूपन मण्डल के किसी भी कार्यकर्ता से प्राप्त किए जा सकते है। शिव भक्त कावड यात्रा के कूपन कटवाने के लिए आयुष बजाज 7597598805, भुवनेश अशोक चक्की, नर्सिंग कॉलोनी 9057255216, जिया मेडिकल स्टोर, बाटोदा पुष्पेंद्र सिंह तोमर 9772696113 कृतिका होम्यो क्लिनिक, पंचायत समिति के सामने 9460803734, रिजुल गर्ग हीरा लाल की मील 85०5०91475, वेदप्रकाश गुप्ता वैध कॉलोनी 7615981010, बंसल बेग स्टोर नया बाजार 7023019828, मंगल फर्नीचर कचहरी रोड 7014910752, कश्यप ईमित्र, फव्वारा चौक 8384956950, गौरव एंटरप्राइजेज, पुरानी अनाज मंडी 9610704900, आकाश शर्मा (हनी) गाँव चूली 9887187001 से प्राप्त कर सकते है।

■ शनिवार को धुंधेश्वर धाम से शिव भक्त कावड भर कर पंचायत समिति परिसर स्थित ममलेश्वर महादेव मंदिर में विराजित शिव पंचायत का जलाभिषेक करेंगे।

शमी से इसे लेकर बातचीत होनी चाहिए। कोशिश होनी चाहिए की वह अगले 3-4 साल खेलें। ऐसा करने के लिए रास्त बनाना होगा। इसे लेकर उनसे बातचीत होनी चाहिए।

- पारस महाम्ब

पूर्व भारतीय गेंदबाजी कोच, मोहम्मद शमी के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा इन दिनों काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वह लगातार गेंदबाजों को परेशान कर रहे हैं। रोहित अपने इस इरादे में सफल भी रहे हैं और उनकी इस तरह की बल्लेबाजी से भारतीय टीम को तेज शुरुआत भी मिल रही है। वहीं वनडे वर्ल्ड कप 2023 की बात करें या फिर टी20 वर्ल्ड कप 2024 की या फिर उसके बाद श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज की। रोहित ने हर जगह गेंदबाजों को अपनी बल्लेबाजी से परेशान किया। इसके दम पर वो अन्य भारतीय बल्लेबाजों के मुकाबले ज्यादा सफल भी रहे।

क्या आप जानते हैं ?... विश्वकप फुटबाल में पहली हैट्रिक करने का श्रेय फीफा अमेरिका के ब्रेट्रेम को जाता है, वहीं कुछ लोग अर्जेंटीना के गुलिरेमा स्टे विल को यह सम्मान देते हैं।

रंग-बिरंगी आतिशबाजी के बीच पेरिस ओलंपिक का समापन

बुझाई गई मशाल, हैंडओवर हुआ ओलंपिक फ्लैग

पेरिस, 12 अगस्त। 33वें ओलंपिक का समापन हो गया। फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित हुए इन खेलों ने पूरी दुनिया को एंटरटेन किया। अभूतपूर्व और रंगारंग कार्यक्रम के बीच विश्व में खेलों के सबसे बड़े महाकुंभ का जब समापन हुआ तो पेरिस ओलंपिक 2024 कमेटी के अध्य टोनी एस्टांगुएट ने अपनी स्पीच में कहा कि वह ओलंपिक खेलों का समापन हीं है, ये केवल उद्घाघटन समारोह की समाप्ति है और विश्राम है, बल्कि खेलों को तो अनवरत होते रहना है। तीन घंटे तक चले इस समारोह की शुरुआत एक फ्रेंच गीत से हुई थी। स्टेड डी फ्रांस स्टेडियम ऑफ नेशंस के बाद बेल्जियम की पॉप सिंगर एंजेले वान वीक ने परफॉर्म किया।

इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के गोल्डन वॉयजर बैंड ने ओलंपिक की खोज दिखाई, इशमें थॉमस जॉली ने डायरेक्ट किया था। इसके बाद पांच बार की ग्रैमी अवॉर्ड जीतने वाली गैब्रिएला सरमिएंटो विल्सन ने अमेरिका का नेशनल एंथम गाया। स्टेड डी फ्रांस से टॉम क्रूज ने स्टंट दिखाते हुए ओलंपिक ध्वस को लॉस एंजिलिस ले गए। वहां, पॉप गायिका बिलि एलिश, रैपर स्नूप डॉग और डॉक्टर ड्रे ने परफॉर्म किया। इस तरह मशाल बुझाकर 33वें ओलंपिक का समापन हुआ।

ओलंपिक फ्लैग हैंडओवर के बाद अमेरिकी नेशनल एंथम गाया गया। इसके बाद हॉलीवुड स्टार टॉम क्रूज की स्टेडियम में एंट्री हुई। वो अपनी बाइक पर ओलंपिक फ्लैग लेकर गए। उन्होंने अपनी बाइक को चार्टर्ड फ्लाइट में रखा। फिर हवा में डाइव लगाते हुए पैराशूट लैंडिंग के जरिए जमीन पर आए। यहां से उन्होंने साइकिल के जरिए ओलंपिक फ्लैग को अपनी जगह लॉस एंजिल्स के लिए भेजा, हॉलीवुड में अगले ओलंपिक की मेजबानी मिलने का जश्न मनाया गया। लोकप्रिय रॉक बैंड रेड हॉट चिली पेपर्स ने अपने हिट गाने कैन्ट स्टॉप से समा बांध दिया।

भारतीय मुक्केबाजों से ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी

नई दिल्ली, 12 अगस्त। निकहत ज़रीन और लवलीना बोरगोहेन जैसे मौजूदा विश्व चैंपियन खिलाड़ियों के बावजूद भारतीय मुक्केबाज पेरिस ओलंपिक में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए और उन्हें बिना पदक के वापस लौटना पड़ा। विजेंदर सिंह के बीजिंग ओलंपिक 2008 में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय मुक्केबाजों से ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जाने लगी थी।

इसके चार साल बाद एमसी मैरी कॉम ने लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। रियो ओलंपिक 2016 में भारतीय मुक्केबाज पदक नहीं जीत पाए लेकिन तोक्यो ओलंपिक में लवलीना कांस्य पदक हासिल करने में सफल रही थी। इस परिदृश्य में उम्मीद की जा रही थी कि

भारतीय मुक्केबाज पदक जीतने का सिलसिला जारी रखेंगे लेकिन उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

खेल केजानकारों का मानना था कि क्वालीफाई करने वाले छह मुक्केबाजों से दो नहीं तो कम से कम एक पदक की उम्मीद की जा सकती है। दो बार की विश्व चैंपियन जरीन (50 किग्रा), लवलीना (75 किग्रा) और विश्व चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता निशांत देव (71 किग्रा)सभी को पोडियम पर पहुंचने का मजबूत दावेदार माना जा रहा था। लेकिन जब वास्तविक प्रतिस्पर्धा की बात आई तो भारतीय खिलाड़ियों में आवश्यक गति की कमी नजर आई। निशांत को अपवाद माना जा सकता है।

क्योंकि क्वार्टर फाइनल में विवादास्पद परिणाम के कारण वह पदक से वंचित हो गए। जहां तक जरीन और लवलीना का सवाल है तो वह अपनी मजबूत प्रतिद्वंदियोंके सामने संघर्ष करती हुई नजर आई। अमित पंघाल (51 किग्रा) अपनी पिछली फॉर्म को दिखाने में नाकाम रहे। लवलीना, पंघाल और निशांत को पदक सुरक्षित करने के लिए सिर्फ दो जीत की जरूरत थी।

दमदार प्रदर्शन का इरादा, भारतीय यूथ महिला हैंडबॉल टीम वर्ल्ड चैम्पियनशिप के लिये चीन पहुंची

टीम में राजस्थान की टीना, मुस्कान व मनीषा भारतीय टीम की कोच होगी प्रदेश की मनीषा

जयपुर, 12 अगस्त। चुझोउ (चीन) में 14 से 25 अगस्त तक होनी वाली यूथ महिला हैंडबॉल वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिये भारतीय यूथ महिला हैंडबॉल टीम ने क्वालीफाई किया है। वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लेने वाली भारतीय टीम में राजस्थान की टीना, मुस्कान व मनीषा जाट चयन हुआ है। टीम की कोच राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की हैंडबॉल कोच मनीषा राठौड़ को बनाया गया है। इस चैंपियनशिप में भाग लेने के लिये भारतीय टीम सोमवार को चीन पहुँच गयी।

राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि भारतीय टीम में राजस्थान से शामिल टीना, मुस्कान तथा मनीषा जाट राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् द्वारा जयपुर में संचालित महिला हैंडबॉल अकादमी की खिलाड़ी हैं। इनमें टीना पीवट की पोजीशन पर, मुस्कान लेफ्ट बैक और मनीषा जाट राइट बैक की पोजीशन पर खेलती है।

रवानगी से पूर्व भारतीय टीम को इस चैंपियनशिप के लिए रवानगी से पूर्व भारतीय टीम को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के सुपुत्र हरीश नड्डा, हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय व महासचिव डा. तेजराज सिंह ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव डा. तेजराज सिंह ने बताया कि भारतीय टीम की कप्तान हिमाचल प्रदेश की खुशी व उपकप्तान भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की सुजाता को बनाया गया है।

उन्होंने बताया कि इस चैंपियनशिप की तैयारी के लिए भारतीय टीम का प्रशिक्षण शिविर गत 31 जुलाई से 10 अगस्त, 2024 तक भारतीय खेल प्राधिकरण एनसीओई- गांधीनगर (गुजरात) में लगाया गया था। इस चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम के कोच एम.कार्तिकेयन (साई, एनसीओई गांधीनगर), सचिन चौधरी (रेलवे) व मनीषा राठौड़ (राजस्थान) बनाए गए हैं।

भारतीय टीम :- गोलकीपर : आरुषी, कनिका (हिमाचल प्रदेश), लवीषा (चंडीगढ़), राइट बैक :- रेणुका (हरियाणा), मुस्कान देवी (हिमाचल प्रदेश), मनीषा जाट (राजस्थान) सेंटर बैक :-सुजाता - उपकप्तान (साई), खुशी - कप्तान (हिमाचल प्रदेश)। लेफ्ट बैक :- काजल (हिमाचल प्रदेश), मुस्कान (राजस्थान), अनिका (हरियाणा)। राइट विंग :-काफी (हरियाणा), ईशू (साई)। पिवोट :-वैष्णवी (गोल्डन ईगल अकादमी, उत्तर प्रदेश), टीना (राजस्थान), तन्नु (साई)। लेफ्ट विंग :- तमन्ना (साई), पूजा (गोल्डन ईगल अकादमी, उत्तर प्रदेश)।

दलीप ट्रॉफी पहले दौर का मैच बेंगलुरू में

अश्विन और बुमराह को छोड़कर सभी सितारे खेलेंगे

बेंगलुरू, 12 अगस्त। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और सीनियर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को छोड़कर भारत के कुछ नियमित स्टार दलीप ट्रॉफी के पहले दौर में खेलेंगे जिसे बीसीसीआई ने अनंतपुर की जगह बेंगलुरू में कराने का फैसला किया है। सीनियर बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को छूट दी जा सकती है। टूर्नामेंट में भाग लेने का फैसला पूरी तरह से उन पर छोड़ा जायेगा। दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के दो सेट के मैच आंध्रप्रदेश के अनंतपुर में पांच सितंबर से होने थे लेकिन अब उनमें से एक को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कराया जायेगा ताकि लॉजिस्टिक की समस्या नहीं आये। अनंतपुर बेंगलुरू से 230 किलोमीटर दूर है और हवाई मार्ग से जुड़ा हुआ भी नहीं है। एक सूत्र ने बताया ,'' कुछ शीर्ष खिलाड़ियों की सुविधा के लिये यह फैसला लिया गया है ताकि उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले लाल गेंद के क्रिकेट का अनुभव हो जाये।''

गोल्ड मेडलिस्ट अरशद नदीम का पाक में जोरदार स्वागत

नई दिल्ली, 12 अगस्त। पाकिस्तान के गोल्ड मेडलिस्ट अरशद नदीम पेरिस ओलंपिक 2024 से अपने वतन लौट चुके हैं। जहां उनका एयरपोर्ट पर गर्मजोशी के साथ स्वागत हुआ। पेरिस ओलंपिक में अरशद नदीम ने 92.97 मीटर की दूरी पर भाला फेंकर गोल्ड मेडल जीता। इस थ्रो के कारण भारतीय जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को दूसरा स्थान मिला था। ओलंपिक गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचने वाले अरशद नदीम अपने घर लौट आए हैं। पाकिस्तान की तरफ से अरशद नदीम पर नकद पुरस्कार की बारिश हो रही है। लेकिन उनके ससुर ने इस बीच रिकॉर्डधारी थ्रोअर को उपहार में भैंस देकर सुर्खियां बटोरी हैं। बता दें कि, नदीम के गांव से ससुर मोहम्मद नवाज ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उनके गांव

में भैंस उपहार में देने का मतलब काफी मूल्यवान और सम्मानीय होता है। नदीम अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं और सफलता हासिल करने के बावजूद वह अपने गांव में अपने परिवार के साथ ही रह रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका बनाम विंडीज पहला टेस्ट मैच ड्रॉ

पोर्ट ऑफ स्पेन, 12 अगस्त। ऐलेक ऐथनेज की (92) रनों की जुझारु पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में पांच विकेट पर 201 रन बनाकर दक्षिण के साथ खेले गये पहले टेस्ट मैच को ड्रा करा दिया। दक्षिण अफ्रीका ने पांचवें दिन दूसरी पारी को तीन विकेट पर 173 रन पर पारी घोषित कर वेस्टइंडीज को जीत के लिए 298 रनों का लक्ष्य दिया। जिसके जवाब में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और एक समय उसने 64 रन पर अपने तीन विकेट गवां दिये थे। ऐसा लग रहा था दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज केशव महाराज वेस्टइंडीज की दूसरी पारी को जल्द ही समेट देंगे। कप्तान क्रेग ब्रैथवेट(शून्य), मिकाइल लुईस (9) रन बनाकर आउट हुये। ऐसे संकट के समय ऐलेक ऐथनेज ने पहले केसी कार्टी के साथ मिलकर चौथे विकेट लिये 63 रनों की साझेदारी की। केसी कार्टी (31) और उसके बाद केवम हॉज (29) रन बनाकर आउट हुये। ऐलेक ऐथनेज ने 92 रनों की जुझारू पारी खेली। जेसन होल्डर (31) रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज ने 56.2 ओवर में पांच विकेट पर 201 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका की ओर से केशव महाराज ने चार विकेट लिये। कगिसो रबाडा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 30 रन से आगे खेलना शुरु किया। टोनी डीजॉर्जी 45 रन एवं एडन मारक्रम 38 रन बनाकर आउट हुये। दोनों ही बल्लेबाजों को जोमेल वारिकन ने आउट किया। ट्रिस्टन स्टब्स ने 68 रनों की शानदार पारी खेली। उन्हें केमार रोच ने बोल्ड आउट किया। स्टब्स के आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने तीन विकेट पर 173 रन पर पारी घोषित कर दी। और वेस्टइंडीज को पहली पारी की 124 रनों की बढ़त और दूसरी के 173 रनों के आधार पर जीत के लिए 298 रनों का लक्ष्य दिया। वेस्टइंडीज की ओर से जोमेल वारिकन ने दो विकेट लिये। वहीं केमार रोच ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज और कगिसो रबाडा ने बेहतरीन गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए वेस्टइंडीज को पहली पारी में 233 रन पर समेट दिया था। दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी के आधार पर 124 रनों की बढ़त मिली गई थी। वेस्टइंडीज के कप्तान क्रेग ब्रैथवेट और मिकाइल लुईस ने पारी की अच्छी शुरुआत की थी। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिये 53 रन जोड़े। लेकिन दक्षिण अफ्रीकी बेहतरीन गेंदबाजी के आगे वेस्टइंडीज का कोई भी बल्लेबाज पिच पर अधिक तक नहीं टिक सका। मिकाइल लुईस (35), क्रेग ब्रैथवेट (35), जेसन होल्डर (36), केवम हॉज (25) रन बनाकर आउट हुये। केसी कार्टी ने टीम के सर्वाधिक (42) रनों की पारी खेली। जोमेल वारिकन (35) रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका की ओर से केशव महाराज ने चार विकेट लिये। कगिसो रबाडा को तीन विकेट तीन विकेट मिले। लुंगी एन्गिडी और एडन मारक्रम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान तेम्बा बवूता (86), टोनी डीजॉर्जी के (78) अद्धर्शतको और काइल वेरेन के 39 रन एवं वियान मुल्डर के नाबाद 41 रनों की उपयोगी पारियों की बदौलत 357 रनों का स्कोर खड़ा किया। वेस्ट इंडीज की ओर गेंदबाजी करते हुए जोमेल वारिकन ने सबसे ज्यादा चार विकेट हासिल किए जबकि जेडेन सील्स ने तीन, केमार रोच ने दो तथा जेसन होल्डर ने एक विकेट लिया।

नीरज चोपड़ा के मनु भाकर की मां ने दी कसम, कहा-

मेरी बेटी की तरह गेम छोड़ने की मत सोचना, आप में बहुत खेल बाकी

पानीपत,12 अगस्त। पेरिस ओलंपिक 2024 का समापन हो चुका है। भारत ने इस ओलंपिक में महज 6 मेडल जीते हैं, जिनमें से एक सिल्वर तो 5 ब्रॉन्ज मेडल हैं। वहीं नीरज चोपड़ा ने जैवलिन थ्रो में सिल्वर मेडल जीता वह गोल्ड मेडल से पाकिस्तान के अरशद नदीम से पिछड़ गए। वहीं मनु भाकर ने दो ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा। वहीं इस बीच मनु भाकर की मां सुमेधा भाकर ने पेरिस में नीरज से मुलाकात की। जिसका वीडियो सोशल

मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। साथ ही फैंस ने मनु और नीरज के बीच तरह-तरह के कयास लगाने शुरू कर दिए। वायरल वीडियो में मनु की मां नीरज चोपड़ा से बात करते हुए नजर आ रही हैं उसके बाद वो नीरज का हाथ पकड़ती हैं और अपने सिर पर रखकर कसम खाने के लिए कहती है। चर्चा है कि मनु की मां ने कहा कि आप खेलना मत छोडना । अभी बहुत खेल बाकी है आपके। दोनों के बीच काफी देर बातचीत हुई। जिससे लोगों ने कयासबाजी शुरू कर दी। जहां कुछ फैंस का कहना था कि मनु की मां बेटी के लिए अच्छा रिश्ता ढूंढ रही हैं।

दिग्गज क्रिकेटर ग्राहम थोर्प ने आत्महत्या की : अमांडा

लंदन, 12 अगस्त। लंबे समय से अवसाद और चिंता से जूझ इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्राहम थोर्प ने आत्महत्या की थी। यह जानकारी थोर्प के परिवार ने एक साक्षात्कार में साझा की है। ग्राहम थोर्प की पत्नी अमांडा ने माइकल एथरटन को द टाइम्स से बातचीत में बताया है कि वो लंबे समय से डिप्रेशन से जूझ रहे थे और अवसाद के कारण उन्होंने आत्महत्या की थी। उन्होंने बताया कि वह अफगानिस्तान के मुख्य कोच के रूप में काम कर रहे थे। लेकिन मई 2022 में अपनी जान लेने के पिछले प्रयास के बाद उन्हें अस्पताल में रखा गया था। थार्प की तबीयत में सुधार हो रहा था। लेकिन, बीच-बीच में वो गहरे अवसाद में भी चले जा रहे थे। हमने एक परिवार के रूप में उनका समर्थन किया और इलाज का पूरा प्रयास। लेकिन दुर्भाग्य से उनमें से कोई भी वास्तव में काम नहीं कर रहा था। उन्हें वास्तव लगता था कि उनके बिना हम बेहतर रहेंगे और हम इस बात से बहुत दुखी हैं कि उन्होंने इस पर काम किया और अपनी जान ले ली।

ग्राहम सबसे बड़ी बेटी किट्टी ने कहा, हमें इसके बारे में बात करने में कोई शर्म नहीं। इसमें छिपाने जैसा कुछ भी नहीं है और यह कोई कलंक नहीं। अब समय आ गया है कि हम यह खबर साझा करें, चाहे यह कितनी भी भयानक क्यों न हो। वो जीवन से प्यार करते थे और हमसे भी प्यार करते थे। लेकिन उन्हें कोई रास्ता नहीं सूझ रहा था। वह पहले जैसा व्यक्ति नहीं रहे थे। बाएं हाथ के बल्लेबाज थोर्प ने इंग्लैंड के लिए 100 टेस्ट मैच और 82 एकदिवसीय खेले थे और नौ हजार से अधिक रन बनाए थे। इसमें 16 टेस्ट शतक शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने 55वर्षीय ग्राहम थोर्प के पांच अगस्त को निधन होने की जानकारी दी थी। तब ये पता नहीं चल सका था कि उनकी मौत किस वजह से हुई है।

प्रज्ञानानंदा को मिला-जुला ड्रॉ

नई दिल्ली, 12 अगस्त। आर प्रज्ञानानंदा को सेंट लुई रेपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट में मिला-जुला ड्रॉ मिला है और यह भारतीय ग्रैंडमास्टर यहां अपने अभियान की शुरुआत काले मोहरों से अमेरिका के लेवोन अरोनियन के खिलाफ करेगा। प्रज्ञानानंदा को मैक्सिम वाचियेर-लाठोव और अलीरेजा फिरोजा की फ्रांसीसी जोड़ी, ग्रैंड शतरंज टूर में शीर्ष पर चल रहे अमेरिका के फाबियानो कारुआना और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसोत्तोरोव खिलाफ सफेद मोहरों से खेलना है जिससे उनके पास टूर पर अपनी वर्तमान तीसरी रैंकिंग से सुधार करने का अच्छा अवसर है। साल के शुरुआती हिस्से में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद प्रज्ञानानंदा बील मास्टर्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए और कुछ महत्वपूर्ण रेटिंग अंक गंवाकर विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 से बाहर हो गए। तेजी से वापसी करने वाले खिलाड़ी के रूप में जाने जाने वाले 19 साल के प्रज्ञानानंद को उम्मीद है कि वह अपनी गलतियों को सुधारेंगे और यहां आखिरी दो प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

विद्युत जामवाल ने नेशनल मार्शल आर्ट्स चैम्पियनशिप के प्रतिभागियों को किया प्रोत्साहित

नई दिल्ली, 12 अगस्त। अभिनेता विद्युत जामवाल ने आज नेशनल मार्शल आर्ट्स चैंपियनशिप के समापन समारोह में 16 राज्यों से आये एक हजार से अधिक प्रतिभागियों ने प्रोत्साहित किया।

तालकटोरा स्टेडियम में यूनाइटेड वर्ल्ड मार्शल आर्ट्स फेडरेशन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय नेशनल मार्शल आर्ट्स चैंपियनशिप 2024 के सोमवार को हुये समापन समारोह में ताइक्वांडो की वेशभूषा में पहुंचे अभिनेता विद्युत जामवाल ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। तीन दिनों तक चली इस चैंपियनशिप में कराटे, ताइक्वांडो, गटका, लाठी खेल और जूडो प्रतियोगिता में 16 राज्यों के एक हजार से अधिक प्रतिभागियों ने अपने प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस चैंपियनशिप में 240 से अधिक श्रेणियों में सात विभिन्न विधाओं की प्रतिस्पर्धा का आयोजन हुआ, जिनमें कराटे, ताइक्वांडो, गटका, लाठी खेल, और जूडो शामिल थे। इस कार्यक्रम ने भारत की समृद्ध मार्शल आर्ट्स परंपरा को भी प्रदर्शित किया, जिसमें तमिलनाडु की सिलंबम और पंजाब की गटका जैसी पारंपरिक विधाओं को प्रमुखता से पेश किया गया। नेशनल मार्शल आर्ट्स चैंपियनशिप 2024 ने न केवल असाधारण प्रतिभाओं को सामने लाया बल्कि भविष्य के मार्शल आर्टिस्टों को प्रेरित करने का भी महत्वपूर्ण कार्य किया।

रोहित आराम से अगले दो साल जबकि विराट पांच साल तक खेल सकते है : हरभजन

नई दिल्ली, 12 अगस्त। भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर खिलाड़ी हरभजन सिंह का मानना है कि विराट कोहली अपनी बेहतरीन फिटनेस के साथ अगले पांच साल तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के व्यस्त कैलेंडर से आसानी से तालमेल बैठा सकते हैं जबकि टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान रोहित शर्मा भी आराम से अगले दो साल तक खेल सकते हैं। हरभजन ने 'पीटीआई-वीडियो को दिये विशेष साक्षात्कार में कहा, ''रोहित आसानी से दो साल और खेल सकते हैं। आप विराट

कोहली की फिटनेस की तुलना किसी और से नहीं कर सकते हैं। आप उन्हें आसानी से पांच साल तक खेलते हुए देख सकते हैं। वह शायद टीम में सबसे फिट खिलाड़ी हैं।'' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 700 से अधिक विकेट लेने वाले इस पूर्व ऑफ स्पिनर ने कहा, '' आप किसी भी 19 साल के युवा को फिटनेस के मामले में विराट को टक्कर देने के लिए कह सकते हैं और विराट उसे हरा देंगे। वह इतने फिट है। मेरा मानना है कि विराट और रोहित में अभी काफी क्रिकेट बाकी है और यह पूरी तरह उन पर निर्भर है कि वे कब तक खेलना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, '' ये दोनों अगर फिट रहे और अपने प्रदर्शन से टीम की जीत में योगदान देते रहे तो उन्हें खेलना जारी रखना चाहिए।''

हरभजन का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट एक ऐसा प्रारूप है जहां टीम को इन दोनों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, '' लाल गेंद प्रारूप में आपको वास्तव में इन दोनों खिलाड़ियों की ज़रूरत है। आपको सभी प्रारूपों में अनुभव की आवश्यकता है चाहे वह सीमित ओवरों का क्रिकेट हो या टेस्ट क्रिकेट। आपको आने वाली प्रतिभा को निखारने के लिए अनुभवी क्रिकेटरों की जरूरत है।'' हरभजन ने साथ ही यह भी कहा कि अगर कोई खिलाड़ी लगातार प्रदर्शन नहीं कर रहा है तो उसे टीम से बाहर करना चाहिये। उन्होंने कहा, '' चयनकर्ताओं को यह देखने की जरूरत है कि कौन सा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है।

हॉकी महिला अकादमी चैम्पियनशिप : ओडिशा नवल टाटा ने जीता हॉकी इंडिया जूनियर महिला अकादमी चैम्पियनशिप का खिताब

नई दिल्ली, 12 अगस्त। ओडिशा नवल टाटा हॉकी हाई परफॉरमेंस सेंटर ने सोमवार को फाइनल मुकाबले में राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी को पेनल्टी शूटआउट में हराकर महिला वर्ग का खिताब जीता। वहीं पुरुष वर्ग के क्वार्टर फाइनल में राउंडग्लास पंजाब ने सेल हॉकी अकादमी को 4-1 तथा नामधारी एकादश ने घुम्मनहेड़ा राइजर अकादमी को 6-1 से हराया।

आज यहां खेले गये फाइनल ओडिशा नवल टाटा हॉकी हाई परफॉरमेंस केन्द्र और राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी का मुकाबला निर्धारित समय पर 2-2 की बराबरी पर छूटा। उसके बाद हुये पेनल्टी शूटआउट में ओडिशा ने पंजाब को हराकर महिला वर्ग का खिताब अपने नाम किया।

ओडिशा नवल टाटा हॉकी हाई परफॉरमेंस सेंटर के लिए प्रभजोत कौर ने (34वें मिनट) और सुरेखा बहाला ने (54वें मिनट) ने गोल किए, जबकि राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी की ओर से रूबी ने (14वें मिनट) और रिबका ने (45वें मिनट) ने गोल दागे। शूटआउट में चेतना रानी दास ने दो गोल किए, प्रभजोत कौर, अनंदिता टोप्पो और पटेल प्रज्ञा ने भी एक-एक गोल किए। वहीं राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी के लिए नमनीत कौर और नेहा ने गोल दागे।

महिला वर्ग में तीसरे/चौथे स्थान के लिए हुए मुकाबले में घुमनहेड़ा राइजर्स अकादमी ने सैल्यूट हॉकी अकादमी को 5-1 से हराया। घुमनहेड़ा राइजर्स अकादमी के लिए प्रिया ने (दूसरे, 27वें, 51वें मिनट), शशि कुमारी ने (53वें मिनट) और वंशिका ने (60वें मिनट) ने गोल किए, जबकि सैल्यूट हॉकी अकादमी के लिए दीपिका ने (10वें मिनट) ने एकमात्र गोल किया।

मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में पुरुष वर्ग के क्वार्टर फाइनल में राउंडग्लास पंजाब ने सेल हॉकी अकादमी को 4-1 जबकि नामधारी एकादश ने घुम्मनहेड़ा राइजर अकादमी को 6-1 से हराया। राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी के लिए जपनीत सिंह ने (15वें मिनट), सनी ने (34वें मिनट), गुरसेवक सिंह ने (36वें मिनट) और अमनदीप ने (54वें मिनट) में गोल दागे, जबकि सेल हॉकी अकादमी के लिए पवन लाकड़ा ने (सातवें मिनट) ने एकमात्र गोल किया।

दिन के दूसरे मुकाबले में नामधारी इलेवन ने घुमनहेड़ा राइजर्स अकादमी को 6-1 से हराया। नामधारी इलेवन के लिए नवराज सिंह ने (छठें, 23वें, 42वें, 52वें मिनट), गुरमन सिंह ने (12वें मिनट) और अश्वनी ने (20वें मिनट) में गोल किए, जबकि घुमनहेड़ा राइजर्स अकादमी के लिए निशांत ने (43वें मिनट) ने एकमात्र गोल किया।

पवित्र माह श्रावण मास के चौथे सोमवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री आवास परिसर में स्थित शिव मंदिर में भगवान महादेव की विधिवत् पूजा- अर्चना कर प्रदेशवासियों के मंगल व खुशहाल जीवन की कामना की।

मनीष सिसोदिया की तरह केजरीवाल की भी रिहाई होगी?

दिल्ली आबकारी नीति मामले में केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने शीघ्र सुनवाई के संकेत दिये

- **सुप्रीम कोर्ट ने मामले की पैरवी कर रहे वकील अभिषेक मनु सिंघवी को संबंधित मामले के संबंध में ईमेल भेजने के लिए कहा है।**
- **अगर ऐन मौके पर सी.बी.आई. की ओर से प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाती तो केजरीवाल अब तक जेल से रिहा कर दिये गये होते। शीर्ष अदालत ने मनी लॉण्डरिंग के मामले में एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट की ओर से दर्ज मुकदमे में केजरीवाल को 12 जुलाई को अंतरिम जमानत दे दी थी।**

नयी दिल्ली, 12 अगस्त (वार्ता) उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से गिरफ्तारी की वैधता को चुनौती देने वाली उनकी (मुख्यमंत्री) याचिका पर शीघ्र सुनवाई का सोमवार को संकेत दिया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने विचार करने का संकेत देते हुये वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी और चंद्र उदय सिंह से मामले से संबंधित एक अनुरोध ईमेल के जरिये भेजने को कहा। दोनों अधिवक्ताओं ने विशेष उल्लेख के दौरान केजरीवाल का पक्ष रखते हुये उनकी याचिका को तत्काल सूचीबद्ध का अनुरोध किया था।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने केजरीवाल के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज मुकदमा रद्द करने और जमानत के लिये दायर उनकी याचिकायें पांच अगस्त को खारिज कर दी थी।

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की एकल पीठ ने अपना आदेश सुनाते हुये कहा था कि सीबीआई के पास केजरीवाल को गिरफ्तार करने का पर्याप्त कानूनी आधार था।

न्यायमूर्ति कृष्णा ने कहा था, यह नहीं कहा जा सकता कि गिरफ्तारी बिना किसी न्यायोचित कारण के की गयी। उच्च न्यायालय ने तब गुण-दोष के आधार पर इस मामले में कोई निर्णय लेने से इनकार कर दिया, लेकिन निचली अदालत का दरवाजा खटखटाने की छूट दी थी एकल पीठ ने जमानत याचिका पर कहा था कि याचिकाकर्ता को निचली अदालत जाने की छूट है। एकल पीठ के समक्ष सीबीआई के एसपीपी रिपीट एसपीपी डी पी सिंह ने दलील देते हुए कहा था कि आरोपी केजरीवाल भ्रष्टाचार के इस मामले सूत्रधार हैं और उनके खिलाफ इस मामले में स्पष्ट सबूत हैं। ईडी ने 21 मार्च और सीबीआई में 26 जून 2024 को आरोपी मुख्यमंत्री केजरीवाल को गिरफ्तार किया था।

सीबीआई ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुकदमे में मार्च से न्यायिक हिरासत में बंद आरोपी मुख्यमंत्री केजरीवाल को अदालत की अनुमति के बाद 25 जून को पूछताछ और फिर 26 जून को गिरफ्तार किया था।

आरक्षरण कोटे में कोटा के फैसले को लागू नहीं करेगी सरकार

गत 9 अगस्त को हुई कैबिनेट मीटिंग में ही प्र.मंत्री मोदी ने इस बारे में फैसले ले लिया था

- **कांग्रेस के दो मुख्यमंत्रियों ने खुलकर सुप्रीम कोर्ट फैसले का स्वागत किया था। लेकिन दलित नेताओं ने शुरू में ही अपना रुख स्पष्ट कर दिया था कि वो इस फैसले के साथ नहीं हैं।**

नई दिल्ली, 12 अगस्त। अगस्त महीने के पहले ही दिन सुप्रीम कोर्ट ने एस.सी-एस.टी. के कोटे में विभाजन को स्वीकार करके देश में दलित राजनीति पर सरगर्मियां बढ़ा दी थीं। कांग्रेस के दो मुख्यमंत्रियों ने खुलकर इस फैसले का स्वागत किया। पर दलित नेताओं ने शुरू में ही अपना रुख क्लियर कर दिया था कि वो इस फैसले के साथ नहीं हैं।

बीएसपी प्रमुख मायावती से लेकर लोजपा (रामविलास) तक सभी दलित नेता इस फैसले के विरोध में दिखाई दे रहे थे। संविधान बचाओ-आरक्षण बचाओ नारे का नुकसान झेल चुकी भाजपा फूंक-फूंक कर कदम रख रही थी। अंत में गत 9 अगस्त को भाजपा के एस.सी.-एस.टी. सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।। प्रधानमंत्री ने सांसदों को आश्वासन दे दिया कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को लागू नहीं किया जाएगा. 9 अगस्त को ही देर रात केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भी इस सिलसिले में फैसला ले लिया कि इस फैसले को लागू नहीं किया जाएगा। भाजपा के इस फैसले को देखते हुए इंडिया गठबंधन के दलों में हलचल मच गई। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने भी आनन-फानन में फैसले लिए, देखते ही देखते दलित सब कोटे पर देश की राजनीति ही बदल गई।

सुप्रीम कोर्ट ने दलित सब कोटे के फैसले पर जिस दिन मुहर लगाई उसी दिन तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डू ने फैसले का स्वागत करते हुए घोषणा कि उनके राज्य में भविष्य में होने वाली सभी भर्तियों में कोटे में कोटे के फैसले का पालन किया जाएगा।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी कहा कि उनके राज्य में जल्द ही इस फैसले का क्रियान्वयन किया जाएगा। इन दोनों में राज्यों में कांग्रेस की सरकारें होने के चलते आम तौर पर यही धारणा बनी कि पार्टी इस फैसले का स्वागत करेगी। पर कांग्रेस पार्टी का अधिकारिक बयान नहीं आया। हो सकता है कि कांग्रेस के नेता पहले भारतीय जनता पार्टी का रुख देखना चाह रहे हों. क्योंकि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्राओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके और सेफोलॉजिस्ट के रूप में मशहूर हो चुके योगेंद्र यादव ने इंडियन एक्सप्रेस में एक ऑर्टिकल लिखकर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की भूरि-भूरि तारीफ की. यादव के इस लेख के बाद ऐसा माना जा रहा था कि राहुल गांधी भी इस फैसले की जल्द ही तारीफ करेंगे. पर इस बीच 9 अगस्त को बीजेपी ने सुप्रीम कोर्ट के दलित कोटे में कोटा बनाने के फैसले से दूरी बना ली। केंद्र सरकार ने क्लियर कर दिया कि सरकार भीम राव आंबेडकर के बनाए संविधान के हिसाब से आरक्षण लागू करने में विश्वास रखती है. जाहिर था कि कांग्रेस ने आनन-फानन में अपनी पॉलिसी बदली. 10 अगस्त को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी दलित सब कोटे का विरोध कर दिया।

एस.आई. पेपर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाफ पर्याप्त सबूत होने पर उनकी गिरफ्तारी की गई। एस.ओ.जी. ने गिरफ्तारी के 24 घंटे में आरोपियों को कोर्ट में पेश कर दिया और इसमें कानूनी प्रावधानों की अवहेलना नहीं हुई है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों को कहा है कि वह ट्रायल कोर्ट के समक्ष अपने पक्ष में साक्ष्य पेश कर सकते हैं और नियमित जमानत की अर्जी लगा सकते हैं।

मामले में आरोपी सुभाष बिश्नोई, राकेश भामू, मनीष बेनीवाल और दिनेश बिश्नोई, सुरेन्द्र कुमार व मालाराम ने दो एस.एल.पी. के जरिए राजस्थान हाईकोर्ट के 8 मई 2024 के आदेश को चुनौती दी थी। इस आदेश में राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की अपील पर जयपुर मेट्रो-द्वितीय की सी.एम.एम. कोर्ट का, 11 ट्रेनी एस.आई. व एक कांस्टेबल सहित 12 आरोपियों की सशर्त रिहाई के निर्देश देने वाला 12 अप्रैल का आदेश रद्द कर दिया था। आरोपियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा व सिद्धार्थ दवे ने राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश को रद्द कर सी.एम.एम. कोर्ट के आदेश को बहाल कर उन्हें जमानत देने का आग्रह किया था। इसके विरोध में राज्य सरकार के ए.ए.जी. शिवमंगल शर्मा ने कहा कि एस.ओ.जी. ने आरोपियों को गिरफ्तारी के 24 घंटे में ही कोर्ट में पेश कर दिया था और इससे पहले उन्हें पूछताछ के लिए ही बुलाया था।

भाजपा व विपक्ष यू.पी. के बाय...

- **सपा उपचुनाव में मिल्कीपुर सीट पर भी जीतना चाहती है, पर 12 वर्ष की बालिका के साथ सपा के दो कार्यकर्ताओं मोईद खान व राजू खान द्वारा बलात्कार किए जाने से सपा के जीतने की संभावना कमज़ोर हो गई है।**
- **12 वर्षीय बालिका से बलात्कार की घटना और बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा के कारण भाजपा के पक्ष में माहौल सा बनता लग रहा है।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पूरा जोर इसलिये लगा रही है ताकि वह फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद के हाथों हुई अपनी हार का बदला ले सके। ज्ञातव्य है कि सपा कार्यकर्ता मोइन खान तथा राजू खान द्वारा 12 वर्षीय बालिका के साथ किये गये गैंग रेप के बाद, अवधेश प्रसाद की जीत की आभा मंद पड़ गई है।

जहाँ मिल्कीपुर का जातीय गणित बड़े पैमाने पर सपा के पक्ष में दिखाई दे रहा है, वहीं भाजपा को उक्त गैंगरेप मामले के बाद इस क्षेत्र का माहौल उसके पक्ष में हो जाने की आशा है। इसी के साथ, भाजपा बाँग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे हमलों के खिलाफ अपने प्रचार-अभियान को लेकर भी आशान्वित है।

जहाँ इंडिया ब्लॉक ने लोकसभा चुनावों में उसे मिला लाभ अभी गँवाया नहीं है, लेकिन गठबन्धन को दो अन्य मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना है। पहली, कांग्रेस और सपा दोनों ने ही सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले पर चुप्पी साध रखी है, जिसमें अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों को कोटा के अन्दर कोटा की स्वीकृति दे दी गई है। दूसरी, मायावती का यह निर्णय, कि वे इन चुनावों में उतरेंगी।

उपचुनाव नहीं लड़ने की अपनी पुरानी परम्परा के विपरीत, बसपा ने निर्णय लिया है कि वह इन चुनावों को पूरी ताकत से लड़ेगी। बसपा आज अपने पूर्व स्वरूप की छाया मात्र रह गई है तथा उसका प्रभाव काफी कम हो गया है, लेकिन उसमें अभी इतनी क्षमता तो है कि वह इस फैसले को किसी राजनैतिक दल या गठबन्धन के पक्ष में या खिलाफ प्रभावित कर सके। वर्तमान परिदृश्य में ज्यादा सम्भावना इसी बात की है कि मायावती के उम्मीदवार इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवारों की चुनावी सम्भावनाओं पर प्रतिकूल असर डालेंगे।

डॉ. किरोड़ी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दो दिनों से सक्रिय होने के बाद, उनके फिर से मंत्री पद पर लौटने की सियासी चर्चाओं ने जन्म लिया है। इसी बीच आज भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के, किरोड़ी के जल्द कामकाज संभालने के बयान के बाद इन सियासी चर्चाओं को बल मिला है। मदन राठौड़ ने आज प्रदेश भाजपा कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि किरोड़ीलाल मीणा जल्द ही मंत्री पद का कामकाज संभालेंगे। मेरी उनसे बात हुई है और मुझे पूरा विश्वास है कि मैं उन्हें मनाने में कामयाब हो जाऊंगा। उन्होंने भावनात्मक रूप से मंत्री पद से इस्तीफा दिया था, जिसे स्वीकार नहीं किया गया है, और न इसे स्वीकार किया जाएगा।

ये माधवी पुरी बुच ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से एम.बी.ए. किया था। उनके करियर की शुरुआत आई.सी.आई. बैंक से हुई थी। वर्ष 1993-95 के बीच उन्होंने इंग्लैंड के वैस्ट चार्ल्स कॉलेज के बतौर लैक्चरर काम किया। बारह साल तक उन्होंने कई कम्पनियों के सेल्स, मार्केटिंग और प्रोडक्ट डवलपमैंट के क्षेत्र में काम किया।

वर्ष 2006 में उन्होंने आई.सी.आई.सी.आई. सिक्यूरिटीज को जॉइन किया तथा बाद में 2009 से 2011 तक इसके सी.ई.ओ. पद पर काम किया और 2011 में वे ग्रेटर पैसिफिक कैपिटल को जॉइन करने के लिए सिंगापुर चली गईं। उन्होंने कई कम्पनियों जैसे जैन्सर टैक्नॉलजीज़, इन्गो वैन कैपिटल और मैक्स हैल्थ केयर के एग्ज़ीक्युटिव डायरैक्टर के पद पर काम किया। उन्होंने इंडियन स्कूल ऑफ डवलपमैंट मैनेजमैंट के डायरैक्टर पद पर और न्यू डवलपमैंट बैंक में सलाहकार पद पर अपनी सेवाएं दी थीं। अप्रैल 2017 में उन्हें सेबी का पूर्णकालिक डायरैक्टर बनाया गया तथा कलैक्टिव इन्वैस्टमैंट स्कीम्स, सर्विलांस एवं इन्वैस्टमैंट मैनेजमैंट का विभाग दिया गया। जब उनका कार्यकाल खत्म हुआ तो उन्हें सात सदस्यों वाली टैक्नॉलॉजी कमेटी में लिया गया, जिसका गठन हाउस टैक्नॉलॉजी सिस्टम के विकास में सेबी की मदद के लिए किया गया था, टैक्नॉलॉजी और डेटा एनॉस्टिक एप्टीट्यूड में महारथ के कारण उन्होंने इसमें भी क़ई लैंडमार्क फैसले दिए।

18 साल की उम्र में उनकी सगाई धवल बुच से हुई जो कि तब एफ.एम.सी.जी. मल्टीनैशनल, यूनिलीवर में डायरैक्टर थे। जब माधवी 21 वर्ष की हुईं तब उनकी शादी हो गई, जिससे उन्हें एक बेटा है अभय। वे अपनी सफलता का श्रेय अपने बेटे और पति को देती हैं, जिन्हें वे अपना मित्र, सलाहकार व गाइड मानती हैं। जब 26/11 हुआ था, उस समय वे अपने पति के साथ ताज होटल में युनिलीवर की मीटिंग में थी।

हिंडनबर्ग ने माधवी और उनके पति पर बेनामी ऑफ शोर कम्पनियों के निवेश से लेकर अडानी की कम्पनियों के शेयर्स के दाम कृत्रिम रुप से बढ़ाने का आरोप लगाया है।

उप मुख्यमंत्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुमारी अधिकारियों की बैठक लेने पहुँचीं, तभी एक युवक तेजी से दौड़ता हुआ कलैक्ट्रेट सभागार के अंदर घुस गया। युवक के अंदर घुसने पर सुरक्षाकर्मी हरकत में आ गए और उसे दबोच लिया तथा सिविल लाइन थाना पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है। युवक ने अपना नाम नियारा गांव निवासी हंसराज गुर्जर बताया है। युवक ने बताया कि बस स्टैंड पर उसका मोबाइल चोरी हो गया था। पुलिस में कोई सुनवाई नहीं होने के कारण वह यहाँ शिकायत दर्ज कराने आया था। पुलिस युवक से पूछताछ में जुटी है।

'हिंडनबर्ग की रिपोर्ट, भारत में आर्थिक अराजकता फैलाने का षड्यंत्र' है

भाजपा ने आरोप है लगाया कि कांग्रेस इस षड्यंत्र का मुख्य सूत्रधार है

नयी दिल्ली, 12 अगस्त (वार्ता) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हिंडनबर्ग की ताजा रिपोर्ट को झूठी और भारत के विरुद्ध दुष्प्रचार करार देते हुए आज कहा कि कांग्रेस ने हिंडनबर्ग के साथ देश में आर्थिक अराजकता फैलाने के लिए षड्यंत्र रचा है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सांसद रविशंकर प्रसाद ने पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट, उसके आने के समय और तथ्यों पर सवाल उठाते हुए जमकर हमला किया।

प्रसाद ने कहा कि हिंडनबर्ग के मुख्य निवेशक जॉर्ज सोरॉस हैं, जो भारत के विरुद्ध नियमित दुष्प्रचार चलाते हैं। टूलकिट वालों को तो हिंदुस्तान के विकास से कोई मतलब नहीं है, लेकिन देश पर 55 वर्षों तक राज करने वाली कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन, एक सुनियोजित षड्यन्त्र के तहत हिंडनबर्ग के साथ मिल कर काम कर रहे हैं। देश के शेयर बाजार को अस्थिर करने की कोशिश के साथ आर्थिक अराजकता फ़ैलाने की साजिश हो रही है।

प्रसाद ने कहा कि तीसरी बार सत्ता से बेदखल होने के बाद कांग्रेस पार्टी, विपक्षी गठबंधन के नेता और इनको प्रोत्साहित करने वाले टूलकिट के लोग देश में आर्थिक अराजकता और आर्थिक अस्थिरता लाने का प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सामने आई है। यह रिपोर्ट शनिवार को आती है और रविवार को इसपर हल्ला मचाया जाता है, ताकि सोमवार को देश के पूंजी बाजार को अस्थिर कर दिया जाए। भारत की अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। दुनिया के बड़े-बड़े वैश्विक संस्थानों ने भारत की वृद्धि दर की सराहना की है और देश में सबसे ज्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है। भारत में कई संस्थागत और छोटे निवेशक हैं, जो मार्केट के रिटर्न से बहुत खुश हैं। सेबी की कानूनी जिम्मेदारी है कि शेयर बाजार ठीक से चले। सेबी अधिनियम में सुनवाई का प्रावधान है और निर्णय के खिलाफ अपील का भी प्रावधान है। देश के कैपिटल मार्केट प्रबंधन के लिए एक सशक्त वैधानिक संरचना है।

प्रसाद ने कहा कि पिछले साल हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई और जनवरी में उच्चतम न्यायालय का आदेश आया था, जिसके बाद 2024 में 22 जांच पूरी की गई। कांग्रेस जेपीसी की मांग करती है जबकि राहुल गांधी के पास वकीलों की फौज है, तो उन्होंने इन जांचों में सहयोग क्यों नहीं किया ? उच्चतम न्यायालय के आदेश पर हुई जांच के बाद, जुलाई में सेबी ने हिंडनबर्ग को नोटिस जारी किया कि वह कानून के विरोध में लगाए गए आरोपों पर जवाब दे। हिंडनबर्ग ने अपनी वेबसाइट पर भी नोटिस के कारण का जिक्र किया है।

सिंघानिया...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताने को कहा है कि सिंघानिया युनिवर्सिटी के खिलाफ एन.एम.सी. की ओर से शिकायत देने के बाद भी कार्रवाई क्यों नहीं की गई। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश सिंघानिया युनिवर्सिटी से एम.बी.बी.एस. करने वाली रंजना जांगड़ा व अन्य की याचिकाओं पर दिए।

सुनवाई के दौरान एन.एम.सी. की ओर से कहा गया कि उन्होंने राज्य सरकार को समय रहते हुए सूचना दे दी थी कि सिंघानिया युनिवर्सिटी को एम.बी.बी.एस. कोर्स चलाने की मंजूरी नहीं है, इसलिए युनिवर्सिटी के एम.बी.बी.एस. कोर्स को बंद किया जाए। वहीं, यू.जी.सी. ने कहा कि उन्होंने तो केवल युनिवर्सिटी को बी.एड. सहित अन्य कोर्स चलाने की मंजूरी दी थी, उन्होंने एम.बी.बी.एस. कोर्स चलाने के लिए कभी अनुमति नहीं दी थी। अदालत ने एन.एम.सी. व यू.जी.सी. का पक्ष जानने के बाद राज्य के ए.सी.एस. उच्च शिक्षा को उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने के लिए कहा है। मामले से जुड़े अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने बताया कि याचिकाकर्ताओं ने वर्ष 2016-17 में नीट की परीक्षा दी थी और उसमें वे पात्र घोषित किए गए। इस दौरान सिंघानिया वि.वि. ने एक विज्ञापन जारी कर एम.बी.बी.एस. कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन मांगे। जिस पर याचिकाकर्ताओं ने युनिवर्सिटी में एम.बी.बी.एस. कोर्स में प्रवेश ले लिया और 2022 में एम.बी.बी.एस. कोर्स कर भी लिया, लेकिन जब उन्होंने आर.एम.सी. में रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया तो यह कहते हुए उनका रजिस्ट्रेशन करने से मना कर दिया गया कि सिंघानिया युनिवर्सिटी एन.एम.सी. से मान्यता प्राप्त नहीं है और इसलिए उनका एम.बी.बी.एस. कोर्स वैध नहीं है। इस कार्रवाई को हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए याचिकाकर्ताओं ने आर.एम.सी. में उनका रजिस्ट्रेशन करवाने और उनकी एम.बी.बी.एस. की डिग्री को वैध करार देने का आग्रह किया।

प्रियंका गांधी ने बांग्लादेश के हिन्दुओं का मुददा उठाया

नयी दिल्ली, 12 अगस्त (वार्ता) कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बंगलादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई है कि वहां जल्द ही सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी।

प्रियंका गांधी ने कहा पड़ोसी देश बंगलादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर लगातार हमलों की खबरें विचलित करने वाली हैं। किसी भी सभ्य समाज में धर्म, जाति, भाषा या पहचान के आधार पर भेदभाव, हिंसा और हमले अस्वीकार्य हैं।

उन्होंने जल्द ही हालात में सुधार की उम्मीद जताई और कहा हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश में जल्द हालात सामान्य होंगे और वहां की नवनिर्वाचित सरकार हिंदू, ईसाई और बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के लिए सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित करेगी।

सेबी की चेयरमैन माधवी पुरी बुच की भूमिका पर तलवारें ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुआ था।

हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया है कि बुच और उनके पति के उसी गुमनाम ऑफशोर बरमूडा एंड मॉरिशस फंड्स में कुछ छिपी हुई हिस्सेदारी थी। यह फर्म उसी कॉम्प्लेक्स में पाई गई। बरमूडा एंड मॉरिशस फंड्स का उपयोग विनोद अडानी करता था।

रिपोर्ट कहती है कि जब बुच सेबी की पूर्णकालिक सदस्य थी, उसका ऑफशोर फंड के मैनेजरों से सम्पर्क रहता था तथा उसने "इंडिया इन्फोलाइन" को पत्र लिखा कि फंड की इकाइयों को मुक्त किया जाये। इसी दौरान, उसकी रूचि सिंगापुर की एक ऑफशोर कन्सल्टिंग फर्म "अगोरा" में हो गई तथा सेबी की चेयरपर्सन नियुक्त हाने के केवल दो सप्ताह बाद ही उसने अपने शेयर अपने पति के नाम ट्रांसफर कर दिये थे।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 40 से अधिक मीडिया जाँचों द्वारा प्रस्तुत एवं पुष्ट साक्ष्यों के बावजूद, सेबी ने अडानी ग्रुप के खिलाफ कोई खास सार्वजनिक कार्यवाही नहीं की है।

रिपोर्ट कहती है कि सेबी की निष्क्रियता को उसी फंड को काम में लेने की बुच की सहअपराधिता से जोड़ा जा सकता है, जो अब संवीक्षा के अधीन है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट में कहा गया है कि अडानी पर आई उसकी रिपोर्ट से लेकर अब तक के 18 महीनों में, "सेबी ने अडानी के मॉरिशस तथा ऑफशोर फर्जी फर्मों के अडानी के कथित गुप्त जाल में बहुत ही कम रूचि दिखाई।"

सेबी प्रमुख तथा उसके पति ने "रिपोर्ट में लगाए आरोपों का निराधार तथा कपटपूर्ण बताया और इनसे इन्कार किया।

बोर्ड के सदस्यों के लिये सेबी का विधान कहता है कि वे अपने हितों, जो उनकी ड्यूटी के खिलाफ हो सकते हैं तथा परिजनों ट्रांज़ेकशन्स को उजागर करें।

किन्तु इस नवीनतम विवाद को देखते हुए यह पूछा जाना जरूरी है: जब नियामक अडानी ग्रुप से जुड़े आरोपों की जाँच-पड़ताल कर रहा था, तो जो बातें सामने आईं, उन्हें सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया?

अडानी ग्रुप ने भी अपनी नियमित बीफ्रिंग में हिंडनबर्ग के आरोपों को दुर्भावनापूर्ण, बचकाना और चालाकीपूर्ण बताते हुए कहा है कि तथ्यों और कानून की जबरन उपेक्षा कर सार्वजनिक जानकारी के चुनिंदा अंशों को व्यक्तिगत लाभ के लिए पूर्व निर्धारित निर्णयों के साथ प्रस्तुत किया गया। भाजपा ने सोमवार को आरोप लगाया कि हंगरी मूल के अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरोस हिंडनबर्ग रिसर्च के मुख्य निवेशक हैं। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद को यह कहते हुए उद्धृत किया गया कि "आज हम कुछ मुद्दे उठाना चाहते हैं। हिंडनबर्ग में किसका निवेश है? क्या आप जॉर्ज सोरोस नामक सज्जन को जानते हैं जो भारत के खिलाफ नियमित रूप से दुष्प्रचार करते हैं। वे इसके मुख्य निवेशक हैं। उनके दिल में नरेन्द्र मोदी के प्रति घृणा भरी हुई है। आज कांग्रेस पार्टी भी भारत से घृणा करने लगी है।

उन्होंने आगे कहा कि "यदि भारत के शेयर बाजार में उथल-पुथल मचती है तो क्या छोटे निवेशकों को परेशानी नहीं होगी? कांग्रेस पार्टी के पास एक तो "टूलकिट" पॉलिटिक्स है और दूसरी है चिट पॉलीटिक्स। यदि परीक्षा में चिट्स पायी जाती है तो एक्शन लिया जाता है, लेकिन उस चिट्स का क्या करें जो कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं को मिलती हैं? वे पूरे शेयर बाजार को तबाह करना तथा छोटे निवेशकों के पूंजीगत निवेश को रोकना चाहते हैं और यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि भारत में कोई भी आर्थिक निवेश ना हो।"

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दावा किया है कि सेबी की अध्यक्ष के खिलाफ लगाए गए आरोपों से पता चलता है कि सेबी की विश्वसनीयता के साथ समझौता किया गया है और उसके बाद से भारतीय शेयर बाजार में स्थिति जोखिमपूर्ण है।

हाल ही आई हिंडनबर्ग रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "एक्स" पर डाली गई एक पोस्ट में मांग की कि सिक्युरिटीज़ एण्ड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इण्डिया (सेबी) की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच के विरूद्ध लगाए गए आरोपों की जांच जॉइन्ट पॉर्लियामैन्टरी कमेटी (जे.पी.सी.) से करायी जानी चाहिए, क्योंकि सेबी ने हिंडनबर्ग की जनवरी 2023 की रिपोर्ट में हुए खुलासों के बाद प्रधानमंत्री के विश्वस्थ साथी अडानी को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष क्लीन चिट दे दी थी। तथापि, सेबी प्रमुख पर आपसी सहायता करने के नए आरोप सामने आए हैं।

खड़गे ने आगे कहा कि "अपनी गाढ़ी कमाई का स्टॉक मार्केट में निवेश करने वाले लघु एवं मध्यम निवेशकों के संरक्षण की जरूरत है क्योंकि उनका सेबी पर विश्वास है। इस महाघोटाले की तह में जाने के लिए जे.पी.सी. जांच जरूरी है।

खड़गे ने कहा कि "तब तक यही माना जाएगा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत के उन संवैधानिक संस्थानों की कीमत पर अपने सहयोगियों को बचाना जारी रखेंगे, जिन्हें पिछले सात दशकों में बड़ी मुश्किल से खड़ा किया गया है।"

हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्ष के दावों-प्रतिदावों के बावजूद पर्याप्त मात्रा में ऐसे दस्तावेजी साक्ष्य मौजूद हैं कि मोदी सरकार द्वारा नियुक्त सेबी अध्यक्ष ने पक्षतापपूर्ण काम किया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए जांच के आदेश से उन्हें स्वयं को अलग कर लेना चाहिए था।

शीर्ष अदालत के हिसाब से देखा जाए तो सुस्पष्ट है कि सेबी के निर्णय संदेहास्पद तथा सही नहीं थे। सुप्रीम कोर्ट को सभी बातों को ध्यान में रख नए रहस्योद्घाटनों के हिसाब से स्वत: प्रेरित संज्ञान लेना चाहिए। कोर्ट को अडानी के प्रति पक्षपात करने को लेकर बुच के भी गुणागुण की जांच करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट को बुच ने यह प्रश्न करना चाहिए कि जब वह यह दावा करती हैं कि उनके धन का लेन-देन एक खुली किताब है तो फिर वह बेनामी विदेशी इकाईयों के जरिए अपने धन को क्यों घुमा रही हैं?

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908